

श्रेया घोषाल की आवाज में छा गया नया छठ गीत, इंटरनेट पर वायरल 'ये प्रेम मोल लिया' का 'बुलाए छठी मइया' गाना

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 29
न्यूनतम - 17

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 315 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 4 विक्रमी संवत ● पृष्ठ :12 ● मूल्य 4 रूपया

बड़ा प्लान ! अब गांव-गांव होगी चीतों की पहरेदारी

● चीते के शिकार ने बदल दी है कूनो अभ्यारण्य की रणनीति ● हर गांव से तैयार होगा एक 'चीता ट्रैकर', वन विभाग ऐक्टिव



श्योपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में चीता परियोजना के सामने शावकों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। कूनो नेशनल पार्क में चीता शावक के शिकार की घटना के बाद वन विभाग अब निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने की तैयारी में है। इसके तहत चीतों की निगरानी का दायरा कूनो नेशनल पार्क की सीमा से बाहर आसपास के जंगलों और गांवों तक बढ़ाया जाएगा। नई व्यवस्था में केवल कूनो नेशनल पार्क के कर्मचारियों और चीतों के गले में लगे रेडियो कॉलर पर निर्भरता नहीं रहेगी। सामान्य वनमंडल के मैदानी अमले को भी इस काम में शामिल किया जाएगा। जंगल और आसपास के आबादी वाले क्षेत्रों में वन विभाग के दो कर्मचारी गांवों में ही स्थायी रूप से रहेंगे। इससे चीतों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ ग्रामीणों से लगातार संपर्क बनाए रखना भी आसान होगा।

गांव के युवाओं को दी जाएगी तकनीकी ट्रेनिंग

जानकारी अनुसार, चीतों की निगरानी व्यवस्था में स्थानीय युवाओं की भागीदारी भी बढ़ाई जाएगी। इसके लिए प्रत्येक गांव से एक युवक का चयन कर उसे तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करने की योजना है। उसे चीते की कॉलर आईडी की रेडियो फ्रीक्वेंसी समझने और उससे मिलने वाले संकेतों की जानकारी दी जाएगी। कूनो नेशनल पार्कप्रबंधन सूत्रों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर निगरानी का ऐसा नेटवर्क तैयार करना है, जिससे चीतों की मौजूदगी और उनकी गतिविधियों की जानकारी समय पर मिल सके। साथ ही ग्रामीणों को जागरुक किया जाएगा कि वे चीतों को किसी तरह का नुकसान न पहुंचाएं और उनकी मौजूदगी की सूचना वन विभाग को दें।

पंजाब पुलिस का दावा-हरियाणा के कॉलर ने धमकाया

केजरीवाल को लॉरेंस गैंग से मिली धमकी फर्जी



मोहाली (एजेंसी)। दिल्ली में तिलक नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह ने पुलिस को शिकायत दी है कि लॉरेंस गैंग ने अरविंद केजरीवाल से 7 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताने वाले एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके फोन और वॉट्सऐप मैसेज के जरिए यह धमकी दी है। दिल्ली के तिलक नगर से एएपी विधायक जरनैल सिंह ने कहा- 6 नवंबर 2026 को शाम करीब 6 बजे उनके निजी मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से कॉल और वॉट्सऐप मैसेज आया। वॉट्सऐप प्रोफाइल पर नाम प्रदर्शित हो रहा था। आरोपी ने मैसेज में लिखा, लॉरेंस गैंग से हूं, अरविंद केजरीवाल को बोल दे 7 करोड़ दे दो नहीं तो अरविंद केजरीवाल और उसकी बेटी हर्षिता केजरीवाल को जान से मार दूंगा। उनकी शिकायत पर मोहाली के साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज हुआ है। इन्वेस्टिगेशन में यह धमकी फर्जी पाई गई है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में चंद्रशेखर-ओवैसी की पार्टियों में गठबंधन

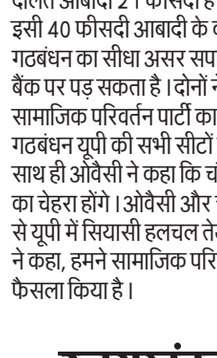
लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गठबंधन का ऐलान किया है। इसका नाम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा रखा गया है। गठबंधन यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा। गुरुवार को लखनऊ में संयुक्त प्रेसवार्ता में ओवैसी ने कहा कि चंद्रशेखर यूपी में सीएम का चेहरा होंगे। भाजपा को रोकने के लिए हमारा मोर्चा मजबूत विकल्प बनेगा। सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि यह तीसरा मोर्चा नहीं, बल्कि पहला मजबूत मोर्चा होगा। बड़े गठबंधन में शामिल



होने की कोशिश की, लेकिन हमें कमजोर समझा गया। यूपी में मुस्लिम आबादी 19 फीसदी और दलित आबादी 21 फीसदी है। गठबंधन की नजर इसी 40 फीसदी आबादी के वोटों पर है। इस गठबंधन का सीधा असर सपा और बसपा के वोट बैंक पर पड़ सकता है। दोनों ने गठबंधन से सामाजिक परिवर्तन पार्टी का ऐलान किया है। अब गठबंधन यूपी की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। साथ ही ओवैसी ने कहा कि चंद्रशेखर ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे। ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन से यूपी में सियासी हलचल तेज हो गई है। ओवैसी ने कहा, हमने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बनाने का फैसला किया है।

उत्तराखंडवासियों को घुसपैठिया कहना छोटी सोच

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया कहने वाले बयान पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को करारा जवाब दिया है। लखनऊ में उत्तराखंड महोत्सव के दौरान योगी ने अखिलेश का नाम लिए बिना कहा, अगर उत्तराखंड की बेटी नहीं होती तो तुम सैफई में कहीं भैंस चरा रहे होते। योगी ने कहा कि उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया कहना छोटी सोच है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत, पूर्व मुख्यमंत्रियों हेमवती नंदन बहुगुणा और



नारायण दत तिवारी का जिक्र किया। साथ ही वीर चंद्र सिंह गढ़वाली, जनरल बिपिन रावत, जनरल अनिल चौहान और अजीत डोभाल के नाम लेकर उत्तराखंड के योगदान को बताया। योगी ने कहा कि उत्तराखंड ने देश को सैनिक, बड़े नेता और देश की सुरक्षा करने वाले अधिकारी दिए हैं। उन्होंने मड़वा, झंगोरा और कुल्थ की दाल जैसे पहाड़ी खाने की तारीफ की। साथ ही उत्तराखंड महापरिषद को भरोसा दिया कि लखनऊ के पंडित गोविंद बल्लभ पंत उपवन में हर साल उत्तराखंड महोत्सव आयोजित किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले दिनों उन्होंने एक व्यक्ति का बयान सुना, जिसमें उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया कहा गया था। इस पर उन्होंने अखिलेश यादव का नाम लिए बिना कहा, उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत उत्तराखंड से थे। अगर उत्तराखंड की बेटी नहीं होती तो तुम सैफई में कहीं भैंस चरा रहे होते। योगी का इशारा अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव की ओर था।

'किचन' से बाथरूम तक महंगाई की मार

दूध 12 तक महंगा, कमर्शियल सिलेंडर के दाम 72.50 बढ़े

डिटर्जेंट 11 फीसदी और सिगरेट 10 रुपए तक महंगी हो गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दो महीनों में रोजमर्रा के इस्तेमाल की कई चीजें महंगी हो गई हैं। दूध-दही बेचने वाली डेयरी कंपनियों से लेकर साबुन-डिटर्जेंट और तेल कंपनियों तक ने सामानों के दाम बढ़ा दिए हैं। अमूल और मदर डेयरी ने 12 नवंबर से दूध 4 रुपए प्रति लीटर तक महंगा कर दिया है। वहीं, कर्नाटक के नंदिनी ब्रांड ने 1 नवंबर से ही दूध के दाम 12 प्रति लीटर तक बढ़ा चुकी है। इसके अलावा घी, मक्खन, कपड़े धोने का पाउडर, नहाने का साबुन, सिगरेट, ड्राई फ्रूट्स, होटल-रेस्टोरेंट में इस्तेमाल होने वाला गैस सिलेंडर और हवाई जहाज का ईंधन भी महंगा हुआ है।



खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से महंगाई बढ़ी- अक्टूबर में महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी रही। देश के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स में खाने-पीने की चीजों की हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी है। यानी इनकी कीमतों में बदलाव का सीधा असर कुल महंगाई पर पड़ता है। अक्टूबर में खाद्य महंगाई बढ़कर 8.94 हो गई, जबकि सितंबर में यह 7.74 फीसदी थी। प्याज, लहसुन और अदरक जैसी रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ने से लोगों का रसोई का बजट प्रभावित हुआ। इससे पहले अक्टूबर 2024 में खुदरा महंगाई 6 की सीमा पार कर 6.2 फीसदी पर पहुंची थी।

राहुल गांधी हैदराबाद में डिलीवरी बॉय-कैब ड्राइवरों से मिलेंगे

हैदराबाद (एजेंसी)। राहुल गांधी 14 नवंबर को हैदराबाद में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के कार्यक्रम और रैली में शामिल होंगे। इस दौरान डिलीवरी एग्जीक्यूटिव, कैब ड्राइवर और ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े अन्य कर्मचारियों से बातचीत करेंगे। वर्कर्स राहुल के



सामने अपनी समस्याएं और मांगें रखेंगे। कार्यक्रम हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के पास होगा। इसके साथ गिग वर्कर्स की छोटी रैली भी निकाली जाएगी। इस दौरान वर्कर्स के लिए वेलफेयर बोर्ड की शुरुआत भी होगी, जो राज्य में उनके लिए कानून और कल्याणकारी योजनाएं लागू करेगा। कार्यक्रम में गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार सुरक्षा, रजिस्ट्रेशन और शिकायतों के समाधान पर चर्चा होगी।

घाटी से लापता दोनों स्पेशल पुलिस ऑफीसर के शव मिले

● शरीर गोलियों से छलनी, हथियार भी गायब; सेना के साथ जंगल में सर्चिंग पर गए थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के मारवाह के जंगल में बुधवार शाम को लापता हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के दो एसएचओ के शव मिले हैं। दोनों शव गोलियों से छलनी हैं। उनके पास 60 राउंड वाली एक इंसास राइफल और 50 राउंड वाली एक 303 राइफल थी। दोनों के ही हथियार गायब हैं। दोनों आर्मी के साथ इलाके में सर्चिंग के लिए गए थे। जब वे लापता हुए थे, तब जंगल से फायरिंग की आवाजें भी सुनाई दी थीं। मृतकों की पहचान रशपाल कुमार और बाबी चंद के रूप में हुई है। दोनों के लापता होने के दौरान इसी इलाके में एयरटेल नेटवर्क सेवाएं बाधित होने की जानकारी भी सामने आई थी। एयरटेल कंपनी ने इसी साल 10 मार्च को मरवाह इलाके में पहली बार मोबाइल नेटवर्क सेवा शुरू की थी।



जंगल में 2 हैंड ग्रेनेड मिले, संदिग्ध गिरफ्तार

सुरक्षाबलों ने गुरुवार को बारामूला जिले में तलाशी अभियान के दौरान दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। बारामूला पुलिस ने सेना के साथ मिलकर तंगमर्ग के बदरकोट जंगल में एरिया से बदरकोट निवासी गुलाम जिलानी रेशी को पकड़ा गया। उसके पास से हैंड ग्रेनेड थे।

शीतकालीन यात्रा में भी रजिस्ट्रेशन करवाने की तैयारी

चारधाम यात्रा में 2025 में पहुंचे थे 50 हजार श्रद्धालु

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा का मुख्य सीजन अब समाप्त होने जा रहा है, लेकिन श्रद्धालु सर्दियों में भी चारों धामों के दर्शन कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें ऊंचाई पर स्थित मंदिरों तक जाने की जरूरत नहीं होगी। शीतकाल में चारों धामों की उत्सव डोलियां अपने-अपने प्रवास स्थलों पर पहुंचेंगी, जहां अगले छह महीने तक पूजा-अर्चना और दर्शन होंगे। इधर, उत्तराखंड सरकार शीतकालीन यात्रा को व्यवस्थित करने के लिए पहली बार पंजीकरण व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रही है।

चारधाम यात्रा की तरह ही शीतकाल में आने वाले श्रद्धालुओं का भी रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इससे पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के पास यह जानकारी रहेगी कि किस प्रवास स्थल पर कितने श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। हालांकि, शीतकालीन यात्रा में चारधाम यात्रा की तुलना में भीड़ कम रहती है। इसलिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य नहीं होगा। पर्यटन विभाग इस व्यवस्था को सुरक्षा के लिहाज से लागू करने पर विचार कर रहा है।

घर में सोना कहां से आया, महिलाओं को बताना होगा

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा-500 ग्राम की लिमिट बताकर बच नहीं सकतीं ● सर्वोच्च न्यायालय बोला-छापे के दौरान अधिकारियों को सोर्स बताएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कई सालों से यह नियम चला आ रहा है कि अगर आयकर विभाग की छापेमारी हो, तो शादीशुदा महिला के पास 500 ग्राम तक सोना होने पर अधिकारी उसे जब्त



नहीं कर सकते। इसी नियम का फायदा उठाकर कई लोग मान लेते थे कि 500 ग्राम तक सोना रखने पर किसी को कोई जवाब नहीं देना होगा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अब एक बड़ा स्पष्टीकरण दिया है। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्ली की बेंच ने कहा- सोना जब्त न होना और उसका मालिक होना दो अलग बातें हैं। यह फैसला बिहार की एक पूर्व अफसर के मामले में आया, जिन पर भ्रष्टाचार का आरोप था। उन्होंने 500 ग्राम सोना होने का हवाला देकर बचने की कोशिश की थी। बिहार की पूर्व बाल विकास परियोजना पदाधिकारी फूलपरी कुमारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला था। 2015 में बिहार विजिलेंस ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच में उनके पास 646.400 ग्राम सोने के आभूषण मिले। उन्होंने दलील दी कि शादीशुदा महिला के लिए 500 ग्राम और अविवाहित बेटी के लिए 250 ग्राम सोना जब्ती से सुरक्षित है। पटना हाईकोर्ट ने कार्यवाही रद्द कर दी थी।

बंटवारे के बाद पोता दादा की संपत्ति का दावेदार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अगर दादा की संपत्ति उनके कानूनी वारिसों में बंट चुकी है, तो पोता जन्म के आधार पर उसमें अपना हिस्सा नहीं मांग सकता। जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की बेंच ने 1997 में एक नाबालिग पोते की तरफ से दायर बंटवारे का मुकदमा खारिज कर दिया। फैसला 6 नवंबर को सुनाया गया, जिसकी जानकारी 11 नवंबर को सामने आई।मामला चेन्नई के 1,811 स्क्वायर फीट के एक मकान / प्लॉट का था। पोते का दावा था कि उसे जन्म से ही दादा की संपत्ति में कोपार्सनरी हक मिला है, इसलिए उसे भी हिस्सा मिलना चाहिए। यह मुकदमा नाबालिग पोते की ओर से दायर किया गया था। सुप्रीम कोर्ट बोला- ऐसा नहीं होगा, क्योंकि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत पिता को मिला हिस्सा पहले ही उसकी व्यक्तिगत संपत्ति बन गया था। 1811 स्क्वायर फीट की यह संपत्ति चेन्नई में थी। मूल मालिक पोते के दादा थे। दादा की बेटी (पोते की बुआ) ने 1993 में बंटवारे का मुकदमा किया। फरवरी 1994 में समझौते से बंटवारा हो गया, पोते के पिता को हिस्सा मिला। पिता ने अप्रैल 1997 में दो सेल डीड से अपना हिस्सा बेच दिया। पोता जनवरी 1994 में पैदा हुआ था, उसने मां के जरिए 1997 में मुकदमा किया कि मुझे भी आधा हिस्सा चाहिए, मुझे पहले वाले बंटवारे में शामिल नहीं किया गया।



न्यूज की तरह जिंदगी में भी डेडलाइन जरूरी

● मोदी बोले-न्यूजरूम में कुछ भी असंभव नहीं माना जाता ● पीएम बोले-सीएम बना तो मुझसे पहले मीडिया को पता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में दीपावली मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि न्यूजरूम में कुछ भी असंभव नहीं माना जाता। मोदी ने कहा कि भूकंप हो या बाढ़, जब लोग जान बचाकर भाग रहे होते हैं, तब रिपोर्टर अपनी जान जोखिम में डालकर और परिवार की चिंता छोड़कर खबर की कवरेज करते हैं। न्यूज की दुनिया में डेडलाइन सबसे जरूरी होती है। उसी तरह जिंदगी में



भी डेडलाइन जरूरी होती है। मोदी ने कहा- मैं 11 अशोका रोड पर पड़ा रहता था। एक दिन पत्रकार अचानक मेरे कमरे में आ गए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में मेरा गला पकड़ लिया और कहा कि मिठाई खिलाओ। मैंने पूछा कि किस बात की मिठाई खिलाऊं, तो उन्होंने कहा कि आप गुजरात के मुख्यमंत्री बन गए हैं। मुझे खुद इस बात की जानकारी नहीं थी, लेकिन पत्रकारों को पहले ही पता चल गया था।

पत्रकारों के साथ पुराने रिश्ते और मीडिया में बदलाव

फैक्स से लेकर इंस्टाग्राम रील तक मीडिया का स्वरूप बदल चुका है। पहले खबरों की कवरेज ओबी वैन से होती थी, अब मोबाइल ही ओबी वैन बन गया है। 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री बनने की खबर पत्रकारों को उनसे पहले मिल गई थी। पत्रकारों ने उन्हें मिठाई खिलाने को कहा। कई पत्रकार अपने खर्चे पर शपथ ग्रहण समारोह में भी पहुंचे थे। पत्रकारिता में डेडलाइन से काम की प्राथमिकताएं तय होती हैं और रफ्तार बढ़ती है। देश के सामने भी 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की डेडलाइन है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए छोटे-बड़े चरणों में काम करना होगा, 2047 तक इंतजार नहीं करना है। भारत दुनिया के बड़े मोबाइल फोन निर्माता देशों में शामिल है। चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल बना है। भारत ने दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में जगह बनाई है और सबसे बड़ा एआई सिस्टम तैयार किया है। 4 करोड़ परिवारों को पक्के मकान, 3 करोड़ लखपति दीदियां और 12 करोड़ घरों में शौचालय बनाने जैसे लक्ष्य हासिल किए गए हैं। देश का रेल नेटवर्क पूरी तरह इलेक्ट्रिफाई हो चुका है।

भारत की सफलता की कहानियां दुनिया तक पहुंचाएं

21वीं सदी में कम्युनिकेशन सबसे बड़ी ताकत है। भारत के पास सस्ता डेटा और दुनिया को सुनाने के लिए उपलब्धियों की कई कहानियां हैं। मीडिया भारतीय प्रतिभाओं, सफलताओं और प्रेरणादायक लोगों को अधिक जगह दे। देश की उपलब्धियों को दुनिया तक पहुंचाना भी देश सेवा का माध्यम है। मीडिया युवाओं को नशे की लत से बचाने और इसके खिलाफ जागरुकता फैलाने में भूमिका निभाए। स्वच्छता, डीपफेक, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव जैसे मुद्दों को भी मीडिया डिबेट में जगह दी जाए।

पंजाब में बीजेपी वर्सेज आप में बंट गए हैं 'डेरे'

● डेरा सचखंड बल्लां के भक्त भी हो गए दो फाड़

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब के जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां में प्रबंधन और डेरा प्रमुख संत निरंजन दास के करीबी होने को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। यहां आम आदमी पार्टी और बीजेपी से जुड़े श्रद्धालुओं के दो गुट आमने-सामने हैं। विवाद की मुख्य वजह बीजेपी की प्रस्तावित समरसता संकल्प यात्रा है। इस यात्रा को डेरे से शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। यह यात्रा 18 नवंबर को जालंधर से शुरू होकर 3 दिसंबर को वाराणसी में समाप्त होगी। इसका आयोजन 20 फरवरी 2027 को होने वाली गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के कार्यक्रमों के तहत किया जा रहा है।



बल्लान के पास से यात्रा कराने की कोशिश

अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट द ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब बीजेपी एससी मोर्चा के अध्यक्ष शीतल अंगुराल ने कहा कि पार्टी यात्रा की शुरुआत बल्लान के पास से करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए श्री खुरालगढ़ साहिब के पास कार्यक्रम आयोजित करने पर भी विचार किया जा रहा है। इसी बीच डेरे के प्रबंधन को लेकर भी आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। वकील एलएम गुलाटी और सोनिया तंवर ने गंभीर आरोप लगाया है।

अनमोल वचन

जैसे जन्म के पश्चात शैशव, युवावस्था और प्रौढ़ता आती है, वैसे ही जीवन के अंतिम पड़ाव पर वृद्धावस्था भी अनिवार्य रूप से आती है। हम बहुधा वृद्धावस्था को भार समझने की गलती कर बैठते हैं, जबकि वृद्धावस्था वस्तुतः ऐसी नहीं होनी चाहिए जिसे वहन करने वाले ऊबें और मरने की कामना करें, और परिजन उसकी उपस्थिति को भार समझें। समाज के कर्णधार उन्हें एक प्रकार की राष्ट्रीय विपत्ति समझें और उनकी विकट समस्याओं को हल करने के लिए परेशानी का अनुभव करें। वृद्ध पशुओं की तरह उन्हें बूचड़खाने भी तो नहीं भेजा जा सकता। विचारणीय है कि क्यों न उन वृद्धों के अनुभव और विकसित व्यक्तित्व का लाभ उठाया जाए जिससे समाज लाभान्वित हो। परिजनों को उनकी उपस्थिति अपना सौभाग्य मानना चाहिए, परंतु यहाँ होता उसका उल्टा ही है। इसके दो कारण हो सकते हैं– एक, आहार-विहार में समय के साथ परिवर्तन न करना; दूसरा, चिंतन को रचनात्मक दिशा में अग्रसर न किए रहना। एक कारण यह भी है कि शरीर की क्षमता कम हो जाने के कारण वृद्ध जवानी जितना काम नहीं कर सकते और संतान उनसे इसी प्रकार काम करते रहने की अपेक्षा करे। इन तीनों कारणों का समाधान दोनों पक्षों की समझदारी और विवेकशीलता से निकाला जा सकता है, जिससे परिवार में सुख-शांति रहे।

बहन के घर कोथली देने आए भाई की पीट-पीटकर हत्या, पोस्टमार्टम हाउस पर परिजनों का हंगामा

मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शामली-मुजफ्फरनगर मार्ग पर लगाया जाम, सीओ के आश्वासन पर माने परिजन

शामली। बहन के घर कोथली देने आए 22 वर्षीय युवक की बहन के ससुराल पक्ष के लोगों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। बुधवार देर रात युवक का शव घायल अवस्था में घर के बाहर पड़ा मिला। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से गुस्साए परिजनों ने गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पर जमकर हंगामा किया। उन्होंने मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शामली-मुजफ्फरनगर मार्ग पर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंचे सीओ सिटी ने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया। जानकारी के अनुसार, जनपद मुजफ्फरनगर के मोहल्ला कमल नगर, 30 फुटा मंडी निवासी 22 वर्षीय अंकुश पुत्र मदनपाल बुधवार को थाना आदर्श मंडी क्षेत्र के कस्बा बनत निवासी अपनी बहन मनीषा के घर कोथली देने आया था। बताया जाता है कि इसी दौरान बहन मनीषा और उसके पति अरुण के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। अंकुश ने इसका विरोध किया तो उसकी भी जीजा अरुण से कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी बीच मनीषा का देवर आकाश मामला शांत कराने के बहाने अंकुश को घर से बाहर टहलने के लिए अपने साथ ले गया। आरोप है



कि देर शाम अंकुश घर के बाहर घायल अवस्था में पड़ा मिला। परिजन उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंकुश के शरीर पर लाठी-डंडों से पिटाई के निशान देखकर परिजनों में आक्रोश फैल गया। बहन की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने मौके पर मौजूद जीजा अरुण और ससुर संजीव को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

गुरुवार सुबह तक पोस्टमार्टम नहीं होने और मुख्य आरोपी आकाश की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजन रिश्तेदारों के साथ पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। उन्होंने पुलिस पर आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी करने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

इसके बाद परिजनों ने शामली-मुजफ्फरनगर मार्ग पर जाम लगा दिया। हंगामे की सूचना पर सीओ सिटी जितेंद्र कुमार और आदर्श मंडी थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस के अंदर जाने का भी प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने गेट पर ताला लगाकर उन्हें रोक दिया। सीओ सिटी ने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और मुख्य आरोपी की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन शांत हुए। देर रात पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद परिजन शव को अपने साथ ले गए। मृतक के पिता मदनपाल पुत्र नयन सिंह की तहरीर पर पुलिस ने संजीव, अरुण, आकाश, चौटा और रवि समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नीरज जाटव बने भाजपा एससी मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री, पार्टी कार्यालय पर हुआ स्वागत

शामली। भाजपा द्वारा शामली निवासी नीरज जाटव को पश्चिम उत्तर प्रदेश एससी मोर्चा का क्षेत्रीय मंत्री नियुक्त किए जाने पर गुरुवार को पार्टी कार्यालय पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप ने कहा कि भाजपा समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों को सम्मान देने के साथ आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर रही है। पार्टी में दलित समाज के लोगों को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। उन्होंने नीरज जाटव को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। वहीं नवनियुक्त क्षेत्रीय मंत्री



नीरज जाटव ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो सम्मान और जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सचिन जैन सहित भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शामली शुगर मिल में नए पेराई सत्र का शुभारंभ, पहले दिन किसानों का किया स्वागत

शामली। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की शामली शुगर मिल में गुरुवार को नए पेराई सत्र का शुभारंभ हो गया। पेराई सत्र के पहले दिन किसान अपने गन्ने से लदे वाहनों के साथ मिल पहुंचे। इस दौरान पहली भैंसा बुग्गी लेकर पहुंचे गांव सिंभालका निवासी किसान शीशपाल और पहली ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर पहुंचे गांव ऐरटी निवासी किसान देवेंद्र कुमार का मिल अधिकारियों ने फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। दोनों किसानों को मिठाई खिलाकर सम्मानित भी किया गया।

चीनी मिल के महाप्रबंधक गन्ना सतीश बालियान ने बताया कि गुरुवार सुबह 11:45 बजे मिल में गन्ने की पेराई शुरू कर दी गई। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह छह बजे तक मिल में करीब 25



हजार कुंतल गन्ने की पेराई होने का अनुमान है। मिल में पेराई शुरू होने से क्षेत्र के गन्ना किसानों को राहत मिली है। अब किसान नियमित रूप से अपना गन्ना मिल में आपूर्ति कर सकेंगे।

महाप्रबंधक ने किसानों से साफ-सुथरा और ताजा गन्ना मिल में लाने की अपील की। इस अवसर पर इंजीनियरिंग हेड कुलदीप त्यागी, प्रोडक्शन हेड जगवीर सिंह, अकाउंट हेड जेके पांडे, एचआर हेड गौरव कर्णवाल, दीपक राणा, आशुतोष गोयल, उमेश कौशिक सहित अन्य मिल अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

स्काउटिंग-गाइडिंग से विद्यार्थियों में विकसित होगी अनुशासन और सेवा भावना: डीएम

शामली। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की जिला कार्यकारिणी और जिला परिषद की बैठक में जनपद में संगठन की गतिविधियों को प्रभावी बनाने और विद्यालयों में विस्तार करने पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रप्रेम विकसित करने के लिए स्काउटिंग एवं गाइडिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। गुरुवार को पहली बैठक बीएसए कार्यालय में बीएसए एवं जिला मुख्ययुक्त संतोष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या जायसवाल, उपाध्यक्ष डॉ. रुचिता ढाका, जिला आयुक्त स्काउट डॉ. अमित मलिक, जिला आयुक्त गाइड डॉ. प्रतिभा सैनी, जिला सचिव डॉ. हीरा सिंह, डॉ. शोभित मलिक, भोला कुमार, अनिल कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, अनुराधा राठी, पूजा चौधरी, रश्मि वर्मा और रविन्द्र कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके बाद दोपहर में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला परिषद की सामान्य बैठक डीएम एवं जिला अध्यक्ष आलोक यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में



संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं, विद्यालयों में स्काउटिंग एवं गाइडिंग का विस्तार करने और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इससे जोड़ने पर विचार-विमर्श किया गया। डीएम ने कहा कि स्काउटिंग एवं गाइडिंग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके जरिए बच्चों में आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भावना विकसित होती है। उन्होंने जनपद में संगठन की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाने तथा विद्यालयों में इनका व्यापक स्तर पर संचालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में जिला संगठन आयुक्त (गाइड) गीता रानी सहित जिला कार्यकारिणी और जिला परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

एमडीए के खिलाफ किसानों की पंचायत में पहुंचे राष्ट्रीय गुर्जर महासभा के अध्यक्ष चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर, मांगों को दिया समर्थन



मेरठ। राम मनोहर लोहिया वेदव्यासपुरी एवं गंगानगर के किसानों के लंबित प्रतिकर और प्लॉट आवंटन की मांग को लेकर मेरठ विकास प्राधिकरण (एमडीए) के खिलाफ एमडीए प्रांगण में किसान पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में राष्ट्रीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर ने पहुंचकर किसानों की मांगों को अपना समर्थन दिया और पंचायत को संबोधित किया। इस दौरान चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर ने किसानों के साथ कथित वादा खिलाफी, लंबे समय से लंबित प्रतिकर और किसानों को उनके हक के प्लॉट आवंटित नहीं किए जाने के मुद्दे को उठाया। उन्होंने किसानों की मांगों को जायज बताते हुए उनके अधिकारों की लड़ाई में साथ खड़े रहने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ न्याय होना चाहिए और उनके लंबित प्रतिकर एवं प्लॉट आवंटन की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी ओमपाल आर्य, चौधरी आशु अवाना, चौधरी गजेंद्र पंवार सहित अनेक सम्मानित साथी एवं किसान मौजूद रहे।

शामली की हवा हुई जहरीली, एक्यूआई 304 पर पहुंचा, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी

शामली। एनसीआर क्षेत्र में शामिल शामली में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन दिनों से एक्यूआई में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। बुधवार को 280 पर रहा एक्यूआई गुरुवार को बढ़कर 304 पर पहुंच गया। प्रदूषण का स्तर बढ़ने से शहर की हवा जहरीली होती जा रही है। सुबह से ही लोगों को आंखों में जलन, चुभन और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर में सुबह और शाम के समय प्रदूषण का असर अधिक दिखाई दे रहा है। वातावरण में धूल और धुएं के कण जमा होने से हवा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। दीपावली पर हुई आतिशबाजी के बाद अब सड़कों पर उड़ती धूल, वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों और



खुले में कूड़ा जलाने जैसी गतिविधियां प्रदूषण बढ़ा रही हैं। मौसम में बदलाव और हवा की गति कम होने से भी प्रदूषक तत्व वातावरण में बने हुए हैं। गुरुवार को दिनभर आसमान में धुंध छाई रही। प्रदूषण का सबसे अधिक असर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों पर पड़ने की आशंका है। सुबह सैर पर निकलने वाले लोगों को भी आंखों में जलन और गले में खराश जैसी परेशानियां महसूस हो रही हैं। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से खांसी, सांस फूलने और फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। एक्यूआई 300 के पार पहुंचने के बावजूद शहर में प्रदूषण से बचाव को लेकर अपेक्षित जागरूकता नजर नहीं आ रही है। लोग अभी भी खुले में कूड़ा जलाने, अनावश्यक रूप से वाहनों का इस्तेमाल करने और धूल उड़ाने वाली गतिविधियों से परहेज नहीं कर रहे हैं। ऐसे में प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रशासन को सख्त कदम उठाने के साथ ही आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

पुलिस भर्ती प्रक्रिया का एसपी ने किया निरीक्षण, पारदर्शिता बरतने के निर्देश

शामली। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत पुलिस लाइन शामली में अभ्यर्थियों के मेडिकल परीक्षण और शारीरिक नाप-तौल की प्रक्रिया जारी है।

गुरुवार को पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने एएसपी सुमित शुक्ला के साथ पुलिस लाइन पहुंचकर भर्ती प्रक्रिया का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने मेडिकल परीक्षण, शारीरिक माप-जोख सहित भर्ती के विभिन्न चरणों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से अब तक पूरी हुई प्रक्रिया तथा अभ्यर्थियों के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में भी



जानकारी प्राप्त की।

एसपी ने निर्देश दिए कि भर्ती प्रक्रिया शासन और पुलिस मुख्यालय के निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुसार पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई जाए।

मेडिकल परीक्षण और शारीरिक नाप-तौल में निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा सभी अभ्यर्थियों के साथ समान व्यवहार हो। उन्होंने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पेयजल, बैठने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, समयबद्ध और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया।

भैया दूज पर बहन से मिलने आए भाई की मौत का मामला, दो आरोपी हिरासत में

पार्टी करने के बहाने घर से ले गया था बहन का देवर, घायल अवस्था में मिला था युवक

शामली। जनपद शामली के आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के कस्बा बनत में भैया दूज के दिन बहन से मिलने आए युवक की मौत के मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जबकि अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला ने बताया कि 11 नवंबर को मुजफ्फरनगर जनपद के नई मंडी थाना क्षेत्र निवासी अंकुश पुत्र मदन अपनी बहन मनीषा की ससुराल कस्बा बनत में भैया दूज के कार्यक्रम में शामिल होने आया था। इसी दौरान उसकी बहन का सगा देवर



आकाश उसे पार्टी करने के बहाने अपने साथ बाहर ले गया। पुलिस ने बताया कि शाम के समय अंकुश अपनी बहन की ससुराल के सामने घायल अवस्था में पड़ा मिला। परिजनों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के पिता ने अपनी बेटी के ससुराल पक्ष के छह लोगों के खिलाफ तहरीर दी।

इसमें मृतक की बहन के पति, देवर, सास-ससुर समेत अन्य लोगों को नामजद किया गया है। तहरीर के आधार पर आदर्श मंडी थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एएसपी सुमित शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नामजद आरोपियों को हिरासत में लिया है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: भारत में हुई शादी का विदेशी अदालत से मिला तलाक मान्य नहीं, सीपीसी की धारा 13 का उल्लंघन

विदेशी तलाक के आधार पर दूसरी शादी करने पर चलेगा 'बिगैमी' का मुकदमा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों और विदेशी अदालतों से प्राप्त होने वाले तलाक (फॉरेन डिवोर्स) के मामलों को लेकर एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि किसी दंपति की शादी भारत में हुई है, तो विदेश के उदार कानूनों का सहारा लेकर वहां की अदालत से तलाक हासिल कर लेने भर से भारतीय कानून के मुताबिक उनका विवाह समाप्त नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि ऐसे विदेशी तलाक के आधार पर यदि कोई व्यक्ति दूसरी शादी करता है, तो उसके खिलाफ 'बिगैमी' यानी पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी करने के आरोप में आपराधिक मुकदमा चलाया जा सकता है।

नागरिकता बदलने पर भी नहीं खत्म होंगी पहली शादी

सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अक्सर देखा जाता है कि कई पुरुष अपनी पत्नियों



की सहमति न होने के बावजूद 'शादी के पूरी तरह टूट जाने' का हवाला देकर विदेशी अदालतों से एकतरफा या उदार नियमों के तहत तलाक हासिल कर लेते हैं और इसके बाद दूसरी शादी रचा लेते हैं। कोर्ट ने दो-टूक स्पष्ट किया कि भले ही पति या पत्नी बाद में किसी अन्य देश की नागरिकता क्यों न ग्रहण कर लें, तब भी भारत में संपन्न हुई पहली शादी से जुड़े कानूनी प्रभाव और जिम्मेदारियां समाप्त नहीं होती हैं। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, यदि विदेशी अदालत से मिला तलाक भारतीय कानून के निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरता है, तो भारत में पहली शादी को अब भी पूरी तरह वैध और बरकरार माना जाएगा।

शादी का पूरी तरह टूटना' भारत में तलाक का वैध आधार नहीं

मामले की सुनवाई कर रही सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि भारत में लागू मौजूदा वैवाहिक कानूनों के तहत 'शादी का पूरी तरह टूट जाना' तलाक देने का कोई स्वतः या सामान्य कानूनी आधार नहीं है।

ऐसे में केवल इसी वजह को आधार बनाकर विदेशी अदालत की ओर से दिया गया तलाक भारत में कानूनी रूप से मान्य नहीं होगा।

कोर्ट की सख्त टिप्पणी

बेंच ने अपने फैसले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, "हमारी राय में विदेशी अदालत का यह तलाकनामा भारत के मौजूदा वैवाहिक कानूनों के खिलाफ है और एक ऐसे आधार पर दिया गया है जिसे भारतीय कानून में कोई मान्यता ही नहीं है। यह सिविल प्रक्रिया संहिता (CPC) की धारा 13 के उन कानूनी मानकों का सीधा उल्लंघन है, जिसे भारत में मान्य होने के लिए किसी भी विदेशी अदालत के फैसले को पास करना अनिवार्य होता है।

किराए के विवाद में बस कंडक्टर को ब्लेड मारकर किया घायल, यात्रियों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा

मुजफ्फरनगर। किराए के विवाद में प्राइवेट बस के कंडक्टर को ब्लेड मारकर घायल करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव कैथोड़ा निवासी तनवीर पुत्र सलीम मुजफ्फरनगर-मवाना रूट पर चलने वाली एक प्राइवेट बस में सवार होकर रामराज की ओर जा रहा था। बस जैसे ही गांव पुट्ठी इब्राहिमपुर के समीप पहुंची तो कंडक्टर अनिल कुमार ने युवक से किराया मांगा। इसी बात को लेकर दोनों



के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि किराया मांगने से नाराज युवक ने कंडक्टर पर ब्लेड से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद बस चालक ने बस रोक दी तो आरोपी बस से कूदकर फरार होने लगा। इसी दौरान बस में सवार यात्रियों और आसपास मौजूद ग्रामीणों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया तथा पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुला लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम तनवीर पुत्र सलीम निवासी गांव कैथोड़ा बताया।

पुलिस ने घायल कंडक्टर की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसका चालान कर दिया।

पड़ाव चौक पर ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली का कहर, बिजली का खंभा टूटकर गिरा, स्कूटी-बाइक क्षतिग्रस्त



मुजफ्फरनगर। मीरापुर कस्बे के मुख्य बाजार स्थित पड़ाव चौक पर ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से बिजली का खंभा टूटकर सड़क पर गिर गया। खंभे के नीचे खड़ी एक स्कूटी और बाइक दबकर क्षतिग्रस्त हो गईं। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही विद्युत विभाग की टीम और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली को वहां से हटवाया गया। घटना को लेकर कस्बे के व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है। व्यापारियों ने बाजार में ओवरलोड वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने तथा कस्बे के चारों प्रमुख प्रवेश मार्गों पर बैरियर लगवाने की मांग की है। उधर, भारतीय व्यापार मंडल के अध्यक्ष अक्की ने बताया कि कस्बे में लगातार बढ़ती जाम और ओवरलोड वाहनों की समस्या को लेकर व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी नीलम पांडे को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पड़ाव चैक पर तत्काल बैरिकेडिंग कराने तथा चैक पर खड़े रहने वाले दर्जनों ई-रिक्शाओं के लिए भव्य पैलेस के आसपास अलग से स्टैंड बनवाने की मांग की गई। व्यापारियों का कहना है कि ई-रिक्शाओं के व्यवस्थित संचालन और भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगने से जाम की समस्या से काफी हद तक निजात मिल सकती है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:

◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में एक बार फिर बरेली अव्वल: पीलीभीत दूसरे व रामपुर ने हासिल किया तीसरा स्थान

टॉप–10 में पश्चिम यूपी से बागपत भी शामिल, जनशिकायतों के फीडबैक में रुहेलखंड के जिलों ने मारी बाजी

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा प्रदेश में सुशासन स्थापित करने और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का असर अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड (सीएम डैशबोर्ड) की अक्टूबर माह की समग्र रैंकिंग में एक बार फिर बरेली जनपद ने पूरे उत्तर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। वहीं, पीलीभीत ने दूसरा और रामपुर ने तीसरा स्थान हासिल किया है। तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों के अनुसार, यह उपलब्धि जनशिकायतों के प्रभावी निस्तारण, आमजन से मिले बेहतर फीडबैक और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में की गई सुधारात्मक पहलों के चलते संभव हो सकी है। बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बताया कि सीएम डैशबोर्ड की रिपोर्ट उन जिलों के समग्र प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, जिन्होंने प्रशासनिक दक्षता, विकास कार्यों और राजस्व प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जिले में विकास परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। इसके साथ ही डैशबोर्ड के माध्यम से प्राप्त होने वाली जनशिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित



निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। अक्टूबर माह की रैंकिंग में बरेली को 10 में से सर्वाधिक 9.37 अंक प्राप्त हुए, जिससे जिले ने प्रदेश भर में पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, पीलीभीत ने 9.29 अंक हासिल कर राज्य में दूसरा स्थान अपने नाम किया।

रामपुर के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि सीएम डैशबोर्ड पर जिलों का मूल्यांकन जनशिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, कार्रवाई की गुणवत्ता, फीडबैक और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे कड़े मानकों पर किया जाता है। अक्टूबर माह में विकास कार्यों, राजस्व प्रबंधन और कानून-व्यवस्था की समीक्षा के आधार पर जारी रैंकिंग में रामपुर ने विकास एवं राजस्व कार्यों की सम्मिलित श्रेणी में 91.20 प्रतिशत (10 पूर्णांक में से 9.12 अंक) प्राप्त कर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, मानवी अग्रवाल पुत्री श्री संजीव अग्रवाल निवासी म0न0 101 लेन नं0–13, वैष्णो देवी मंदिर के पास, नॉर्थ गांधी कॉलोनी, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश हूँ । मेरा नाम व पता उपरोक्त सब सच व सही है। मैं अपने नाम के साथ Surname-AGGARWAL (उपनाम) "अग्रवाल" जोड़ना चाहती हूँ। क्योंकि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट में नाम-MANVI लिखा हुआ है किन्तु मैंने अपने आधार कार्ड व पैनकार्ड में उपनाम- अग्रवाल अंकित करा लिया है। **Surname** जोड़ने के पश्चात मेरा पूर्ण नाम "MANVI AGGARWAL" होगा।

मेरे द्वारा Surname जोड़ने के संबंध में दी गई उपरोक्त समस्त जानकारी सत्य एवं सही है। मैंने कोई तथ्य छिपाया नहीं है।

पूज्य माता-पिता एवं गुरुजनो की प्रेरणा से

अनुष्ठान की

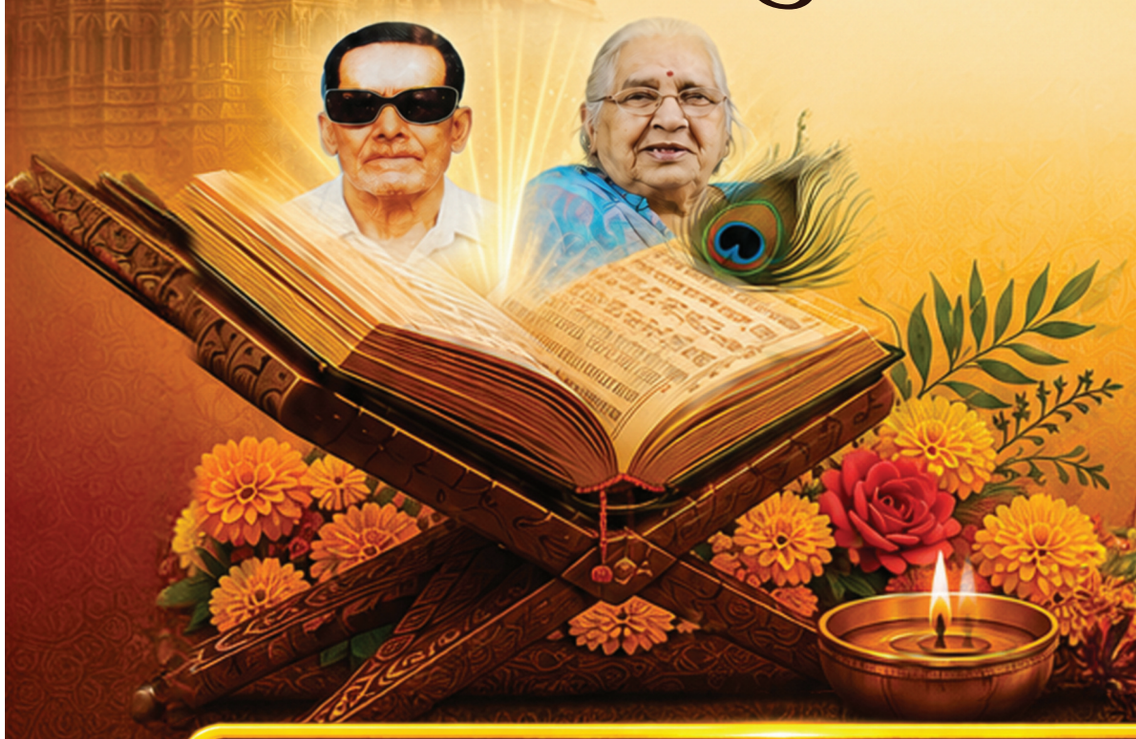
श्री मद भागवत कथा

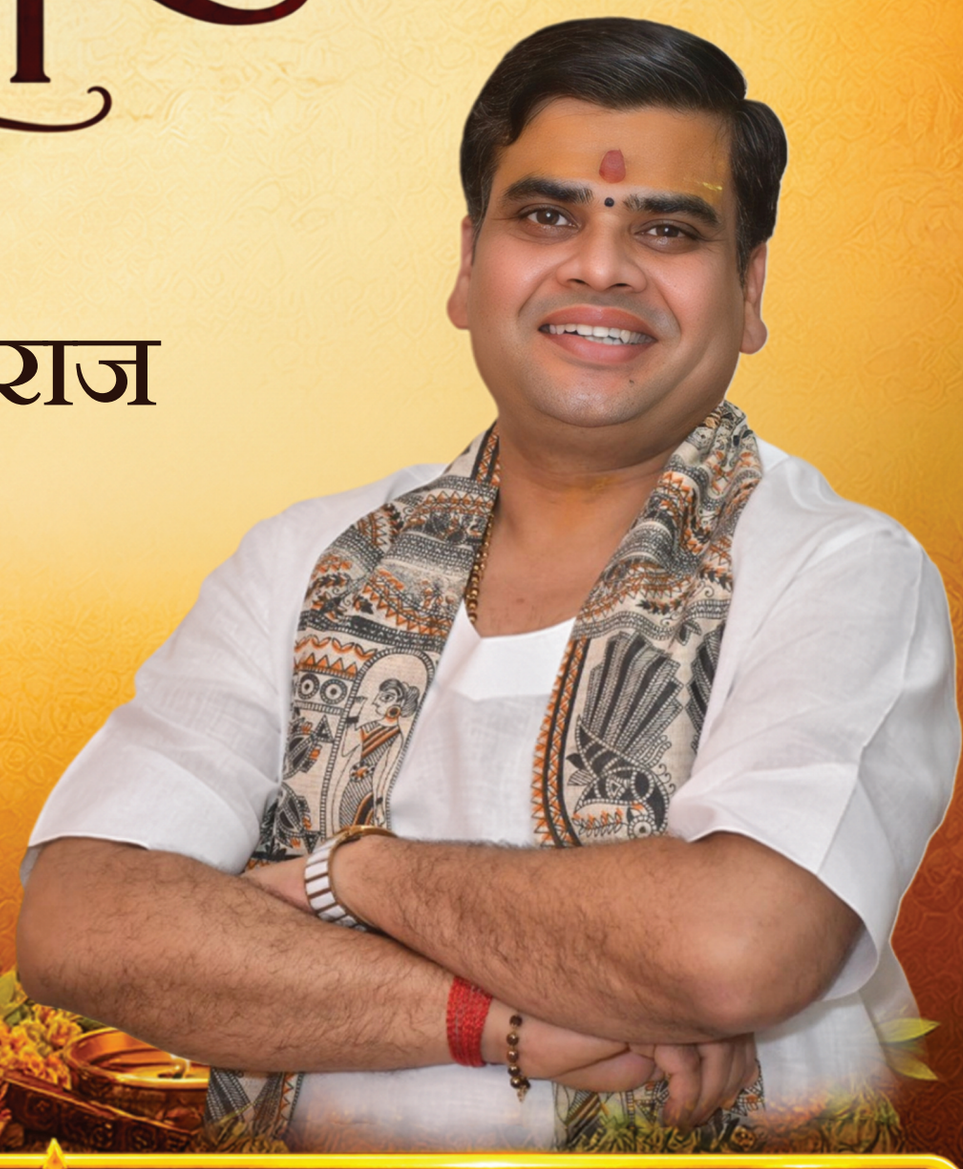


स्वामी कल्याण देव जी
श्रीमद्भागवत कथा की उद्गम स्थली
शुकतीर्थ के जीर्णोद्धारक

कथा व्यास

श्री शान्तनु जी महाराज





13 नवंबर 2026, शुक्रवार से 20 नवंबर 2026, शुक्रवार

समय: अपराह्न 3 से सायं 6 बजे तक

कलश यात्रा

श्री राज दुर्गा मंदिर, रेशू विहार रेलवे फाटक से रेशू प्रांगण तक
(लगभग 100 मीटर)

13 नवंबर 2026, शुक्रवार | प्रातः 8:30 बजे से 11:00 बजे तक

रेशू एडवर्टाइजिंग प्रांगण, रेशू विहार, रेशू चौक,
मुज़फ्फरनगर-251001-(उ.प्र.)

SCAN FOR MORE INFO

निवेदक | समस्त RESHU परिवार
89798 31239

संपादकीय

बढ़ता रहा धरती का तापमान, जलवायु संकट से निपटने में कहां चूक रही दुनिया

धनी और विकसित देशों में जलवायु परिवर्तन और उसकी वजहों को लेकर चिंता जताई जाती है, लेकिन उससे निपटने के मामले में गंभीरता नहीं दिखती।अगर किसी समस्या का कारण ज्ञात नहीं हो और उसका स्वरूप जटिल होता जाए, तो उसके संदर्भों को समझा जा सकता है। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक ताप के मसले पर दुनिया लंबे समय से चिंता जता रही है, उसके कारणों पर दशकों से बात हो रही है, इसके समाधान के रास्तों की तस्वीर भी साफ है, मगर स्थिति दिनोंदिन बिगड़ती जा रही है। खासतौर पर धनी और विकसित देशों में जलवायु परिवर्तन और उसकी वजहों को लेकर चिंता जताई जाती है, लेकिन उससे निपटने के मामले में गंभीरता नहीं दिखती।यह बेवजह नहीं है कि वैश्विक ताप का असर अब हर जगह स्पष्ट होकर सामने आने लगा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की एक ताजा रपट के मुताबिक वर्ष 2026 को ज्ञात मौसम इतिहास के चार सबसे गर्म वर्षों में से एक बताया गया है। गौरतलब है कि इस वर्ष जनवरी से सितंबर के बीच की अवधि में वैश्विक औसत तापमान पूर्व औद्योगिक काल के मुकाबले 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया।हालांकि 2026 में तापमान में बढ़ोतरी की एक अहम वजह अल-नीनो के प्रभाव को बताया जा रहा है, जो बीते अगस्त से लगातार जोर पकड़ रहा है और दिसंबर तक इसके सबसे शक्तिशाली स्तर पर पहुंचने की आशंका है। मगर मौसम में इस तरह के उतार-चढ़ाव का सिरा भी वास्तव में उन्हीं कारकों से जुड़ा है, जिसे दुनिया भर में विकास के नाम पर बढ़ावा दिया जा रहा है। यह छिपा नहीं है कि तापमान में बढ़ोतरी और फिर उसकी वजह से मौसम में उथल-पुथल का एक चक्र बनता है, जिसमें सभी कड़ियां एक दूसरे से जुड़ी होती हैं।मगर जब इसके लिए जिम्मेदार कारकों में मानवीय गतिविधियों और विकास की कसौटियों की बात आती है, तो पर्यावरण का सवाल हाशिये पर चला जाता है। वैश्विक ताप या जलवायु परिवर्तन के लिए सबसे मुख्य जिम्मेदार कार्बन उत्सर्जन को ठहराया जाता है। मगर सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाले विकसित देश आमतौर पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं और इस मामले में पहलकदमी के साथ निर्वाह का दायित्व विकासशील देशों पर डाल देते हैं।यों पिछले कुछ समय से वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों की ओर से यह सवाल उठाया गया है कि जब तक समृद्ध और विकसित देश वैश्विक ताप के मसले पर बराबर की सहभागिता के लिए कदम नहीं बढ़ाते, तब तक इस समस्या के जाल से बाहर आना मुश्किल होगा।

बैंक में जमा पैसा ही नहीं, ग्राहक की पूरी आर्थिक पहचान भी खतरे में है

(महेंद्र कुमार कुशवाह)

भारत का पिछला अनुभव भी कम चेतावनीपूर्ण नहीं है। अगस्त 2018 में पुणे के कासमास कोआपरेटिव बैंक पर साइबर हमले में अपराधियों ने एटीएम स्विच प्रणाली को निशाना बनाकर लगभग 94.42 करोड़ रुपए निकाल लिए। इसके बाद एसडब्लूआइएफटी प्रणाली के जरिए करीब 13.92 करोड़ रुपए विदेश भेजे गए। इन घटनाओं की तकनीक और एसबीआइ के मौजूदा डेटा लीक का स्वरूप अलग है, लेकिन सबक एक ही है- महंगे सुरक्षा साफ्टवेयर और कागजी नियम पर्याप्त नहीं हैं।



मोबाइल फोन इस्तेमाल करती महिला के साथ डिजिट ल पहचान, आधार, बैंकिंग डेटा, चेहरे की पहचान और साइबर हैकर के प्रतीकात्मक दृश्य, जो एआई के दौर में डेटा चोरी और ऑनलाइन गोपनीयता के जोखिम को दर्शाते हैं।

हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) से जुड़ी साइबर सुरक्षा की घटना ने डिजिटल बैंकिंग की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पिछले महीने शेयर बाजार को दी गई सूचना में बैंक ने स्वीकार किया कि 'डार्क वेब' पर उपलब्ध करीब 3.75 लाख रिकार्ड की प्रारंभिक जांच में 3,897 ऐसे मिले, जिनमें ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां थीं। इनमें नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, ईमेल, घर के पते, ग्राहक पहचान संख्या और ऋण संबंधी विवरण शामिल थे। बैंक ने स्वतंत्र साइबर सुरक्षा एजंसी से जांच कराने की बात कही, लेकिन स्पष्ट किया कि घटना से उसके कारोबार और वित्तीय प्रदर्शन पर कोई महत्त्वपूर्ण असर नहीं पड़ा।

सवाल है कि बैंक का वित्तीय प्रदर्शन सुरक्षित रहना ही क्या उसकी सफलता का पैमाना है? ग्राहक की निजता और सुरक्षा का क्या होगा? इतनी बड़ी संख्या में ग्राहकों की निजी जानकारी का 'डार्क वेब' तक पहुंचना कोई मामूली घटना नहीं है। ग्राहक बैंक को मेहनत की कमाई के साथ अपनी पूरी आर्थिक पहचान सौंपता है। बदले में उसे सुरक्षा का भरोसा मिलता है। जब यही जानकारी अपराधियों के हाथों तक पहुंचती है, तो यह महज तकनीकी चूक नहीं, संस्थागत जवाबदेही की गंभीर परीक्षा बन जाती है। आज साइबर अपराधियों को खाते का पासवर्ड चुराने की भी हमेशा जरूरत नहीं पड़ती। ग्राहक का नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, बैंक शाखा और ऋण संबंधी जानकारी ही ठगों के लिए विश्वसनीय पहचान गढ़ने का हथियार बन सकती है। वक्त के साथ यह समस्या जटिल होती जा रही है। जुलाई 2026 में बैंक आफ बड़ौदा ने एक कर्मचारी के ईमेल खाते तक अनधिकृत पहुंच की घटना स्वीकार की। इस घटना ने एक गंभीर सवाल खड़ा किया कि अगर बैंक के कर्मचारी का ईमेल सुरक्षित नहीं, तो ग्राहक की जानकारी की सुरक्षा का दावा कितना विश्वसनीय है!

दूसरी बड़ी विफलता तब सामने आती है, जब ग्राहक के खाते से रकम निकल जाती है और बैंक उसे राहत देने के बजाय नियमों की दुहाई देने लगता है। मार्च 2026 में भारतीय रिजर्व बैंक ने यूनियन बैंक आफ इंडिया पर 95.40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। बैंक कुछ ग्राहकों के अनधिकृत इलेक्ट्रानिक लेनदेन की रकम दस कार्यदिवस के भीतर लौटाने में विफल रहा था। यह कार्रवाई बताती है कि ग्राहक की सुरक्षा केवल साइबर अपराध रोकने तक सीमित नहीं है। ठगी के बाद उसकी रकम वापस दिलाना भी बैंक की जिम्मेदारी है।

अक्तूबर 2026 में केरल हाईकोर्ट का एक फैसला इस समस्या का और गंभीर चेहरा सामने लाता है। एक सेवानिवृत्त महिला प्राचार्य के एसबीआइ खाते से 2019 में साइबर ठगी के जरिए 3.73 लाख रुपए निकाल लिए गए थे। उन्होंने उसी दिन शिकायत दर्ज कराई, लेकिन बैंक ने रकम वापस नहीं की। आखिर हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप करते हुए बैंक को पूरी रकम लौटाने का निर्देश दिया। अदालत ने बैंक द्वारा ग्राहक की लापरवाही साबित करने के आधारों पर भी सवाल उठाए। यानी अपनी ही रकम वापस पाने के लिए एक बुजुर्ग महिला को वर्षों तक संघर्ष करना पड़ा। इसी तरह, नवंबर 2026 में केनरा बैंक से जुड़े एक मामले में दिल्ली के जिला उपभोक्ता फोरम ने साइबर ठगी की शिकार महिला को 4,14,488 रुपए लौटाने, एक लाख रुपए मुआवजा और 50 हजार रुपए कानूनी खर्च देने का आदेश दिया। महिला ने मोबाइल स्क्रीन साझा की थी, जिसके बाद उसके खाते से रकम निकल गई। बैंक ने ग्राहक के व्यवहार को जिम्मेदारी का आधार बनाया, लेकिन फोरम ने केवल ग्राहक की लापरवाही का पर्याप्त प्रमाण नहीं माना। बैंक को अपने पक्ष में जरूरी तकनीकी साक्ष्य प्रस्तुत करने थे।

यह फैसला एक महत्त्वपूर्ण सिद्धांत स्थापित करता है- ग्राहक को ठगी का शिकार होने भर से दोषी नहीं ठहराया जा सकता। 2024-25 में भारतीय रिजर्व बैंक के लोकपाल कार्यालयों को 2,96,321 शिकायतें मिलीं। इन सभी को बैंक की गलती नहीं कहा जा सकता, लेकिन इतनी बड़ी संख्या बैंकिंग सेवाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था में मौजूद चुनौतियों का संकेत जरूर देती है। अब यह संकट वैश्विक भी है। जापान में नवंबर 2026 में एक साइबर हमले के बाद छह सौ इक्कीस ग्राहकों की जानकारी उजागर हुई। इसी महीने 3,20,118 लोगों की जानकारियां प्रभावित होने की बात सामने आई। ये घटनाएं बताती हैं कि बैंक अपनी सेवाएं तीसरे पक्ष को सौंपकर सुरक्षा की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। परागवे के उएनो बैंक का हालिया वित्तीय संकट भी लाखों ग्राहकों के भरोसे और आर्थिक सुरक्षा की संवेदनशीलता को रेखांकित करता है।

भारत का पिछला अनुभव भी कम चेतावनीपूर्ण नहीं है। अगस्त 2018 में पुणे के कासमास कोआपरेटिव बैंक पर साइबर हमले में अपराधियों ने एटीएम स्विच प्रणाली को निशाना बनाकर लगभग 94.42 करोड़ रुपए निकाल लिए। इसके बाद एसडब्लूआइएफटी प्रणाली के जरिए करीब 13.92 करोड़ रुपए विदेश भेजे गए। इन घटनाओं की तकनीक और एसबीआइ के मौजूदा डेटा लीक का स्वरूप अलग है, लेकिन सबक एक ही है- महंगे सुरक्षा साफ्टवेयर और कागजी नियम पर्याप्त नहीं हैं। निरंतर निगरानी, स्वतंत्र आडिट और कठोर जवाबदेही के बिना डिजिटल बैंकिंग सुरक्षित नहीं हो सकती।

अब सबसे बड़ा सवाल है कि एसबीआइ का डेटा बाहर पहुंचा कैसे? क्या बैंक के आंतरिक सर्वर में सेंध लगी, किसी कर्मचारी की भूमिका थी या किसी सेवा प्रदाता की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर थी? फिलहाल किसी संभावना की पुष्टि नहीं हुई है। बैंक को स्पष्ट करना होगा कि पूरे डेटा संग्रह में क्या-क्या शामिल है, कितने ग्राहक वास्तव में प्रभावित हुए और सभी संभावित पीड़ितों को व्यक्तिगत रूप से सूचना दी गई है या नहीं। यह भी बताया जाना चाहिए कि उससे बचाव के लिए क्या कदम उठाने हैं। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 नागरिकों के निजी डेटा की सुरक्षा का कानूनी ढांचा तैयार करता है। हालांकि इसके प्रमुख दायित्वों का प्रभावी होना मई 2027 से निर्धारित है, इसलिए वर्तमान मामले में लागू कानूनी प्रावधानों का आकलन सावधानी से करना होगा। लेकिन नैतिक जिम्मेदारी के लिए किसी कानूनी समयसीमा की प्रतीक्षा नहीं की जा सकती। प्रभावित ग्राहकों को समय पर सूचना देना और संभावित धोखाधड़ी से बचाना बैंक का बुनियादी दायित्व है। अब आरबीआइ को केवल जुर्माना लगाने से आगे बढ़ना होगा। बैंकों के स्वतंत्र साइबर आडिट, तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही, डेटा लीक की स्थिति में तत्काल सूचना और अनधिकृत लेनदेन की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए।

डिजिटल भारत की सफलता का पैमाना केवल करोड़ों आनलाइन लेनदेन नहीं, नागरिक का भरोसा होना चाहिए। बैंक की तिजोरी में पैसा सुरक्षित होना जरूरी है, लेकिन ग्राहक की पहचान, निजता और आर्थिक प्रतिष्ठा भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। आखिर नागरिक अपनी पूरी आर्थिक जिंदगी बैंक के हवाले करता है। सवाल है कि कब तक बैंक जांच और तकनीकी शब्दावलियों के पीछे छिपेंगे और ग्राहक अपनी ही रकम तथा निजता की रक्षा के लिए दर-दर भटकेगा? निजता कोई खैरात नहीं, नागरिक का अधिकार है। उसकी रक्षा में विफल रहने वाली संस्था को जवाबदेही से बचने की छूट नहीं मिलनी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन के फेर में चाय की खुशबू, बढ़ते तापमान के चक्रव्यूह में फंसा मशहूर उद्योग

(पंकज चतुर्वेदी)

अपनी अनूठी खुशबू और स्वाद के लिए मशहूर चाय उद्योग आज जलवायु परिवर्तन व बढ़ते तापमान के चक्रव्यूह में फंस चुका है। उत्तर-पूर्व भारत और रिपोर्ट में पाया गया कि दार्जिलिंग में तापमान वृद्धि और चाय की उपज में नकारात्मक संबंध है। वर्ष 2026 में 'फ्रंटियर्स इन क्लाइमेट' में प्रकाशित एक नवीनतम अध्ययन में निष्कर्ष निकाला गया



दार्जिलिंग की हरी-भरी घाटियों से उठने वाली चाय की महक आज एक गंभीर संकट के साये में है। कभी अपनी अनूठी खुशबू और स्वाद के लिए दुनियाभर में मशहूर यह उद्योग आज जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान और अनिश्चित मौसम के चक्रव्यूह में फंस चुका है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चाय उत्पादक देश में इस उद्योग का लड़खड़ाना केवल आर्थिक घाटा नहीं है, बल्कि यह इस क्षेत्र की आजीविका, संस्कृति और पर्यावरण से जुड़ा एक बड़ा संकट है। पिछले तीन दशकों में दार्जिलिंग चाय के उत्पादन में लगभग दो-तिहाई तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 1990 में जहां दार्जिलिंग में करीब 1.45 करोड़ किलोग्राम चाय का उत्पादन होता था, वहीं 2025 तक आते-आते यह गिरकर मात्र 56 लाख किलोग्राम रह गया है। असम और उत्तर-पूर्व के अन्य हिस्सों में भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। इस क्षेत्र की वार्षिक वर्षा में भारी कमी दर्ज की गई है। जब तापमान औसत से अधिक यानी 26.6 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने लगता है, तो तेज धूप और गर्मी के कारण नई कोपलें और पत्तियां डालियों पर ही सूखने लगती हैं, जिससे पौधे की उत्पादकता बुरी तरह प्रभावित होती है।

इसके लिए मौसम की बेरुखी और चरम घटनाएं भी जिम्मेदार हैं। वर्ष 2016 में डंकन एवं अन्य शोधकर्ताओं द्वारा असम पर किए गए एक विस्तृत अध्ययन में पाया गया कि लंबे समय तक बारिश न होना सीधे तौर पर उपज घटने से जुड़ा है, जहां औसत मासिक तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस के पार जाते ही चाय की पैदावार लगातार गिरने लगती है। इसी प्रकार, एनवायरनमेंटल मॉनिटरिंग एंड असेसमेंट (2021) में प्रकाशित असम के चाय उत्पादकों पर किए गए सर्वेक्षण में किसानों ने लंबे सूखे, कम समय में मूसलाधार बारिश, चरम तापमान और नए कीट-रोगों के प्रकोप को उत्पादन में गिरावट का मुख्य कारण बताया।

दार्जिलिंग की पहाड़ियों में भी स्थिति चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। वर्ष 2024 में एमडीपीआई द्वारा जारी शोध कि तापमान में होने वाली हर एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के कारण चाय की उपज में लगभग 0.087 टन प्रति हेक्टेयर की कमी आ जाती है। इसके अलावा असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में अचानक आई बाढ़ और जलजमाव ने चाय की जड़ों को सड़ा दिया। बदलते तापमान और नमी के बिगड़े संतुलन से कीटों का प्रकोप तेजी से बढ़ा है, जो पौधों की पत्तियों को नष्ट कर रहे हैं।

उत्पादन घटने और लागत बढ़ने से कई चाय बागान घाटे में चल रहे हैं, और लगभग आठ प्रमुख बागान पूरी तरह बंद हो चुके हैं। जब बागान बंद होते हैं, तो वहां काम करने वाले मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाता है। जब वैश्विक बाजार में मांग के मुकाबले उच्च गुणवत्ता वाली चाय कम पहुंचती है, तो कीमतें आसमान छूने लगती हैं। दार्जिलिंग की जिस 'फर्स्ट फ्लश' और 'सेकंड फ्लश' चाय को 'चाय की शैंपेन' कहा जाता है, वह आम उपभोक्ताओं की पहुंच से दूर होती जा रही है।

इस संकट से उबरने के लिए रणनीतिक बदलावों की सख्त जरूरत है। सबसे पहले कृषि वैज्ञानिकों को सूखा-सहनशील और अधिक तापमान झेलने वाली चाय की नई क्लोन किस्मों का व्यापक स्तर पर रोपण करना होगा। बागानों में जल प्रबंधन को सुधारने के लिए वर्षा जल संचयन, ड्रिप सिंचाई और बाढ़ के समय जल निकासी की पक्की व्यवस्था करनी होगी, ताकि पौधों को जलजमाव और सूखे, दोनों से बचाया जा सके। इसके साथ ही, जैविक खाद, मल्चिंग और प्राकृतिक छायादार पेड़ों का रोपण बेहद जरूरी है, ताकि वे सीधी गर्मी को रोक सकें। मौसम-आधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली और एकीकृत कीट प्रबंधन को अपनाना होगा। बागान मालिकों और सरकार को मिलकर कामगारों के लिए भी ऐसी नीतियां बनानी होंगी, जिससे उनकी आजीविका सुरक्षित रहे, अन्यथा उत्तर-पूर्व और दार्जिलिंग की पहचान खतरे में पड़ जाएगी और चाय का स्वाद कड़वा बना रहेगा। **(यह लेखक के अपने विचार है)**

सोनिया गांधी का संस्मरण : अपनत्व, निजी त्रासदी और सत्ता से संयम

अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के लिए आगे न करना भी सोनिया गांधी के राजनीतिक आचरण का महत्वपूर्ण पक्ष है। गांधी परिवार पर वंशवादी राजनीति के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। इस बहस में परिवार के सदस्यों की पार्टी में भूमिका, संगठनात्मक नेतृत्व और राजनीतिक अवसरों पर चर्चा स्वाभाविक है। लेकिन राहुल गांधी को देश के सर्वोच्च पद के लिए आगे न करना एक ऐसा तथ्य है जिसे इस विमर्श में उचित स्थान मिलना चाहिए। यह निर्णय वंशवाद की बहस का अंत नहीं करता, लेकिन उसे सरल निष्कर्षों से बचाता है।

(जयसिंह रावत)

सोनिया गांधी की जीवन-यात्रा का एक प्रमुख पक्ष भारत में अपनत्व का अनुभव है। उनका जन्म इटली में हुआ, लेकिन विवाह के बाद उन्होंने भारत को अपना घर बनाया। यह बदलाव केवल भौगोलिक नहीं था। इसके साथ भाषा, संस्कृति, परिवार और सार्वजनिक पहचान से जुड़ी नई परिस्थितियों का सामना भी था। किसी राजनीतिक व्यक्तित्व की जीवनगाथा उसके निजी जीवन और सार्वजनिक भूमिका—दोनों को साथ रखकर ही समझी जा सकती है। सोनिया गांधी का संस्मरण बिलॉन्गिंग-अ जर्नी ऑफ लव इसी दोहरी यात्रा को सामने लाता है। इटली में जन्मी एक युवती का भारत आना, एक राजनीतिक परिवार का हिस्सा बनना, पति और सास को हिंसक घटनाओं में खोना और फिर देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी का नेतृत्व करना-यह साधारण जीवन-वृत्त नहीं है। इसमें प्रेम, अपनत्व, शोक, राजनीतिक दायित्व और सत्ता से जुड़े निर्णय एक-दूसरे में गुंथे हुए हैं।

इस पुस्तक का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि इसकी लेखिका प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से जुड़ी रही हैं। यह उस महिला की दृष्टि भी प्रस्तुत करती है जिसने भारतीय राजनीति के निर्णायक दौरों को भीतर से देखा और स्वयं सार्वजनिक जीवन में एक केंद्रीय भूमिका निभाई। पुस्तक को न किसी राजनीतिक पक्ष की प्रशस्ति मानना उचित है, न विरोध के कारण खारिज करना। इसे एक निजी स्मृति और राजनीतिक अनुभव के रूप में पढ़ना चाहिए, जिसकी ऐतिहासिक उपयोगिता उसके कथनों और उपलब्ध प्रमाणों के बीच संबंध से तय होगी।

भारत में अपनत्व की यात्रा : सोनिया गांधी की जीवन-यात्रा का एक प्रमुख पक्ष भारत में अपनत्व का अनुभव है। उनका जन्म इटली में हुआ, लेकिन विवाह के बाद उन्होंने भारत को अपना घर बनाया। यह बदलाव केवल भौगोलिक नहीं था। इसके साथ भाषा, संस्कृति, परिवार और सार्वजनिक पहचान से जुड़ी नई परिस्थितियों का सामना भी था। राजनीतिक जीवन में प्रवेश के बाद उनकी विदेशी जन्मभूमि बार-बार चर्चा और विवाद का विषय बनी। इसलिए इस पुस्तक का शीर्षक-बिलॉन्गिंग, यानी अपनत्व-व्यक्तिगत अनुभव के साथ-साथ सार्वजनिक पहचान का प्रश्न भी उठाता है।

किसी देश से अपनत्व केवल जन्म से तय नहीं होता। यह जीवन, संबंधों और जिम्मेदारियों के बीच समय के साथ बनता है। सोनिया गांधी के जीवन में भारत के साथ यह जुड़ाव परिवार से शुरू हुआ, लेकिन राजनीति में उनकी भूमिका के कारण वह सार्वजनिक बहस का विषय बन गया। पुस्तक का एक पाठ यह भी है कि किसी व्यक्ति की राष्ट्रीय पहचान पर बहस करते समय उसके जीवन और योगदान को समग्र रूप से देखना चाहिए।

निजी त्रासदी का भार : सोनिया गांधी के जीवन की सबसे गहरी छाप इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्याओं से जुड़ी त्रासदियों ने छोड़ी। उन्होंने अपनी सास और पति को राजनीतिक हिंसा में खोया। यह निजी शोक था, लेकिन उसके प्रभाव राष्ट्रीय जीवन तक फैले हुए थे। राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया गांधी के सामने परिवार की सुरक्षा, बच्चों के भविष्य और सार्वजनिक जीवन में अपनी भूमिका को लेकर कठिन प्रश्न रहे होंगे। इन घटनाओं को केवल राजनीतिक घटनाक्रम की तरह देखना अधूरा होगा। किसी परिवार के भीतर हुई ऐसी क्षति व्यक्ति की स्मृति, सुरक्षा-बोध और सत्ता के प्रति दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती है। इस पृष्ठभूमि को समझना सोनिया गांधी के आगे के निर्णयों को समझने में मदद करता है। फिर भी त्रासदी को हर राजनीतिक निर्णय का स्वतः औचित्य नहीं माना जा सकता। उसका महत्व इस बात में है कि वह उनके जीवन की परिस्थितियों और मनःस्थिति को समझने का आवश्यक संदर्भ देती है।

2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार न करना : सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन का सबसे उल्लेखनीय निर्णय 2004 में सामने आया, जब उन्होंने प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया और मनमोहन सिंह को सरकार का नेतृत्व करने के लिए आगे किया। चुनाव के बाद पद उनके लिए उपलब्ध था। ऐसे समय में सर्वोच्च पद से दूर रहना भारतीय राजनीति की असाधारण घटनाओं में गिना जाता है। इस निर्णय को व्यक्तिगत संयम, राजनीतिक विवेक या तत्कालीन परिस्थितियों के आकलन—किसी एक कारण से पूरी तरह नहीं समझा जा सकता। संभव है कि इन सभी तत्वों ने भूमिका निभाई हो। लेकिन इतना स्पष्ट है कि उन्होंने पद ग्रहण नहीं किया, जबकि कांग्रेस और गठबंधन की राजनीति में उनका प्रभाव बना रहा। इस निर्णय को उनकी राजनीतिक विरासत का केंद्रीय प्रसंग मानना चाहिए। प्रधानमंत्री पद ठुकराने का अर्थ राजनीति से दूरी बना लेना नहीं था। सोनिया गांधी कांग्रेस की अध्यक्ष और गठबंधन की प्रमुख नेता बनी रहीं। इसलिए इस निर्णय का महत्व दो स्तरों पर है- उन्होंने सर्वोच्च संवैधानिक पद स्वीकार नहीं किया, पर राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका जारी रखी। इससे सत्ता, पद और प्रभाव के संबंध पर चर्चा होती है। इसे उनके निर्णय की महत्ता कम करने के लिए नहीं, बल्कि उसकी पूरी प्रकृति समझने के लिए देखना चाहिए।

राहुल गांधी को आगे न करना : अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के लिए आगे न करना भी सोनिया गांधी के राजनीतिक आचरण का महत्वपूर्ण पक्ष है। गांधी परिवार पर वंशवादी राजनीति के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। इस बहस में परिवार के सदस्यों की पार्टी में भूमिका, संगठनात्मक नेतृत्व और राजनीतिक अवसरों पर चर्चा स्वाभाविक है। लेकिन राहुल गांधी को देश के सर्वोच्च पद के लिए आगे न करना एक ऐसा तथ्य है जिसे इस विमर्श में उचित स्थान मिलना चाहिए। यह निर्णय वंशवाद की बहस का अंत नहीं करता, लेकिन उसे सरल निष्कर्षों से बचाता है। किसी राजनीतिक परिवार का सदस्य होना और उसे प्रधानमंत्री पद के लिए स्थापित करना एक ही बात नहीं। इसी तरह, बेटे को इस पद के लिए आगे न करना परिवार की राजनीतिक भूमिका से जुड़े हर प्रश्न का उत्तर भी नहीं है। दोनों पहलुओं को साथ देखने से ही इस निर्णय का संतुलित अर्थ सामने आता है।

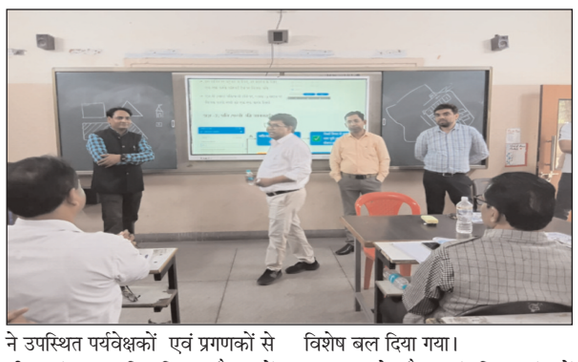
कांग्रेस नेतृत्व और गठबंधन का दौर : कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी ने ऐसे समय पार्टी का नेतृत्व किया जब भारतीय राजनीति में गठबंधन सरकारें महत्वपूर्ण हो गई थीं। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का गठन और उसका संचालन आसान काम नहीं था। अलग-अलग दलों और विचारधाराओं को साथ रखना, साझा कार्यक्रम बनाना और सरकार को स्थिरता देना उस दौर की राजनीतिक चुनौतियां थीं।

इस सरकार के कार्यकाल में सूचना का अधिकार, ग्रामीण रोजगार गारंटी और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने। इन कदमों ने नागरिक अधिकारों और कल्याणकारी नीतियों को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में रखा। दूसरी ओर, भ्रष्टाचार के आरोप, गठबंधन के भीतर मतभेद, नीतिगत निर्णयों को लेकर असंतोष और कांग्रेस की 2014 की चुनावी पराजय भी उसी राजनीतिक दौर का हिस्सा हैं। सोनिया गांधी के नेतृत्व का मूल्यांकन करते समय उपलब्धियों को स्वीकार करना और सीमाओं की समीक्षा करना—दोनों आवश्यक हैं। सरकार की उपलब्धियों का श्रेय केवल एक व्यक्ति को नहीं दिया जा सकता; उसी तरह उसकी विफलताओं का पूरा भार भी एक व्यक्ति पर नहीं डाला जा सकता। पार्टी, सरकार, गठबंधन और उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों की भूमिकाएँ अलग-अलग थीं। फिर भी पार्टी अध्यक्ष और गठबंधन की प्रमुख नेता के रूप में सोनिया गांधी की जिम्मेदारी का आकलन स्वाभाविक है।

स्मृति और इतिहास के बीच : संस्मरण किसी व्यक्ति की स्मृति, अनुभव और दृष्टिकोण का दस्तावेज होता है। उसकी ताकत यह है कि वह निर्णयों के पीछे की भावनाओं और परिस्थितियों को सामने ला सकता है। उसकी सीमा यह है कि स्मृति चयनात्मक होती है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

जनगणना 2027 हेतु पर्यवेक्षकों व प्रगणकों का तृतीय बैच का अन्तिम चरण: 12, 13 एवं 14 नवंबर 2026 का 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू



मुजफ्फरनगर। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या की गणना) को त्रुटिहीन एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर तहसील सदर के पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों का 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण विभिन्न चरणों में आयोजित किया जा रहा है।

प्रथम बैचः 26, 27 एवं 28 अक्टूबर 2026

द्वितीय बैचः 04, 05 एवं 06 नवंबर 2026

तृतीय बैचः 12, 13 एवं 14 नवंबर 2026

आज तृतीय बैच के प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) / जिला जनगणना अधिकारी श्री गंभीर सिंह ने एसडी पब्लिक स्कूल भोपा रोड स्थित प्रशिक्षण स्थल पर पहुँचकर प्रथम/द्वितीय शिफ्ट के प्रशिक्षण सत्र का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और संवाद पर जोर

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/जिला गणना अधिकारी ने उपस्थित पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों से सीधा संवाद स्थापित किया और उन्हें राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को पूरी जिम्मेदारी व सजगता के साथ पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/जिला गणना अधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण को केवल औपचारिक न रखकर संवादात्मक बनाया जाए, ताकि प्रगणक और पर्यवेक्षक अपनी हर जिज्ञासा व शंका का समाधान कर सकें।

प्रशिक्षण स्थल पर प्रशिक्षुओं के लिए शुद्ध पेयजल, जलपान एवं खान-पान की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

जनगणना के दौरान संकलित आंकड़ों की सटीकता और गोपनीयता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

मुजफ्फरनगर पुलिस में बड़ा फेरबदल: 41 इंस्पेक्टरों के गैर जनपद तबादले, पांच थाना प्रभारियों समेत 28 निरीक्षक सहारनपुर और 13 शामली भेजे गए

सहारनपुर रेंज के डीआईजी अभिषेक सिंह ने जारी किया आदेश



मुजफ्फरनगर। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत पुलिस महकमे में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक (स्थापना) और अपर पुलिस महानिदेशक (मेरठ जोन) के निदेशों के अनुपालन में सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) अभिषेक सिंह ने मुजफ्फरनगर जनपद में तैनात रहे 41 निरीक्षकों (इंस्पेक्टरों) का गैर जनपद स्थानांतरण कर दिया है। तबादले की इस जद में जिले के पांच महत्वपूर्ण थानों के प्रभारी भी आए हैं, जिन्हें सहारनपुर और शामली जनपद में नई तैनाती दी गई है। पांच प्रमुख थाना प्रभारियों की बदली जिम्मेदारी

स्थानांतरण सूची में जनपद के पांच बड़े थानों की कमान संभाल रहे निरीक्षक भी शामिल हैं। इनमें चरथावल के थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यनारायण (दहिया), भोपा थाना प्रभारी आशुतोष कुमार और बुढ़ाना कोतवाली प्रभारी सुभाष बाबू का तबादला सहारनपुर जनपद के लिए किया गया है। वहीं, जिले के सबसे संवेदनशील थानों में से एक शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा और रतनपुरी थाना प्रभारी महावीर सिंह चौहान को शामली जनपद भेजा गया है। इन 28 निरीक्षकों को भेजा गया सहारनपुर परिक्षेत्रीय पुलिस स्थापना बोर्ड के निर्णय के बाद मुजफ्फरनगर से जिन 28 निरीक्षकों का तबादला सहारनपुर किया गया है, उनमें आशुतोष कुमार, अनुराग गौतम, अनिल कुमार, भूदेव सिंह, चन्द्रकान्त यादव, दिनेश कुमार, ज्ञान प्रकाश सिंह, जगदीश सिंह, कर्मवीर सिंह, लोकेन्द्र पाल सिंह, लतेश वर्मा, मुनीश कुमार, नीलू सक्सैना, प्रदीप कुमार, राकेश कुमार, रूपकिशोर शर्मा, रेनू सक्सैना, रवेन्द्र सिंह यादव, रविन्द्रपाल सिंह, रफी अहमद, सुभाष बाबू, सुनील कुमार शर्मा, सतेन्द्र सिंह, सर्वेश कुमार, योगेन्द्र शर्मा, दिनेश चन्द, सुल्तान सिंह और सत्यनारायण के नाम शामिल हैं। इसी प्रकार, मुजफ्फरनगर में तैनात रहे 13 निरीक्षकों को पड़ोसी जनपद शामली स्थानांतरित किया गया है। इस सूची में बृजेश कुमार शर्मा, धर्मवीर सिंह, धर्मेन्द्र मोहन सिन्धू, हरेन्द्र सिंह, महावीर सिंह चौहान, राजेश कुमार भारती, राजेश सिंह, संजय गिरी, तेज सिंह, विनोद कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह, जसवीर सिंह और सनुज यादव शामिल हैं।

जिले को मिले 12 नए निरीक्षक, जल्द होगी थानों में तैनाती दूसरी ओर, इस तबादला आदेश के तहत सहारनपुर जनपद से 9 निरीक्षकों (जावेद खान, नरेन्द्र कुमार शर्मा, नेमचन्द सिंह, पंकज त्रिपाठी, प्रमोद कुमार, राजीव कुमार कौशिक, राम निवास, संजय कुमार, सतपाल सिंह भाटी, सुनील नेगी व पंकज कुमार - कुल 11) तथा शामली से 3 निरीक्षकों (सुभाष चन्द्र सिंह, दिलीप कुमार शर्मा व प्रवीण कुमार) का तबादला मुजफ्फरनगर जनपद के लिए किया गया है। बड़ी संख्या में निरीक्षकों के गैर जनपद जाने के बाद अब जिले में नए थाना प्रभारियों की तैनाती को लेकर हलचल तेज हो गई है।

होम्योपैथिक विभाग के अधिकारी पर लगे रिश्वतखोरी के आरोप में कार्रवाई न होने से पीड़ित ने लगाई एसोसिएशन से गुहार



मुजफ्फरनगर। कुछ दिन पूर्व होम्योपैथिक विभाग के एक अधिकारी पर मेडिकल स्टोर संचालक सुधीर यादव, जिनका मेडिकल स्टोर नंबर दो चुंगी पर स्थित है, से ड्ड15,000 की अवैध वसूली करने का आरोप लगा था।

मामले में अभी तक कोई कार्रवाई न होने से आहत सुधीर यादव आज अग्रवाल मार्केट स्थित मुजफ्फरनगर केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चौहान एवं एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों से मुलाकात कर अपनी पीड़ा बताई और न्याय दिलाने की गुहार लगाई।

एसोसिएशन ने मामले को गंभीरता से सुना और पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

एसोसिएशन का स्पष्ट मत है कि किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न और अवैध वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पीड़ित को न्याय मिलना चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

मुजफ्फरनगर में मिशन शक्ति: एंटी रोमियो टीमों ने महिलाओं को सुरक्षा और अधिकारों से किया जागरूक

स्कूल-कॉलेजों, बाजारों और गांवों में चला विशेष अभियानः पंपलेट बांटकर बताए गए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर



मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश शासन के मंशानुरूप महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में, मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के कुशल निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0' के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। सार्वजनिक स्थानों और शिक्षण संस्थानों में पहुंचकर किया संवाद

अभियान के तहत सभी थानों की एंटी रोमियो टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पड़ने वाले स्कूल-कॉलेजों, गांवों, कस्बों, प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक स्थलों पर भ्रमण किया। इस दौरान पुलिस टीमों ने वहां मौजूद महिलाओं और बालिकाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं जानीं और उन्हें निडर होकर अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया। पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर उन्हें उनके कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों और 'मिशन शक्ति केंद्र' की दी जानकारी जागरूकता कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं और हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया गया।

टीमों ने बताया कि किसी भी विपरीत परिस्थिति में वे तत्काल इन नंबरों पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकती हैं:

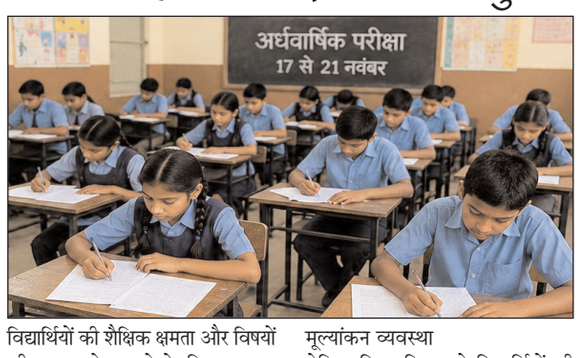
1090: वुमेन पावर लाइन

112: पुलिस आपातकालीन सेवा (डायल-112) 1098: चाइल्ड हेल्प लाइन 181: महिला हेल्पलाइन/वन स्टॉप सेन्टर 1076: सी०एम० हेल्पलाइन 102: स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 108: एंबुलेंस सेवा महिला केन्द्रित योजनाओं से कराया अवगत

मुजफ्फरनगर पुलिस का यह अभियान जनपद में महिलाओं और बालिकाओं के बीच विश्वास का वातावरण बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में निडर होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सुरक्षा के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एंटी रोमियो टीमों ने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न महिला केन्द्रित कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी।

मुजफ्फरनगर में 17 नवंबर से शुरू होंगी परिषदीय विद्यालयों की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं: कक्षा एक से आठ तक की 21 नवंबर तक होगी परीक्षा

प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होंगी परीक्षाएंः कक्षा के अनुसार लिखित और मौखिक मूल्यांकन की व्यवस्था



मुजफ्फरनगर। जनपद के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिले के कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं 17 नवंबर से शुरू होकर 21 नवंबर तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा कार्यक्रम निर्धारित होने के बाद विद्यालयों में परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। परीक्षाएं प्रतिदिन दो पालियों में कराई जाएंगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 12:30 बजे से 2:30 बजे तक निर्धारित की गई है। विभाग की ओर से विद्यालय स्तर पर परीक्षा को व्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं।

50 अंकों की होगी परीक्षा

समेकित शिक्षा के जिला समन्वयक सुशील कुमार के अनुसार अर्द्धवार्षिक परीक्षा 50 अंकों की होगी। प्रश्नपत्रों में विद्यार्थियों की शैक्षिक क्षमता और विषयों की समझ को परखने के लिए अलग-अलग प्रकार के प्रश्न शामिल किए जाएंगे। प्रश्नपत्र में बहुविकल्पीय प्रश्नों के साथ अति लघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। इस व्यवस्था के माध्यम से विद्यार्थियों की विषय संबंधी जानकारी, समझने की क्षमता और लिखित अभिव्यक्ति का मूल्यांकन किया जाएगा।

कक्षा के अनुसार अलग-अलग मूल्यांकन व्यवस्था

बेसिक शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों की कक्षा के अनुसार लिखित और मौखिक परीक्षा का अलग-अलग अंकभार निर्धारित किया है। कक्षा एक के विद्यार्थियों का मूल्यांकन पूरी तरह मौखिक रूप से कराया जाएगा, ताकि उनकी प्रारंभिक शैक्षिक दक्षता को सहज तरीके से परखा जा सके। कक्षा दो और तीन के विद्यार्थियों के लिए लिखित और मौखिक परीक्षा का 50-50 प्रतिशत अंकभार रहेगा। यानी दोनों माध्यमों से विद्यार्थियों की योग्यता का आकलन किया जाएगा। कक्षा चार और पांच के विद्यार्थियों के लिए लिखित परीक्षा का अंकभार 70 प्रतिशत तथा मौखिक परीक्षा का 30 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। वहीं कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों की परीक्षा पूरी तरह लिखित होगी। प्रधानाध्यापकों और खंड शिक्षा अधिकारियों को जिम्मेदारी

परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विद्यालय और विकासखंड स्तर पर जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। विद्यालय स्तर पर प्रधानाध्यापकों को परीक्षा की व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि विकासखंड स्तर पर खंड शिक्षा अधिकारी निगरानी करेंगे। परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्रों के वितरण, उनकी गोपनीयता, निर्धारित समय-सारिणी के पालन और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

विभाग का प्रयास है कि सभी विद्यालयों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार परीक्षाएं संपन्न हों और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं विद्यार्थियों की अब तक की शैक्षिक प्रगति जानने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इनके परिणामों से शिक्षकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि किन विषयों और शैक्षिक दक्षताओं में बच्चों को अतिरिक्त अभ्यास की जरूरत है। परीक्षा के बाद प्राप्त परिणामों के आधार पर कमजोर शैक्षिक स्तर वाले विद्यार्थियों को अतिरिक्त शिक्षण और अभ्यास कराने की दिशा में भी कदम उठाए जा सकते हैं। इससे वार्षिक परीक्षा से पहले विद्यार्थियों की तैयारी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। जिले के परिषदीय विद्यालयों में परीक्षा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। अब 17 नवंबर से शुरू होने वाली परीक्षाओं में कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थी शामिल होंगे।

एटा में दोस्त की सगाई की पार्टी में जश्न बना मातम: शराब-भांग के सेवन से तीन युवाओं की संदिग्ध मौत, बाइक से गिरते ही हुई बेहोशी और फिर मौत,



एटा। एटा जिले के निधौली कलां थाना क्षेत्र में एक बेहद दुखद और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ दोस्त की सगाई की पार्टी में कथित तौर पर शराब और भांग का अत्यधिक सेवन करने के बाद तीन युवाओं की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव किशोरपुर में मातम पसर गया है और हर कोई स्तब्ध है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। सगाई का जश्न और प्राथमिक विद्यालय में पार्टी

जानकारी के अनुसार, किशोरपुर निवासी अजीत (18), जीतू (20) और शिवकुमार (19) आपस में घनिष्ठ मित्र थे। गांव के एक अन्य दोस्त लोकेंद्र की शादी तय हुई थी और बुधवार को उसकी सगाई का कार्यक्रम था। इसी खुशी को मनाने के लिए तीनों दोस्त बुधवार शाम गांव के प्राथमिक विद्यालय में बैठे और अंग्रेजी शराब का सेवन किया। पुलिस को घटनास्थल से अंग्रेजी शराब की दो बोतलें और भांग की गोलियां मिली हैं, जिससे अंदेशा है कि उन्होंने दोनों का एक साथ सेवन किया।

तबीयत बिगड़ना और बाइक से गिरना

शराब पीने के बाद, तीनों दोस्त एक बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। प्राथमिक विद्यालय से लगभग 500 मीटर की दूरी पर पहुँचते ही तीनों को चक्कर आने लगे और वे असंतुलित होकर बाइक सहित गिर पड़े। उसी समय वहाँ से गुजर रहे दूधिया सिंटू ने उन्हें गिरते हुए देखा। सिंटू के अनुसार, शिवकुमार लड़खड़ा रहा था और उसने शराब पीने की बात कबूल की और दवा दिलवाने की अपील की। सिंटू ने अजीत और जीतू को पास ही पड़ी एक चारपाई पर लेटा दिया, लेकिन वे जल्द ही बेहोश हो गए। कुछ देर बाद शिवकुमार भी गिर पड़ा। सीएचसी में मृत घोषित

ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। आनन-फानन में तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) निधौली कलां ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार को इस बात पर यकीन नहीं हुआ और वे तीनों को पिलुआ स्थित एक निजी चिकित्सक के पास ले गए, लेकिन वहाँ भी डॉक्टरों ने उन्हें मृत बताया। इस पुष्टि के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई।

मृतकों का विवरण

अजीत (18): चंद्रपाल का पुत्र, महाराष्ट्र के नासिक में टमाटर बेचने का काम करता था और घर आया हुआ था।

जीतू (20): लेखराज का पुत्र, नासिक में शटरिंग का काम करता था।

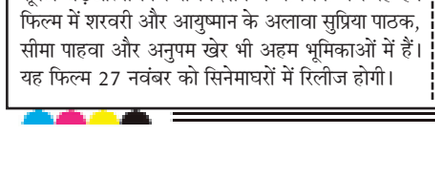
शिवकुमार (19): दुर्विजय का पुत्र, कक्षा 12 का छात्र था और आगामी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था।

वरिष्ठ अधिकारियों का दौरा और जांच

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. इलामारन जि. और अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्वेताभ पांडेय सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तुरंत गांव किशोरपुर पहुँचे। उन्होंने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और ग्रामीणों व परिवार वालों से पूछताछ की।

रंग संसार

श्रेया घोषाल की आवाज में छा गया नया छठ गीत, इंटरनेट पर वायरल 'ये प्रेम मोल लिया' का 'बुलाए छठी मइया' गाना



नई दिल्ली। सूरज बड़जात्या की फैमिली ड्रामा 'ये प्रेम मोल लिया' का नया गीत जारी हो गया है। यह एक छठ गीत है जिसे छठ पूजा से ठीक पहले जारी किया गया है।

सोशल मीडिया पर जैसे ही 'ये प्रेम मोल लिया' का गीत आया, ये इंटरनेट पर वायरल हो गया। इस गीत में घाट पर छठ पूजा और उसकी आस्था दिखाई गई है।

श्रेया घोषाल का छठ गीत

'ये प्रेम मोल लिया' का नया गीत 'बुलाए छठी मां' है। छठ पूजा कल यानी शुक्रवार से शुरू हो रहा है और आज (12 नवंबर) को मेकर्स ने छठ पर बना नया गाना रिलीज कर दिया है। यह गाना छठी मां की पूजा-आस्था और परिवार के मिलने पर बना है। इस गीत में शरवरी वाघ और आयुष्मान खुराना देसी लुक में दिखाई दे रहे हैं। उनकी केमिस्ट्री भी काबिल-ए-तारीफ है।चंद घंटों में वायरल हुआ गाना इस छठ गीत को श्रेया घोषाल ने केशव आनंद के साथ गाया है। गाने के बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। वहीं, गीत का संगीत हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है। आवाज, बोल और संगीत... तीनों 'बुलाए छठी मां' को दिल छूने वाला बनाता है। यह गीत कुछ ही घंटों में इंटरनेट पर वायरल हो गया है। इसे YouTube पर कुछ ही घंटों में 30 लाख से ज्यादा व्यूज मिल गए हैं। यह दिखाता है कि लोगों को ये गीत कितना पसंद आ रहा है।कब रिलीज होगी आयुष्मान-शरवरी की फिल्म? फैमिली ड्रामा 'ये प्रेम मोल लिया' से सूरज बड़जात्या फिर से निर्देशन में कमबैक कर रहे हैं। फिल्म में शरवरी और आयुष्मान के अलावा सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा और अनुपम खेर भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राज काज

खुदरा महंगाई 2 साल के उच्चतम स्तर पर, अक्टूबर में 6 प्रतिशत के पार; RBI की अपर लिमिट को भी कर गई क्रॉस

नई दिल्ली। भारत में रिटेल यानी खुदरा महंगाई दर 2 साल के उच्चतम स्तर तक पहुंच गई। गुरुवार को जारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने इसके आंकड़े जारी किए। इसके अनुसार अक्टूबर में भारत की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.09% हो गई है। सितंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) पर आधारित खुदरा महंगाई दर 5.54 प्रतिशत थी। इससे पहले अक्टूबर 2024 में इन्फ्लेशन 6% की सीमा पार कर 6.2% पर पहुंच गई थी। हालांकि, तब महंगाई का आंकड़ा CPI की पुरानी सीरीज बेस ईयर 2012 के आधार पर जारी किया गया था। नया आंकड़ा बेस ईयर 2024 पर आधारित है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में अक्टूबर में ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 6.63 प्रतिशत रही है। वहीं, शहरी इलाकों में यह 5.41 प्रतिशत रही है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण यह आंकड़ा दो वर्षों में पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की 6% की ऊपरी सहन सीमा को पार कर गया है। भारत के केंद्रीय बैंक का मध्यम अवधि का मुद्रास्फीति लक्ष्य 4% है, जिसमें दोनों तरफ 2% से 6% तक का सहन-सीमा दायरा (टॉलरेंस बैंड) रखा गया है।सालाना आधार पर किनके दाम ज्यादा बढ़े और किन वस्तुओं के दाम घटे खाने-पीने की चीजों में हुई बढ़ोतरी के चलते खुदरा महंगाई दर बढ़ी है। अक्टूबर 2025 की 7.74% तुलना में अक्टूबर 2026 खाद्य महंगाई दर 8.94% हो गई।ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए इसी तरह की मुद्रास्फीति दरें क्रमशः 9.09% और 8.68% हैं।मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में सालाना आधार पर जिन पांच वस्तुओं के दाम में सबसे ज्यादा बढ़त देखने को मिली है, उनमें प्याज (116.22 प्रतिशत), लहसुन (60.74 प्रतिशत), सिल्वर ज्वेलरी (52.39 प्रतिशत), अदरक (48.32 प्रतिशत) और नींबू (47.30 प्रतिशत) शामिल हैं। वहीं, इस दौरान सालाना आधार पर जिन पांच वस्तुओं के दाम में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई है, उनमें आलू (-14.24 प्रतिशत), फूलगोभी (-10.57 प्रतिशत), नारियल (-5.60 प्रतिशत), बैंगन (-3.34 प्रतिशत) और पत्तागोभी (-1.92 प्रतिशत) शामिल हैं।

दैनिक राशिफल शुक्रवार 13 नवम्बर 2026

मेष - कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे।

वृष - महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

मिथुन : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कर्क - आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ड्डे के आसार रहेंगे।

सिंह- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड्डे के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें।

कन्या - आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

तुला - आलस्य का त्याग करें। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

वृश्चिक - भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

धनु - कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढड्डे में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा।

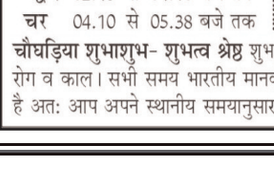
मकर - जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

कुंभ - बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

मीन - संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगे।

दैनिक पंचांग

13 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	धनु में
मंगल	सिंह में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	06.32 ब.से
धनु	08.48 बजे से
मकर	10.54 बजे से
कुंभ	12.40 बजे से
मीन	14.13 बजे से
मेष	15.43 बजे से
वृष	17.23 बजे से
मिथुन	19.22 बजे से
कर्क	21.35 बजे से
सिंह	23.51 बजे से
कन्या	02.03 बजे से
तुला	04.14 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 317 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास कार्तिक पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्थी 20.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 17.17 बजे को समाप्त।
योग धृति 05.23 बजे को समाप्त।
करण वणिज 07.25 बजे तदनन्तर विष्टि 20.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 3.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 54'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872892
जूलियन दिन 2461357.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 02
विशेष नागुला चविधि, लाभ चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मोरना क्षेत्र में झोलाछाप के इंजेक्शन से महिला की मौत !स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई: आरोप के बाद अवैध क्लीनिक सील

बेलड़ा गांव स्थित 'फर्स्ट केयर सेंटर' पर गिरी गाज, बिना पंजीकरण मरीजों का इलाज करने की मिली थी शिकायतमुसीबत; यातायात विभाग से चालान और नई मंडी पुलिस से कार्रवाई की मांग



मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव बेलड़ा में बिना पंजीकरण कथित रूप से संचालित किए जा रहे एक क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। एक महिला को इंजेक्शन लगाए जाने के बाद हुई उसकी मौत के मामले में मिली शिकायत के आधार पर विभाग ने यह कदम उठाया है। स्वास्थ्य विभाग की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध रूप से क्लीनिक और अस्पताल संचालित करने वाले झोलाछाप चिकित्सकों में हड़कंप मच गया है।

बिना पंजीकरण चल रहा था 'फर्स्ट केयर सेंटर'

मोरना के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग को गांव बेलड़ा में बिना किसी वैध पंजीकरण के क्लीनिक संचालित कर मरीजों का उपचार किए जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव बेलड़ा पहुंची और मौके पर जांच-पड़ताल के बाद गांव स्थित 'फर्स्ट केयर सेंटर' को सील करने की कार्रवाई की।

इंजेक्शन लगने के कुछ देर बाद महिला की मौत का आरोप

ग्रामीणों के अनुसार, गांव में डॉक्टर बनकर लोगों का इलाज करने वाले एक व्यक्ति ने रात के समय एक महिला को इंजेक्शन लगाया था। आरोप है कि इंजेक्शन लगने के कुछ ही समय बाद महिला की तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद से ही ग्रामीणों में आक्रोश था और कथित चिकित्सक की शैक्षणिक योग्यता तथा क्लीनिक के पंजीकरण को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे थे।

संचालक ने आरोपों को बताया निराधार, जांच जारी

उधर, इस कार्रवाई के संबंध में 'फर्स्ट केयर सेंटर' के संचालक ने पुष्टि की है कि स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उसके सेंटर को सील किया है। हालांकि, क्लीनिक संचालक ने महिला की मौत और गलत उपचार से जुड़े सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार और बेबुनियाद बताया है। फिलहाल, महिला की मौत के वास्तविक कारणों और उपचार से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र जांच के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मोरना क्षेत्र में नहीं थमा जहरीले सांपों का आतंक: चार मौतों के बाद खेत में मजदूर को डसा, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी की घटना: क्षेत्र में दहशत का माहौल



मोरना (मुजफ्फरनगर)। मोरना और भोपा क्षेत्र में जहरीले सांपों का आतंक लगातार जारी है, जिससे ग्रामीणों और खेतों में काम करने वाले मजदूरों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ताजा मामला भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी का है, जहां गुरुवार शाम खेत में गन्ने की छिलाई कर रहे एक नौकर को जहरीले सांप ने डस लिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंचे खेत मालिक ने आनन-फानन में पीड़ित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भोपा में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। गन्ने की छिलाई करते समय हुआ हमला

कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला कुवांपट्टी निवासी किसान एवं राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के नगर अध्यक्ष ललित सहरावत ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके खेत पर मध्य प्रदेश निवासी राजेश नौकर के रूप में कार्य करता है। गुरुवार की शाम राजेश खेत में गन्ने की छिलाई कर रहा था। इसी दौरान गन्ने के झुरमुट में छिपे बैठे एक जहरीले सांप ने उसे डस लिया। सांप के डसते ही राजेश की चीख निकल गई, जिससे आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों में हड़कंप मच गया। सीएचसी से जिला अस्पताल भेजा गया पीड़ित

घटना की सूचना मिलते ही किसान ललित सहरावत तत्काल मौके पर पहुंचे और बिना समय गंवाए राजेश को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोपा लेकर गए। वहां मौजूद चिकित्सकों ने तुरंत उसका प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन जहर का असर बढ़ता देख और उस-की नाजुक स्थिति को भांपते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया। सर्पदंश से इस वर्ष हो चुकी हैं चार मौतें, क्षेत्र में दहशत

मोरना और आसपास के गांवों में जहरीले सांपों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही वृद्धि ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आंकड़ों पर नजर डालें तो इस वर्ष क्षेत्र में अब तक सर्पदंश के कारण चार व्यक्तियों की असमय मौत हो चुकी है। इनमें गांव शुक्रतारी निवासी सुशीला, अलमावाला निवासी गुरमीत कौर और योगेंद्र नगर निवासी युवक अजित कुमार शामिल हैं। इसके अलावा महज तीन दिन पूर्व ही गांव सिकंदरपुर में दस वर्षीय बालक दीपांशु की भी सांप के काटने से दर्दनाक मौत हो गई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं से किसानों और मजदूरों में भय व्याप्त है।

पटाखे फोड़ने का विरोध करने पर मां-बेटे से मारपीट, महिला से अभद्रता और कुंडल छीनने का आरोप

टंडेड़ा गांव की पीड़िता ने चार लोगों के खिलाफ दर्ज मुकदमे में कार्रवाई पर उठाए सवाल, दरोगा पर 10 हजार रुपये लेने का भी लगाया आरोप; आरोपियों की गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंची विवाहिता



मुजफ्फरनगर। थाना ककरौली क्षेत्र के गांव टंडेड़ा में पटाखे फोड़ने को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट और महिला से अभद्रता तक पहुंच गया। आरोप है कि पढ़ाई कर रहे एक किशोर की बैठक में कुछ लोगों ने पटाखे जलाकर फेंके। इसका विरोध करने पर चार लोगों ने किशोर और उसकी मां के साथ मारपीट की। महिला ने आरोपियों पर उसके साथ अश्लील हरकतें करने, निजी अंगों पर हमला करने और कानों के कुंडल व नाक की बाली छीनने का भी आरोप लगाया है। घटना में बीच-बचाव करने पहुंचे एक ग्रामीण को भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। मामले में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने और पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट पीड़िता अपनी शिकायत लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंची। उसने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से आरोपियों की गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। एसएसपी कार्यालय पहुंची पीड़िता समरजहां पत्नी मेहरदीन ने बताया कि घटना के समय उसका बेटा सलमान घर की बैठक में बैठकर पढ़ाई कर रहा था। इसी दौरान मोहल्ले के चार लोग पटाखे जला-जला कर बैठक में फेंकने लगे। पटाखों के कारण पढ़ाई में व्यवधान होने और हादसे की आशंका को देखते हुए उसके बेटे ने इसका विरोध किया। आरोप है कि इस पर उक्त लोगों ने उसके बेटे को धमकाते हुए कहा कि वह ज्यादा पढ़ने वाला बन रहा है और अब उसे पढ़ने नहीं देंगे। पीड़िता के अनुसार, विरोध करने पर आरोपियों ने उसके बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी। बेटे के साथ मारपीट होते देखकर वह उसे बचाने के लिए मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। महिला का आरोप है कि हमलावरों ने उसके साथ अभद्रता करते हुए शरीर के निजी अंगों पर भी हमला किया। विरोध करने पर उसे बेरहमी से पीटा गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उसे जबरन पकड़कर उसके साथ सार्वजनिक रूप से अभद्रता की और गलत नीयत से शरीर के निजी अंगों को छुआ। उसने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। इस दौरान उसके कानों में पहने कुंडल और नाक की बाली भी छीन ली गई। महिला का कहना है कि घटना के दौरान उसके साथ बेहद अमानवीय व्यवहार किया गया और परिवार के लोगों को भी निशाना बनाया गया। पीड़िता के अनुसार, शोर-शराबा सुनकर गांव निवासी शाहनवाज मौके पर पहुंचा और उसने हमलावरों से मां-बेटे को बचाने का प्रयास किया। आरोप है कि हमलावरों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी, जिसमें उसकी आंख और सिर पर गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद घायल बेटे सलमान और शाहनवाज का सरकारी अस्पताल भोपा में चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। दरोगा पर मूल तहरीर बदलवाने और 10 हजार रुपये लेने का आरोप पीड़िता ने पुलिस की कार्रवाई पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उसका आरोप है कि घटना के बाद वह शिकायत लेकर थाना ककरौली पहुंची थी, जहां उसने पुलिस को पूरी घटना बताते हुए अपनी तहरीर दी। आरोप है कि थाने पर तैनात उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह ने उसकी मूल तहरीर लेने के बजाय अपनी तरफ से दूसरी तहरीर लिखवाई और उस पर हस्ताक्षर करा लिए। महिला ने उपनिरीक्षक पर 10 हजार रुपये लेने का भी आरोप लगाया है। उसका कहना है कि रुपये लेने के बाद दरोगा ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का भरोसा दिया था, लेकिन इसके बावजूद मामले में उसकी शिकायत और घटना की गंभीरता के अनुरूप कार्रवाई नहीं की गई। पीड़िता ने इस पूरे प्रकरण की जांच कराकर पुलिसकर्मी की भूमिका की भी पड़ताल कराने की मांग की है। हालांकि, ये सभी आरोप पीड़िता की ओर से लगाए गए हैं।

पीड़िता के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में मुकदमा अपराध संख्या 132/2026 धारा 115(2), 351(3) और 352 बीएनएस के तहत दर्ज किया है। उसका कहना है कि बेटे और शाहनवाज का सरकारी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया था, लेकिन दर्ज मुकदमे में घटना के सभी पहलुओं को शामिल नहीं किया गया। महिला की मांग है कि मेडिकल रिपोर्ट, मूल शिकायत और घटना में लगाए गए आरोपों के आधार पर मामले की जांच करते हुए आवश्यक कानूनी धाराएं बढ़ाई जाएं। पीड़िता ने आरोप लगाया कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपी गांव में खुलेआम घूम रहे हैं। इतना ही नहीं, वे उसके परिवार को लगातार धमका रहे हैं। महिला का कहना है कि आरोपियों की ओर से उसके बेटे को मौका मिलने पर जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। इससे उसका परिवार भयभीत है और उसे अपने बेटे तथा परिवार के अन्य सदस्यों की सुरक्षा की चिंता सता रही है।

बीबी फातिमा जहरा की कब्र की तामीर की मांग को लेकर दरगाह बघरा में निकाला कैंडल मार्च

नौचंदी जुमेरात पर दरगाह-ए-आलिया बाबुल हवाइज में तीन मजलिसों का आयोजन, अकीदतमंदों ने मोमबत्तियां जलाकर बुलंद की आवाज; सऊदी अरब स्थित जन्नतुल बकी के पुनर्निर्माण की मांग उठाई



मुजफ्फरनगर। बघरा स्थित दरगाह-ए-आलिया बाबुल हवाइज में नौचंदी जुमेरात के अवसर परसऊदी अरब स्थित जन्नतुल बकी मे बीबी फातिमा जहरा की कब्र की तामीर की मांग को लेकर कैंडल मार्च निकाला गया। इससे पूर्व दरगाह परिसर में आजाए फातमिया के अंतर्गत तीन मजलिसों का आयोजन किया गया, जिनमें विभिन्न स्थानों से आए मौलानाओं ने बीबी फातिमा जहरा की जिंदगी, उनकी शिक्षाओं और धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने हिस्सा लेकर सऊदी अरब स्थित जन्नतुल बकी के पुनर्निर्माण की मांग उठाई।

पहली मजलिस में बीबी फातिमा जहरा की जिंदगी पर रोशनी डाली

पहली मजलिस को आजमगढ़ से आए मौलाना मोहम्मद मेहंदी ने संबोधित किया। उन्होंने बीबी फातिमा जहरा की जिंदगी और उनके आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए इंसाफ, सच्चाई और दूसरों के अधिकारों की रक्षा करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे की जमीन पर एक इंच भी नाजायज कब्जा करना अन्याय है। ऐसे व्यक्ति को बीबी फातिमा जहरा की शिक्षाओं का सच्चा अनुयायी नहीं कहा जा सकता। दूसरी मजलिस को गागेरू से आए मौलाना खुर्शीद आलम ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं, पुरुषों और बच्चों सभी को पर्दे और उसकी मयार्दा का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने मौजूदा हालात पर चर्चा करते हुए उत्तर प्रदेश के आगामी चुनावों का भी जिक्र किया। उन्होंने लोगों से प्रदेश की खु-शहाली और विकास को ध्यान में रखते हुए अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने तथा अच्छे नेतृत्व का चुनाव करने की अपील की। तीसरी मजलिस दिल्ली से आए मौलाना अजादार हुसैन ने पढ़ी। इसके बाद बीबी फातिमा जहरा की कब्र की तामीर की मांग को लेकर कैंडल मार्च निकाला गया। इस दौरान मौलाना जिया अब्बास मुरादपुरा और मौलाना जावेद काजमी जोली ने बीबी फातिमा जहरा के मसायब बयान किए। अकीदतमंदों ने मोमबत्तियां जलाकर जन्नतुल बकी के पुनर्निर्माण की मांग को बुलंद किया।

जन्नतुल बकी की तामीर के लिए लगातार उठाई जा रही आवाज

जीशान अली ने बताया कि सऊदी अरब स्थित जन्नतुल बकी में बीबी फातिमा जहरा की कब्र की तामीर की मांग को लेकर अल जव्वाद फाउंडेशन के सरपरस्त मौलाना मनाजिर नकवी और आफाक आलम जैदी लगातार आवाज उठा रहे हैं। कैंडल मार्च का उद्देश्य इस मांग के प्रति लोगों को जागरूक करना और सऊदी अरब सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना है।

दरगाह कमेटी ने किया अतिथियों का स्वागत

कार्यक्रम में पहुंचे सभी मेहमानों और अकीदतमंदों का दरगाह कमेटी की ओर से स्वागत किया गया।

बातचीत के बहाने बुलाकर लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप, साले-सालियों समेत ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप



मुजफ्फरनगर। थाना कोतवाली क्षेत्र की काशीराम कॉलोनी वार्ड नंबर-10 निवासी एक युवक ने अपने साले, दो सालियों और पत्नी पक्ष के अन्य लोगों पर मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और अपनी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। एसएसपी को दिए गए प्रार्थना पत्र में शाहबाज पुत्र राजू निवासी काशीराम कॉलोनी ने बताया कि उस-की पत्नी अदीबा अपनी बहन नसरीन से मिलने थाना सिविल लाइन क्षेत्र के मोहल्ला मल्हूपुरा स्थित बर्फ खाने वाली गली में गई थी। शाहबाज भी अपनी पत्नी के साथ वहां पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान उसकी दूस-री साली शाईन ने बिना किसी उचित कारण के उसके साथ विवाद शुरू कर दिया और हाथापाई पर उतारू हो गई। शाहबाज के अनुसार, उसकी पत्नी ने भी अपनी बहन का पक्ष लेते हुए उसका विरोध किया। काफी समझाने के बावजूद जब विवाद शांत नहीं हुआ तो वह अपने बच्चों को वहीं छोड़कर अकेला अपने घर लौट आया। पीड़ित का आरोप है कि उसी दिन शाम को उसके साले सलमान पुत्र मोबीन निवासी सरधना, जनपद मेरठ का फोन आया। सलमान ने उसे बातचीत करने के बहाने मल्हूपुरा बुलाया। शाहबाज का कहना है कि वह बातचीत की नीयत से वहां पहुंचा, लेकिन पहुंचते ही उसके साथ दबाव बनाने और डराने-धमकाने का प्रयास किया जाने लगा। आरोप है कि उसकी दोनों सालियों ने उसे पक-ड़ लिया और जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि आज उसे सबक सिखाया जाएगा। इसी दौरान साले सलमान और उसके साथ मौजूद अन्य अज्ञात लोगों ने उसे नीचे गिराकर लाठी-डंडों से मारपीट की। शाहबाज के मुताबिक, वह किसी तरह हमलावरों के चंगुल से बचकर मौके से भागने में सफल रहा। पीड़ित ने आशंका जताई है कि ससुराल पक्ष के लोग उसके खिलाफ कोई साजिश रचकर उसे झूठे मुकदमे में फंसा सकते हैं तथा उसे जान-माल का नुकसान पहुंचा सकते हैं। उसने अपनी पत्नी की ओर से भी झूठी शि-कायत देकर फंसाए जाने की आशंका व्यक्त की है। पीड़ित शाहबाज ने 12 नवंबर 2026 को एसएसपी को प्रार्थना पत्र सौंपकर मामले की जांच कराते हुए आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने और भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचाव के लिए अपनी स-ुरक्षा सुनिश्चित कराने की गुहार लगाई है। फिलहाल ये सभी आरोप पीड़ित द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र पर आधारित हैं। मामले में पुलिस की कार्रवाई और दूसरा पक्ष सामने आने के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आज गांधी कॉलोनी और पचेंडा रोड बिजलीघरों से जुड़े क्षेत्रों में तीन घंटे गुल रहेगी बिजली

सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित, 33 केवी लाइन की ग्रेडिंग मरम्मत के चलते लिया जाएगा शटडाउन; उपभोक्ताओं से वैकल्पिक व्यवस्था करने की अपील

मुजफ्फरनगर। शहर के गांधी कॉलोनी और पचेंडा रोड विद्युत उपकेंद्रों से जुड़े क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को 13 नवंबर को बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम की ओर से जारी सूचना के अनुसार दोनों विद्युत उपकेंद्रों की 33 केवी लाइन की ग्रेडिंग की मरम्मत का कार्य कराया जाएगा। इसके चलते सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान दोनों विद्युत उपकेंद्रों से संचालित होने वाले सभी 11 केवी पोषकों की बिजली बंद रहेगी।

तीन घंटे तक बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

विद्युत विभाग की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि 13 नवंबर को गांधी कॉलोनी और पचेंडा रोड स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्रों की 33 केवी लाइन की ग्रेडिंग की मरम्मत की जानी है। मरम्मत कार्य को सुरक्षित तरीके से पूरा कराने के लिए संबंधित लाइनों का शटडाउन लिया जाएगा। इसके चलते दोनों उपकेंद्रों से निर्गत होने वाले समस्त 11 केवी पोषकों की विद्युत आपूर्ति सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंद रहेगी।

घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर पड़ेगा असर

शटडाउन के कारण संबंधित बिजलीघरों से जुड़े आवासीय क्षेत्रों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और अन्य विद्युत उपभोक्ताओं को तीन घंटे तक बिजली नहीं मिल सकेगी। बिजली आपूर्ति बाधित रहने से घरेलू कामकाज के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित होने की संभावना है। ऐसे में विभाग ने उपभोक्ताओं से पहले से ही आवश्यक तैयारियां करने और बिजली पर निर्भर कार्यों की वैकल्पिक व्यवस्था करने की अपील की है।

काम की अधिकता पर बदल सकता है समय

विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया है कि मरम्मत कार्य की अधिकता और तकनीकी परिस्थितियों को देखते हुए शटडाउन की निर्धारित अवधि में परिवर्तन भी हो सकता है। इसलिए उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय को ध्यान में रखते हुए अपनी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले ही पूरी कर लें।

पानी की आपूर्ति के लिए नगर पालिका को भी सूचना

विद्युत आपूर्ति बाधित रहने से पेयजल व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए अधिशासी अभियंता ने नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर को भी सूचना भेजी है। नगर पालिका से अनुरोध किया गया है कि संबंधित क्षेत्रों में बिजली कटौती के दौरान पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उचित समय पर आवश्यक व्यवस्था की जाए, ताकि नागरिकों को पेयजल की परेशानी का सामना न करना पड़े। 1912 पर प्राप्त कर सकते हैं जानकारी

विद्युत विभाग ने संबंधित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे शटडाउन के दौरान बिजली से संबंधित आवश्यक सावधानियां बरतें और वैकल्पिक व्यवस्था रखें। बिजली आपूर्ति या अन्य विद्युत संबंधी जानकारी के लिए उपभोक्ता टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं। विभाग ने नागरिकों से बिजली बचाने की अपील करते हुए राष्ट्रहित में ऊर्जा संरक्षण का संदेश भी दिया है।

छठ महापर्व को लेकर तैयारियां शुरू, हनुमान धाम के शिव सरोवर में भरा जा रहा पानी



शामली। छठ पूजा महापर्व को लेकर जिले में तैयारियां शुरू हो गई हैं। 13 से 16 नवंबर तक मनाए जाने वाले चार दिवसीय पर्व को लेकर शामली के हनुमान धाम और कैराना स्थित यमुना घाट पर व्यवस्थाएं जुटाई जा रही हैं। शामली शहर में छठ पूजा के आयोजन का प्रमुख केंद्र हनुमान धाम है, जहां पूर्वांचल और बिहार मूल के परिवार बड़ी संख्या में पहुंचकर भगवान सूर्य की उपासना करते हैं। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई देने लगा है।

छठ पूजा के दौरान व्रती महिलाएं और पुरुष संतान की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और आरोग्य की कामना के लिए कठिन निर्जला व्रत रखते हैं। चार दिवसीय पर्व में नहाय-खाय, खरना, अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और उगते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा निभाई जाती है। श्रद्धालु नदी, तालाब और जलाशयों के किनारे पहुंचकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं।

शामली के हनुमान धाम स्थित शिव सरोवर में छठ पूजा को लेकर साफ-सफाई का कार्य कराया जा रहा है। साथ ही सरोवर में पानी भरने की व्यवस्था भी शुरू कर दी गई है। वहीं कैराना के यमुना घाट पर भी पर्व के आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। यहां आसपास के गांवों और कस्बों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

छठ पर्व पर शाम को डूबते सूर्य और अगले दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालु घाटों पर पहुंचेंगे। ऐसे में घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और सुरक्षा के इंतजाम महत्वपूर्ण रहेंगे। श्रद्धालु पूजा सामग्री और अन्य जरूरी सामान की खरीदारी में भी जुटने लगे हैं। शुक्रवार को व्रती महिलाएं सुबह स्नान के बाद नहाय-खाय की परंपरा के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरूआत करेंगी।

उर्दू बेदारी फोरम की शिक्षा कॉन्फ्रेंस में हिंदी-उर्दू के प्रचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर दिया जोर

मौलाना अबुल कलाम आजाद, सावित्रीबाई फुले और फातिमा शेख के नाम से दिए गए विशेष सम्मान



मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर उर्दू बेदारी फोरम मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में उर्दू मुकाबला-2026 के अंतर्गत भव्य शैक्षिक सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन गढ़ास मंडी स्थित आफताब मेरिट बॉल में किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, साहित्य और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी अनेक प्रमुख हस्तियों के साथ विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, साहित्यकारों और गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन में हिंदी और उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार, विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नई पीढ़ी को साहित्यिक विरासत से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

28 शिक्षण संस्थानों के 1220 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

उर्दू बेदारी फोरम पिछले कई वर्षों से हिंदी एवं उर्दू भाषा, साहित्य और शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इसी अभियान के तहत आयोजित उर्दू मुकाबला-2026 में जनपद के 28 शिक्षण संस्थानों के लगभग 1220 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यालय स्तर पर चयनित लगभग 200 विद्यार्थियों को जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। प्रतियोगिता को चार समूहों ए, बी, सी और डी में विभाजित किया गया था। प्रत्येक समूह में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को समारोह में सम्मानित किया गया। फोरम के अध्यक्ष शहजाद अली ने अपने संबोधन में कहा कि उर्दू बेदारी फोरम कई वर्षों से उर्दू भाषा और शिक्षा के क्षेत्र में प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य बच्चों के शैक्षिक उन्नयन, बौद्धिक विकास और प्रतिभा को निखारना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने विषय में महारत हासिल करने के लिए मेहनत करनी चाहिए। जिस गंभीरता और गुणवत्ता के साथ अन्य विषयों की पढ़ाई कराई जाती है, उसी तरह उर्दू की शिक्षा भी गुणवत्ता के साथ दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्राप्त करने का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना नहीं, बल्कि समाज और देश की तरक्की में योगदान देना होना चाहिए। विद्यार्थियों को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर उसके लिए पूरी लगन और मेहनत से प्रयास करना चाहिए।

नवंबर का महीना शिक्षा और साहित्य के लिहाज से महत्वपूर्ण

शहजाद अली ने नवंबर महीने के ऐतिहासिक और शैक्षिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महीना शिक्षा, साहित्य और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण घटनाओं और महान व्यक्तित्वों की याद दिलाता है। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के योगदान को याद किया जाता है।

इसी महीने अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस, अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस और जामिया हमदर्द के संस्थापक हकीम अब्दुल हमीद का जन्मदिवस भी आता है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी घटनाएं, मौलाना शेखुल हिंद की स्मृतियां और देश के इतिहास के अनेक महत्वपूर्ण प्रसंग भी नवंबर महीने को विशेष बनाते हैं। यह महीना विद्यार्थियों और युव-ाओं को अपने जीवन का उद्देश्य तय करने तथा शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने का संदेश देता है।

भाषा हमारी संस्कृति और तहजीब की पहचान : मोहम्मद सिराज आजम

जनाब मोहम्मद सिराज आजम ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह हमारी संस्कृति, तहजीब और विचारों की पहचान भी होती है।

मीनाक्षी चौक पर स्कूटर खड़ा करने को लेकर खूनी संघर्ष जैसी स्थिति, दुकानदार को घेरकर पीटा; मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

हलीम बिरयानी की दुकान के सामने स्कूटर खड़ा करने से रोकने पर भड़का युवक, भाई और मामा को बुलाकर दुकानदार से मारपीट कराने का आरोप

मुजफ्फरनगर। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शामिल मीनाक्षी चौक पर स्कूटर खड़ा करने को लेकर दुकानदार और एक युवक के बीच हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। दुकान के सामने स्कूटर खड़ा करने से मना करने पर शुरू हुई कहासुनी के बाद दुकानदार के साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। पीड़ित का कहना है कि युवक ने अपने भाई और मामा को मौके पर बुला लिया, जिसके बाद सभी ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मामला शहर में चर्चा का विषय बन गया है। पीड़ित दुकानदार ने थाना सिविल लाइन पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दुकान के सामने स्कूटर खड़ा करने से मना करना पड़ा भारी

मामला मीनाक्षी चौक स्थित हलीम बिरयानी की दुकान का बताया जा रहा है। कृष्णापुरी निवासी शाह आलम पुत्र हाजी गुलजार की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, वह अपनी दुकान पर मौजूद था। इसी दौरान आदिल नाम का युवक दुकान के सामने अपना स्कूटर खड़ा करने लगा। दुकान के सामने स्कूटर खड़ा करने से रास्ते और दुकान के काम में परेशानी होने के चलते शाह आलम ने उसे स्कूटर आगे खड़ा करने के लिए कहा। आरोप है कि इतनी सी बात पर आदिल भड़क गया और उसने दुकानदार के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। शाह आलम के अनुसार, स्कूटर खड़ा करने को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते विवाद में बदल गई। आरोप है कि आदिल ने फोन कर अपने भाई और मामा को भी मौके पर बुला



लिया। उनके पहुंचने के बाद विवाद और बढ़ गया तथा सभी ने मिलकर शाह आलम के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित का आरोप है कि उसके साथ मारपीट करने के बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। अचानक हुए इस घटनाक्रम से मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, मचा हड़कंप

घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने मारपीट का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। अब यही वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मीनाक्षी चौक पर हुई मारपीट को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर लोग सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के विवाद और मारपीट की घटनाओं पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो की पूरी परिस्थितियों और उसमें दिखाई देने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की पुलिस जांच के बाद ही पुष्टि हो सकेगी।

मीनाक्षी चौक शहर का प्रमुख और व्यस्त चौराहा है। यहां दिनभर वाहनों और राहगीरों की आवाजाही बनी रहती है। आसपास बड़ी संख्या में दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान होने के कारण सड़क किनारे वाहन खड़े करने को लेकर अक्सर परेशानी पैदा होती है। दुकानों के सामने वाहन खड़े होने से दुकानदारों के कामकाज के साथ-साथ आवागमन भी प्रभावित होता है। ऐसे में वाहन खड़ा करने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद मारपीट तक पहुंचने से एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन और आपसी व्यवहार का मुद्दा सामने आया है।

खतौली में ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की दर्दनाक मौत, रेलवे ट्रैक पर मिला शव

मृतक की पहचान नहीं हो सकी, पुलिस ने शव कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास किए तेज; दाएं हाथ पर अंग्रेजी में 'CSKS' लिखा, पहचान के लिए थाना खतौली से संपर्क करने की अपील

खतौली। खतौली क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर संबंधित पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए मृतक की पहचान कराने के प्रयास शुरू कर दिए। फिलहाल मृतक की उम्र और नाम-पते के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही उपलब्ध हुलिये के आधार पर उसकी शिनाख्त कराने में जुटी है। पुलिस की ओर से जारी किए गए हुलिये के अनुसार मृतक का रंग गेहूंआ है और कद करीब पांच फुट तीन इंच बताया गया है। उसके चेहरे पर सफेद दाढ़ी और मूंछ हैं, जबकि सिर के बाल भी सफेद और बढ़े हुए हैं। मृतक ने ग्रे रंग की पैंट पहन रखी थी। इसके अलावा उसने सफेद, पीले और नीले रंग की धारियों वाली शर्ट



पहनी हुई थी।

दाएं हाथ पर लिखा है CSKS

मृतक की पहचान कराने के लिए पुलिस ने उसके शरीर पर मौजूद एक विशेष निशान की जानकारी भी सार्वजनिक की है। उसके दाएं हाथ पर अंग्रेजी के अक्षरों में 'CSKS' लिखा हुआ है। पुलिस को उम्मीद है कि कपड़ों और इस विशेष निशान के आधार पर मृतक की पहचान करने में मदद मिल सकती है।

पहचान कराने में जुटी पुलिस, लोगों से सहयोग की अपील

फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस की ओर से आमजन से अपील की गई है कि यदि कोई व्यक्ति दिए गए हुलिये और कपड़ों के आधार पर मृतक को पहचानता है या उसके संबंध में कोई जानकारी रखता है तो थाना खतौली से संपर्क कर सूचना दे सकता है। पुलिस मृतक के परिजनों तक पहुंचने और उसकी पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है। अज्ञात व्यक्ति की मौत के बाद सबसे बड़ी चुनौती उसकी पहचान कराकर परिजनों तक सूचना पहुंचाना है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस हुलिये को अधिक से अधिक साझा करें, जिससे मृतक की शिनाख्त हो सके।

10.50 लाख रुपये का गांजा पकड़ा, 20.440 किलो नशीले पदार्थ के साथ तस्कर गिरफ्तार

ऑपरेशन सवेरा के तहत कोतवाली नगर पुलिस की कार्रवाई, चरथावल रोड पर मदरसे से आगे दबोचा गया आरोपी

मुजफ्फरनगर। जनपद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा के तहत कोतवाली नगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चरथावल रोड पर मदरसे से आगे घेराबंदी कर एक कथित गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 20 किलो 440 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख 50 हजार रुपये बताई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामलीला टिल्ला निवासी राजकुमार उर्फ फौजी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर मुजफ्फरनगर के अलग-अलग इलाकों में मांग के अनुसार ऊंचे दामों पर सप्लाई करता था। आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। सहायक पुलिस अधीक्षक नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा के अनुसार 11 नवंबर की रात कोतवाली नगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चरथावल रोड पर मदरसे से आगे एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के लिए मौजूद है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल बताए गए स्थान पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मौके पर मौजूद एक व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। बरामद गांजे का वजन कराने पर मात्रा 20 किलो 440 ग्राम निकली। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजकुमार उर्फ फौजी पुत्र सुरेश निवासी गली नंबर आठ, रामलीला टिल्ला, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर के रूप में की है।



उसकी उम्र करीब 32 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बरामद 20.440 किलोग्राम गांजे की अनुमानित कीमत 10.50 लाख रुपये आंकी है। मामले में थाना कोतवाली नगर पर मुकदमा अपराध संख्या 500/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गांजा सस्ते दामों पर खरीदकर लाता था और फिर मांग के अनुसार मुजफ्फरनगर के विभिन्न स्थानों पर ऊंचे दामों में सप्लाई करता था। इस अवैध कारोबार के जरिए वह आर्थिक लाभ कमाता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी गांजा कहां से खरीदकर लाता था और उसके इस कारोबार में कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। इसके लिए पुलिस आरोपी की आगे और पीछे की कड़ियों यानी सप्लाई नेटवर्क की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार राजकुमार उर्फ फौजी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ कोतवाली नगर में वर्ष 2018 में मारपीट, छेड़छाड़, घर में घुसकर हमला करने और धमकी देने से संबंधित मुकदमा दर्ज हुआ था। वर्ष 2019 में हत्या के प्रयास, मारपीट, बलवा और आर्म्स एक्ट के तहत भी मुकदमे दर्ज किए गए थे। इसके अलावा वर्ष 2022 में भी मारपीट और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ वर्ष 2026 में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक अन्य मुकदमा संख्या 224/2026 भी दर्ज है। इसके अलावा इसी वर्ष बीएनएस की विभिन्न धाराओं में भी मुकदमा दर्ज हुआ है।

मोरना में गन्ना क्रय केंद्र पर गन्ना न तौलने पर भड़का किसान: डिप्टी कैन मैनेजर से मारपीट, तौल के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप

गादला-बी गन्ना क्रय केंद्र का मामला, घायल मैनेजर को मेडिकल के लिए भेजा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव गादला में स्थित चीनी मिल के गन्ना क्रय केंद्र पर रिजेक्ट प्रजाति का गन्ना लेने से मना करने को लेकर भारी विवाद हो गया। आरोप है कि इस बात से भड़के एक किसान ने मौके पर पहुंचे मिल अधिकारी के साथ गाली-गलौज करते हुए डंडे से मारपीट कर दी। पीड़ित डिप्टी कैन मैनेजर ने थाने में तहरीर देकर आरोपी किसान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, दूसरी ओर किसान ने भी मिल अधिकारी पर गन्ना तौलने के नाम पर रिश्वत मांगने और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। रामराज थाना क्षेत्र के गांव जीवनपुरी निवासी आशीष शर्मा ने थाने में दी तहरीर में बताया कि वह उत्तम शुगर मिल खाईखेड़ी में डिप्टी कैन मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार की सुबह एक किसान चीनी मिल के क्रय केंद्र 'गादला-



बी' पर रिजेक्ट प्रजाति का गन्ना लेकर पहुंचा था। गन्ने की प्रजाति की जांच करने के बाद मौके पर मौजूद तौल बाबू ने उसे तौलने से इनकार कर दिया। इसके बाद किसान ने फोन के माध्यम से इसकी शिकायत डिप्टी कैन मैनेजर आशीष शर्मा से की। पीड़ित अधिकारी के अनुसार, फोन पर शिकायत मिलने के करीब 15 मिनट बाद वह स्वयं गादला-बी क्रय केंद्र पर पहुंचे। वहां उन्होंने किसान की ट्रॉली में लदे गन्ने का निरीक्षण किया और किसान को समझाया कि यह रिजेक्ट प्रजाति का गन्ना है, जिसे अगेती प्रजाति की पर्ची पर नहीं लिया जा सकता। आरोप है कि इतनी बात सुनते ही किसान आग-बबूला हो गया और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी किसान ने डंडे से डिप्टी कैन मैनेजर के साथ मारपीट शुरू कर दी। क्रय केंद्र पर शोर-शराबा सुनकर वहां मौजूद अन्य मिल कर्मचारियों ने किसी तरह बीच-बचाव कर अधिकारी को बचाया। आरोप है कि जाते-जाते किसान ने जान से मारने की धमकी भी दी।

बेलड़ा गंग नहर में छलांग लगाने वाले वृद्ध का दूसरे दिन भी नहीं लगा सुराग, बोट से चलाया गया सर्च अभियान

भोकरहेड़ी निवासी बृजपाल सिंह बुधवार दोपहर घर से अचानक लापता हुए थे

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के गांव बेलड़ा स्थित गंग नहर पुल पर एक वृद्ध के नहर में छलांग लगाने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। नहर में छलांग लगाने वाले 68 वर्षीय वृद्ध की दूसरे दिन भी तलाश जारी रही, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। गुरुवार को पुलिस और तलाश अभियान में जुटी टीम ने बोट के माध्यम से गंग नहर में सर्च अभियान चलाया। नहर के तेज बहाव और पानी की गहराई के चलते तलाश अभियान में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उधर, वृद्ध के नहर में लापता होने से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पत्नी और इकलौते बेटे का रो-रोकर बुरा हाल है।

दोपहर में अचानक घर से निकल गए थे बृजपाल सिंह

जानकारी के अनुसार कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला सुभाष चौक निवासी बृजपाल सिंह (68 वर्ष) बुधवार दोपहर करीब दो बजे घर से बिना किसी को बताए निकल गए थे। परिजनों के मुताबिक बृजपाल सिंह काफी समय से गंभीर मानसिक



बीमारी से जूझ रहे थे और उनका उपचार भी चल रहा था। दोपहर में उनके अचानक घर से चले जाने के बाद परिजनों को लगा कि वह आसपास कहीं गए होंगे और कुछ देर में वापस लौट आएंगे, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिवार के लोगों को चिंता सताने लगी।

काफी तलाश के बाद भी नहीं मिला कोई पता

वृद्ध के वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने आसपास के मोहल्लों और परिचितों के यहां उनकी तलाश की। रिश्तेदारों और जानकारों से भी संपर्क किया गया, लेकिन कहीं से कोई जानकारी नहीं मिल सकी। परिवार के लोग लगातार उनकी खोजबीन में जुटे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 3:15 बजे परिजनों को सूचना मिली कि गांव बेलड़ा स्थित गंग नहर पुल से एक वृद्ध व्यक्ति ने नहर में छलांग लगा दी है। सूचना मिलते ही परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई और परिवार के लोग आनन-फानन में ग्रामीणों के साथ बेलड़ा पुल पर पहुंच गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के हुलिए से हुई पहचान

बेलड़ा गंग नहर पुल पर मौजूद लोगों ने बताया कि एक वृद्ध व्यक्ति ने पुल से नहर में छलांग लगाई थी। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताए गए हुलिए और पहनावे के आधार पर परिजनों ने नहर में छलांग लगाने वाले व्यक्ति की पहचान बृजपाल सिंह के रूप में की। इसके बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने तत्काल भोपा थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए वृद्ध की तलाश शुरू कराई।

गोताखोरों ने नहर में की तलाश, नहीं मिला सुराग

पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से गंग नहर में तलाश अभियान चलवाया। गोताखोरों ने संभावित स्थानों पर काफी देर तक खोजबीन की, लेकिन नहर का पानी तेज गति से बहने के कारण सफलता नहीं मिल सकी। नहर में पानी का बहाव काफी तेज होने के चलते वृद्ध के बहाव के साथ दूर निकल जाने की आशंका भी बनी हुई है। पुलिस और स्थानीय लोगों ने नहर के आसपास के संभावित स्थानों पर भी नजर रखी।

बृजपाल सिंह का बुधवार देर शाम तक कोई पता नहीं चलने पर गुरुवार को भी तलाश अभियान जारी रखा गया। इस दौरान बोट के माध्यम से गंग नहर में सर्च अभियान चलाया गया।

जनगणना 2027: पर्यवेक्षकों और प्रगणकों के तीसरे बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, एडीएम ने किया औचक निरीक्षण

जिला गणना अधिकारी गंभीर सिंह ने प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का लिया जायजा, प्रशिक्षुओं से किया सीधा संवाद; आंकड़ों की शुद्धता और गोपनीयता बनाए रखने के दिए निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मुजफ्फरनगर तहसील सदर के अंतर्गत पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को प्रशिक्षित करने के लिए चलाए जा रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम बैच का शुभारंभ हो गया। 12, 13 एवं 14 नवंबर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं, कार्यप्रणाली और शासन की ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा जिला गणना अधिकारी गंभीर सिंह ने प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया और प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या गणना को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से तहसील सदर के पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों का प्रशिक्षण अलग-अलग बैचों में आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत प्रथम बैच का प्रशिक्षण 26, 27 एवं 28 अक्टूबर को तथा द्वितीय बैच का प्रशिक्षण 4, 5 एवं 6 नवंबर को आयोजित किया गया



था। अब तीसरे बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 12 से 14 नवंबर तक संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में शामिल कर्मचारियों को जनगणना के दौरान आने वाली विभिन्न परिस्थितियों से निपटने और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आंकड़े एकत्र करने की जानकारी दी जा रही है। तीसरे बैच के प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं जिला गणना अधिकारी गंभीर सिंह ने भोपा रोड स्थित एसडी पब्लिक स्कूल में बनाए गए प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रथम एवं द्वितीय पाली में चल रहे प्रशिक्षण सत्रों का जायजा लेते हुए प्रशिक्षण की व्यवस्था, प्रशिक्षुओं की उपस्थिति और मास्टर ट्रेनर्स की ओर से दी जा रही जानकारी को देखा। उन्होंने प्रशिक्षण स्थल पर मौजूद पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों से सीधे बातचीत कर प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी प्राप्त की और उनकी जिज्ञासाओं को भी सुना। निरीक्षण के दौरान गंभीर सिंह ने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इसमें पर्यवेक्षकों और प्रगणकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी कर्मचारी इस जिम्मेदारी को पूरी गंभीरता, सजगता और पारदर्शिता के साथ निभाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशिक्षण केवल औपचारिकता बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे संवादात्मक बनाया जाए। प्रशिक्षुओं को प्रत्येक विषय की व्यावहारिक जानकारी दी जाए, ताकि उनके मन में किसी भी प्रकार की शंका या भ्रम न रहे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को अपनी समस्याएं और सवाल खुलकर रखने का अवसर मिलना चाहिए। मास्टर ट्रेनर्स प्रत्येक सवाल का सरल भाषा में जवाब दें, जिससे मैदानी स्तर पर जनगणना का कार्य शुरू होने के बाद किसी प्रकार की परेशानी सामने न आए। जिला गणना अधिकारी ने जनगणना के दौरान एकत्र किए जाने वाले आंकड़ों की सटीकता और गोपनीयता को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े भविष्य की योजनाओं, विकास कार्यों और सरकारी नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में आंकड़ों का सही संकलन बेहद जरूरी है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। सभी पर्यवेक्षक और प्रगणक निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए जिम्मेदारी से अपना कार्य करें। निरीक्षण के दौरान गंभीर सिंह ने प्रशिक्षण दे रहे मास्टर ट्रेनर्स को निर्देशित किया कि वे जनगणना से संबंधित सभी तकनीकी पहलुओं, प्रक्रिया और निर्धारित दिशा-निर्देशों को सरल एवं स्पष्ट भाषा में समझाएं। प्रशिक्षण में सैद्धांतिक जानकारी के साथ व्यावहारिक पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि प्रशिक्षित कर्मचारी अपने कार्यक्षेत्र में पहुंचकर बिना किसी बाधा के गणना संबंधी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

शुकतीर्थ कार्तिक गंगा स्नान मेला: तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि

21 से 25 नवंबर तक सजेगा ऐतिहासिक मेला, 24 को मुख्य स्नान के लिए सुरक्षा और प्रकाश के पुख्ता इंतजाम

मोरना (मुजफ्फरनगर)। पौराणिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ में आगामी 21 से 25 नवंबर तक आयोजित होने वाले ऐतिहासिक कार्तिक गंगा स्नान मेले को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय हो गया है। गुरुवार को जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल और अपर जिलाधिकारी (वित्त) गंभीर सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने गंगा घाट, मेला स्थल और आसपास के संपर्क मार्गों का जायजा लेते हुए सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित समय से पूर्व दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में गंगा सेवा समिति के भवन में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी (वित्त) गंभीर सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से तैयारियों की बिंदुवार प्रगति जानी। उन्होंने मेला क्षेत्र में निरंतर साफ-सफाई, श्रद्धालुओं के



लिए शुद्ध पेयजल, सुगम आवागमन और विशेष रूप से बिहारगढ़ मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एडीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मेले में दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ समय रहते कार्य पूर्ण कर लें।

इससे पूर्व जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने गंगा घाट एवं मेला मैदान का बारीकी से स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मेले को आकर्षक और व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने के लिए अधिकारियों से विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया। बैठक और निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मेला क्षेत्र में बैरियर लगाने, मजबूत बैरिकेडिंग करने, वाहनों के लिए सुव्यवस्थित पार्किंग, रूट डायवर्जन (मार्ग परिवर्तन) और चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की रूपरेखा तय की गई। इसके साथ ही गंगा में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने पर चर्चा हुई। मेले के दौरान यातायात और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीओ भोपा राधारमण सिंह एवं मेले में विशेष रूप से तैनात प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी साझा की।

लखनऊ में अखिलेश यादव से मिले किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत, 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मुलाकात ने बढ़ाई सियासी हलचल

किसानों की समस्याओं पर हुई चर्चा, अखिलेश यादव ने एक्स पर तस्वीर साझा कर लिखा- 'जो पीड़ित, वो पीडीए'; पीडीए में अन्नदाता को भी बताया अहम हिस्सा, किसान-किसानी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मुद्दे को दी प्रमुखता

मुजफ्फरनगर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत ने लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर प्रदेश के राजनीतिक और किसान संगठनों से जुड़े हलकों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं। मुलाकात के दौरान किसानों की समस्याओं, खेती-किसानी की मौजूदा स्थिति और किसानों के सामने आ रही चुनौतियों पर चर्चा हुई। विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच हुई इस मुलाकात को राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अखिलेश यादव ने एक्स पर साझा की मुलाकात की तस्वीर

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर चौधरी राकेश टिकैत के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी बात रखते हुए कहा कि हरियाली केवल



समृद्धि का प्रतीक बनकर न रह जाए, बल्कि समृद्धि की हरियाली हर घर, द्वार और आंगन तक पहुंचे। यह तभी संभव है, जब किसान, किसानी और गांव-ग्रामीणों की मेहनत को सम्मान मिलने के साथ उनकी उपज का उचित मूल्य भी मिले। अखिलेश यादव की इस पोस्ट में किसानों की आर्थिक स्थिति, उनकी मेहनत के सम्मान और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने का मुद्दा प्रमुखता से दिखाई दिया। उन्होंने किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत के साथ हुई बातचीत को किसानों की समस्याओं से जोड़ते हुए प्रदेश में किसान वर्ग की स्थिति पर भी अपनी बात रखी।

'जो पीड़ित, वो पीडीए', अखिलेश ने अन्नदाता को बताया पीडीए का हिस्सा

अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा कि किसान नेता श्री राकेश टिकैत के साथ किसानों की समस्याओं पर चर्चा हुई। इस चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक पीड़ित वर्ग किसानों का है। उन्होंने अपनी राजनीतिक विचारधारा का उल्लेख करते हुए कहा कि 'जो पीड़ित, वो पीडीए।' उन्होंने पीडीए की व्याख्या करते हुए इसमें 'ए' का मतलब अन्नदाता भी बताया। इसके जरिए अखिलेश यादव ने किसान वर्ग को पीडीए की अवधारणा से जोड़ने का प्रयास किया। उनकी पोस्ट में किसानों को सम्मान और उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के मुद्दे को भी प्रमुखता दी गई। सपा अध्यक्ष ने अपनी पोस्ट में किसानों के बढ़ते समर्थन का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों का लगातार बढ़ता समर्थन पीडीए को हर गांव और हर बूथ पर मजबूत करने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने किसान और ग्रामीण क्षेत्र को अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से जोड़ते हुए वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में भी संदेश दिया।

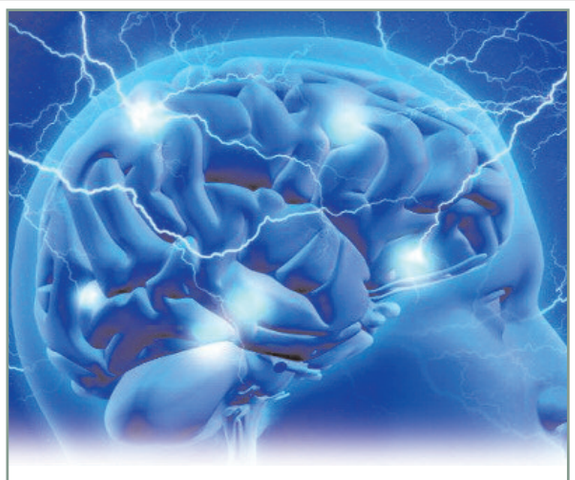
अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों की खुशहाली के बिना देश की वास्तविक खुशहाली संभव नहीं है। उन्होंने अपने संदेश में दोहराया- 'जब खेत मुस्कुराएगा, तब देश मुस्कुराएगा।' इस नारे के माध्यम से उन्होंने कृषि, किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देश की समृद्धि का आधार बताया।

2027 के चुनाव से पहले किसान राजनीति पर बढ़ा ध्यान

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की गतिविधियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं। ऐसे समय में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मुलाकात को महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। किसान आंदोलन और किसानों के मुद्दों पर मुखर रहने वाले राकेश टिकैत की अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद किसान राजनीति और आगामी चुनाव के बीच संभावित समीकरणों को लेकर चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। हालांकि, इस मुलाकात को लेकर किसी चुनावी गठबंधन, समर्थन या राजनीतिक समझौते की आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई है। फिलहाल अखिलेश यादव की पोस्ट में किसानों की समस्याओं, उनकी आर्थिक स्थिति, फसलों के उचित मूल्य और ग्रामीण समृद्धि को लेकर उठाए गए मुद्दे चर्चा के केंद्र में हैं।

किसानों के मुद्दों को चुनावी विमर्श में प्रमुखता देने का संकेत

राजनीतिक जानकारों की नजर में यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में किसान वर्ग चुनावी राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभाता है।



क्या होता है डोपामाइन डिटॉक्स

आज के समय में सोशल मीडिया, गेमिंग, शौपिंग जैसी एक्टिविटी से लोग बहुत एडिक्टिव हैं क्योंकि इन एक्टिविटी को करने के बाद आपके दिमाग में हैप्पी हार्मोन रिलीज़ होते हैं। इन हार्मोन के रिलीज़ होने के कारण आपको बार-बार ये एक्टिविटी करने का मन करता है। इन हार्मोन में सबसे मुख्य डोपामाइन हार्मोन है जो आपको अच्छा महसूस करवाता है। पर आज के समय में लोग इस बात से सतर्क हो चुके हैं और अब डोपामाइन डिटॉक्स का ट्रेंड चल रहा है।

डोपामाइन डिटॉक्स क्या होता है

जैसे की आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए व्रत रखते हैं वैसे ही आपके दिमाग को डिटॉक्स करने के लिए डोपामाइन से व्रत रखा जाता है। इसका मतलब है कि आप ऐसी कोई भी एडिक्टिव एक्टिविटी न करें जिससे आपका डोपामाइन रिलीज़ हो। इसकी मदद से आप अपनी आदतों को सुधार सकते हैं या अपने लाइफस्टाइल को बदल सकते हैं। इन एक्टिविटी में मीठा न खाना, शौपिंग, गेमिंग, सोशल मीडिया, ड्रग्स या स्ट्रीट फूड न खाने जैसी चीज़ें शामिल हैं। इन सभी एक्टिविटी के कारण आपको अच्छा लगता है लेकिन आपकी हेल्थ, लाइफस्टाइल और फाइनेंस पर प्रभाव पड़ता है। हालांकि डोपामाइन डिटॉक्स कोई साइंटिफिक रिसर्च नहीं है ये टर्म केवल इंटरनेट पर ही प्रचलित है। डोपामाइन डिटॉक्स की मदद से आप सिर्फ अपनी आदतों को सुधार सकते हैं लेकिन दिमाग में बनने वाले केमिकल या हार्मोन डोपामाइन को रोक नहीं सकते हैं। पर इसकी मदद से आप अपनी खुशी के लिए किसी आदत पर निर्भर नहीं होंगे।

कैसे काम करता है डोपामाइन डिटॉक्स

डोपामाइन डिटॉक्स के दौरान, एक व्यक्ति एक निर्धारित अवधि के लिए डोपामाइन ट्रिगर से बचता है वो एक घंटे से लेकर कई दिनों तक हो सकता है। उद्धरण के रूप में अगर आपको मीठा खाना अच्छा लगता है और आपको इससे खुशी मिलती है तो डोपामाइन डिटॉक्स के ज़रिए आप पुरे 1 दिन या कई दिनों तक मीठा खाना छोड़ देंगे। ऐसा करने से आपको किसी भी चीज़ का एडिक्शन कम होगा और आप उस आदत को कंट्रोल कर सकते हैं। रिसर्च के अनुसार हमारे दिमाग में नैचुरली दोपमिनें प्रोड्यूस होता है तो इसको रोकना असंभव है। साथ ही ये आपके लिए ज़रूरी भी है इसलिए आप इसे पूरी तरह से नहीं रोक सकते। उद्धरण के लिए अगर आपने मीठा खाना बंद किया है तो आप किसी और चीज़ को खाना शुरू करेंगे या शुगर फ्री खाने को प्राथमिकता देंगे। लेकिन आप पूरी तरह से उस चीज़ पर कंट्रोल नहीं कर सकते हैं। साथ ही डोपामाइन आपके शरीर के लिए ज़रूरी है इसलिए इस पर पूरी तरह से कंट्रोल करने से आपके दिमाग पर प्रभाव पड़ेगा।



बदल कर खाना चाहिए रिफाइंड तेल

हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि खाने में अलग-अलग तेलों का उपयोग करने से शरीर में फैट और एंटीऑक्सीडेंट का बेहतर सन्तुलन होता है। दरअसल हर तेल में कुछ गुण और कुछ कमियाँ होती हैं। इन्हें बदलते रहने से कमियों को दूर कर गुणों को बढ़ाया जा सकता है। तेल भारतीय भोजन का जरूरी हिस्सा है, लेकिन सेहत की जब भी बात होती है तो तेल की मात्रा और उसके प्रकारों को लेकर चर्चा जरूर होती है। इसका कारण यह है कि मोटापा, कोलेस्ट्राल, हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए तेल को सबसे ज्यादा जिम्मेदार माना जाता है। इ बीमारियों के अतिरिक्त भी तेल को शरीर की कई अन्य बीमारियों का कारण माना जाता है। सवाल यह उठता है कि आखिर कौन सा तेल खाना चाहिए। कौन सा तेल सेहत के लिए फायदेमन्द है और कौन सा खराब है। इसकी सही मात्रा और तरीका क्या है।

भोजन में तेल की आवश्यकता क्या है

भोजन में तेल की आवश्यकता होती है, क्योंकि यह शरीर की ऊर्जा के लिए जरूरी फैट उपलब्ध कराता है। तेल में फैट की मात्रा काफी होती है। इसमें कई फैट जैसे सैचुरेटेड फैट, मोनोअनसैचुरेटेड फैट और पॉली अनसैचुरेटेड फैटी एसिड शामिल होते हैं। इसके अलावा खाद्य तेलों में कई एंटीऑक्सीडेंट जैसे टोकॉफेरोल्स, ओरीजानोल, कैरोटेनॉइड्स, टोकोट्रिनोल, फाइटोस्टेरोल और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स भी शामिल होते हैं। तेल में पाए जाने वाले फैट को शरीर ऊर्जा के लिए इस्तेमाल करता है। शेष अन्य मेटाबॉलिज्म को बेहतर करते हैं।

क्यों नहीं खाना चाहिए भोजन में अधिक तेल

इंसानी शरीर अधिक फैट नहीं पचा सकता। शरीर में फैट जमा होने से बीमारियों का खतरा बढ़ता है। ऐसे में तेल से मिला फैट हमारे शरीर में जमा होने लगता है, जिससे दिल सम्बन्धी बीमारियाँ और ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। दरअसल अनसैचुरेटेड फैट से निकला एसिड सीधे खून में मिलकर उसकी ऊर्जा की जरूरतों को बढ़ाता है जबकि सैचुरेटेड फैट वाले तेल से निकला एसिड सीधे हमारे लिवर में जाकर इकट्ठा होता है, जिससे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ती है।

सरसों, नारियल और तिल का तेल बेहतर

भोजन पकाने के लए कौन-सा तेल बेहतर है इस सवाल के जवाब में यह कहा जा सकता है कि भोजन पकाने के लिए सरसों, नारियल और तिल का तेल बेहतर है। वैसे किसी भी प्रकार के तेल को रिफाइन करने के लिए 6 से 7 केमिकल्स का उपयोग किया जाता है। जब इसे डबल रिफाइन किया जाता है तो केमिकल की संख्या 12 से 14 हो जाती है। ये केमिकल बेहद हानिकारक होते हैं। सनफ्लावर, राइस ब्रान, ग्राउंडनट, सोयाबीन, कुछ ऑलिव ऑइल भी रिफांइड होते हैं। सरसों, नारियल, जैतून और तिल का तेल कोल्ड प्रेस तकनीक से निकाले जाते हैं।

तेल को कितनी आंच में पकाना चाहिए

180 डिग्री से अधिक आंच में पका तेल नुकसानदायक होता है। स्मोकिंग पॉइंट के आधार पर तेलों के दो वर्ग हैं। पहला है-हाई स्मोकिंग पॉइंट यानी जिन्हें 204 डिग्री सेल्सियस तक पका सकते हैं, इनमें एवोकाडो, कैनोला, कॉर्न व मूंगफली का तेल शामिल है। दूसरा है-लो स्मोक पॉइंट, इन्हें 107 डिग्री सेल्सियस तक गर्म कर सकते हैं। इनमें फ्लैक्स सीड्स, पंपिकन सीड्स, वॉलनट्स ऑयल शामिल हैं, लेकिन इनका उपयोग भोजन पकाने के लिए नहीं होता। निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि शरीर तेल से मिले फैट को ज्यादा नहीं पचा पाता, यह शरीर में जमता है, मोटापा और रोग बढ़ाता है।



दूध वाली चाय से ज्यादा शरीर के लिए लाभदायक है ग्रीन टी

भारत में हर किसी को सुबह उठते ही फटाफट चाय की याद आती है। बस एक कप चाय मिल जाए और सारी नींद गायब हो जाए। अब ऐसे में कुछ लोग दूध वाली चाय पीते हैं तो कुछ लोग ग्रीन टी। कोरोना महामारी के बाद से लोगों के बीच ग्रीन टी ज्यादा प्रचलित हो गई है। हालांकि, ग्रीन टी पीने से वजन तेजी से कम होता है। जो लोग फिटनेस के प्रति जागरूक हैं, वे सुबह-शाम ग्रीन टी पीना पसंद करते हैं। वैसे तो चाय कोई भी हो, उसे पीने से मूड एकदम फ्रेश हो जाता है। कुछ लोगों को चाय पीने से काफी ऊर्जा भी मिलती है। अब कुछ लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि क्या दोनों तरह की चाय एक साथ पी सकते हैं। आज हम अपने पाठकों को इसी के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। साथ ही हम बताएंगे कि इन दोनों चायों को एक साथ पीने से सेहत को क्या नुकसान होता है।

हाल ही में प्रकाशित हुए एक शोध के मुताबिक, अगर आप इन दोनों चायों को एक साथ पीते हैं तो इससे आपकी सेहत को कोई नुकसान नहीं होता है। यानि आप दूध वाली चाय के बाद ग्रीन टी पी सकते हैं। आप ये दोनों चाय आराम से पियें। लेकिन हर दिन ऐसा करने से आपका पाचन गड़बड़ भी हो सकता है, इसलिए ध्यान रखें कि इनका सेवन थोड़ी देरी से करें।

दो तरह की चाय एक साथ

आपको बता दें, इन दोनों चाय में पर्याप्त मात्रा में कैफीन होता है। साथ ही दोनों में कैफीन का स्तर भी अलग-अलग होता है। इस कारण दोनों चाय का शरीर पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा अगर आपको लैक्टोज सेवन की समस्या है तो आपको दूध वाली चाय पीने से बचना चाहिए। आप हर्बल टी यानि ग्रीन टी पसंद करते हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से देखा जाए तो ग्रीन टी ज्यादा फायदेमंद होती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जिन्हें पीने से मेटाबॉलिज्म अच्छा रहता है। इसलिए आपको दूध वाली चाय से ज्यादा ग्रीन टी का सेवन करना चाहिए।

कड़वे स्वाद के बावजूद स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है करेला

करेला खाने में कड़वा लगता है, इसका जूस पीने में जहरीला सा लगता है। लेकिन यह आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। विशेष रूप से करेला डायबिटीज का काल माना जाता है। करेला वैसे काफी लोगों को पसंद नहीं होता लेकिन काफी लोग ऐसे भी हैं, जो करेला खाना बहुत पसंद करते हैं। अगर आप करेले से होने वाले स्वास्थ्य के फायदों के बारे में जानेंगे तो आपको आश्चर्य होगा कि कड़वा होने के बावजूद ये करेला आपकी सेहत को किस तरह से फायदा पहुंचाता है। आज हम अपने पाठकों को करेल का जूस या करेला खाने से होने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं–

मुंह के छालों में करेला

कई बार मुंह के छालों के इलाज के लिए लोग उल्टे-सीधे उपाय करते हैं। नतीजन मुंह के छाले सही होने के बजाय बिगड़ जाते हैं। कई बार ये कैंसर का भी रूप ले लेता है। लेकिन आपको घबराने की जरूरत नहीं, बल्कि करेले का इस्तेमाल करें। करेले का रस निकालें उसमें मुलतानी मिट्टी मिलाकर इसका पेस्ट बनाएं और इसे छालों पर लगाएं। अगर मुलतानी मिट्टी नहीं है तो भी करेले के रस को छालों पर रूई से लगा सकते हैं। मुंह के छालों पर लगाकर लार बाहर निकालें। अगर करेले की पत्तियां मौजूद नहीं है तो करेले के छिलके का रस निकालकर आप छालों पर लगाएं। आराम मिलेगा।

मोटापा कम करे

डायबिटीज के साथ-साथ करेले का जूस मोटापा कम करने में हेल्प करता है। यह इंसुलिन को एक्टिव करता है जिससे बॉडी में बनने वाला शुगर फैट का रूप नहीं ले पाता है। इससे फैट कम करने और कंट्रोल करने में हेल्प मिलती है। इसके अलावा करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती हैं जिससे कैलोरी कंट्रोल में रहती है और वजन नहीं बढ़ता है। साथ ही इसे पीने से बॉडी अच्छे से डिटॉक्स होती है और इससे वेट कंट्रोल में रहता है। सिमरन सैनी का कहना है कि करेला का जूस पीने से लिवर पित्त एसिड को स्रावित करने के लिए उत्तेजित करता है जो बॉडी में फैट के चयापचय के लिए आवश्यक हैं।

हार्ट के लिए अच्छा

करेले का जूस ब्लड में बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करके हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे को काफी कम कर देता है। यह आयरन और फोलिक एसिड से भरपूर होने के कारण स्ट्रोक के खतरे को कम करने और हार्ट को हेल्दी रखने के लिए जाना जाता है। यह बॉडी के ब्लड प्रेशर को भी बनाए रखता है क्योंकि यह पोटेशियम से भरपूर होता है, जो बॉडी में एक्स्ट्रा सोडियम को अवशोषित करता है।

पथरी रोगियों के लिए अमृत

पथरी रोगियों को दो करेले का रस पीने और करेले की सब्जी खाने से आराम मिलता है। इससे पथरी गलकर धीरे-धीरे बाहर निकल जाती है। 20 ग्राम करेले के रस में शहद मिलाकर पीने से पथरी गल कर पेशाब के रास्ते निकल जाती है। इसके पत्तों के 50 मिलीलीटर रस में हींग मिलाकर पीने से पेशाब खुलकर आता है।





सूखे मेवों में अखरोट है ज्यादा फायदेवाला

खानपान में उन्हीं चीजों को शामिल करें जिनका सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। ड्राई फ्रूट अर्थात सूखे मेवे हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। इसलिए अक्सर डॉक्टर द्वारा इन्हें खाने की सलाह दी जाती है। आज हम बात करने जा रहे हैं अखरोट की जो एक सुपरफूड हैं और स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है।

अखरोट में प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, फॉस्फोरस, कॉपर, सेलेनियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे कई पोषक तत्व मौजूद रहते हैं। अपने दिन को अच्छे से शुरू करने के लिए आप रोजाना सुबह इसे अपनी डायट में शामिल कर सकते हैं। अगर आप अखरोट को रात भर के लिए भिगो कर अगले दिन खाते हैं तो भी आपको कई बेनिफिट मिलते हैं।

ब्लड शुगर रहेगा कंट्रोल

अगर आप रोजाना इस जादुई ड्राई फ्रूट का सेवन करते हैं तो आपका ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है।डाइटरी फाइबर्स में रिच होने के कारण अखरोट ब्लड शुगर लेवल को कण्ट्रोल करने के लिए जाना जाता है।बता दें कि फाइबर को टूटने और पचने में ज्यादा समय लगता है,इसलिए ये ब्लड स्ट्रीम में शुगर की स्पीड को इंश्योर करता है।

मिर्गी से बचाव

अखरोट खाने के फायदे मिर्गी की समस्या को दूर रखने के लिए भी हो सकते हैं। दरअसल, फ्री रेडिकल्स के अधिक उत्पादन से मिर्गी और न्यूरोलॉजिकल जैसे विकारों का जोखिम बढ़ जाता है। इस समस्या को कम करने के लिए एंटीकॉन्वल्सेंट दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। यह दवा मिर्गी के दौरे को कुछ कम कर सकती है।

नींद की परेशानी होगी दूर

गौरतलब है कि मोबाइल फोन के ज्यादा प्रयोग की आदत और दूसरे कारणों से आजकल बहुत से लोगों को नींद न आने की समस्या का सामना करना पड़ता है और आपको ये जानकर आश्चर्य हो सकता है कि ये ड्राई फ्रूट आपको बिस्तर पर पर्याप्त नींद देने में अच्छा है।नींद की परेशानी को दूर करने के लिए आपको अपने डेली की डाइट में अखरोट को शामिल करना चाहिए। बता दें कि इससे आपकी नींद की समस्या खत्म हो जाएगी।

बूस्ट होता है मेटाबॉलिज्म

अखरोट आयरन, पोटैशियम, जिंक और कैल्शियम से भरपूर होता है जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है और वजन कम करने में भी मदद करता है। इसी के साथ फाइबर की मात्रा शरीर को भरा रखती है जिससे आपको बार-बार स्नैकिंग से बचने में मदद मिल सकती है। ऐसे में आपना वजन भी कम होता है।

मस्तिष्क के लिए फायदेमंद

मानव मस्तिषक के आकार का यह फल वाकई आपके मस्तिष्क के लिए बेहद फायदेमंद है। मौजूद ओमेगा 3 मस्तिष्क की समस्याओं को दूर कर तनाव कम करने में भी सहायक है। नियमित रूप से अखरोट को अपनी डाइट में शामिल कर आप मस्तिष्क को स्वास्थ बनाए रख सकते हैं।

कैंसर का खतरा करे कम

अखरोट का सेवन करने से कैंसर से बचाव किया जा सकता है। इससे प्रोस्टेट कैंसर, कोलोरेक्टल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम कम हो सकता है। अखरोट में पाई जाने वाली पॉलिफेनॉल इलागिटैनिन्स पाया जाता है जो कैंसर से सुरक्षित रखने में आपकी मदद करता है।

दिल के लिए फायदेमंद

हृदय रोग के खतरे को बहुत हद तक कम करता है। साथ ही याददाश्त के लिए बहुत अच्छा होता है।गौरतलब है कि दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हृदय रोग के कारण होती है। इसीलिए हृदय को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी होता है। अध्ययन में पाया गया है कि अखरोट के सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है क्योंकि अखरोट का तेल एंडोथेलियल फ़ंक्शन के लिए अधिक अनुकूल होता है।

बीमारू राज्य से देश की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बना यूपी : योगी



नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि कभी बीमारू राज्यों में गिना जाने वाला उत्तर प्रदेश आज अंतिम पांच की सूची से बाहर निकलकर देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। यूपी एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यमुना सिटी के सेक्टर-8डी में सीएनएच इंडस्ट्रियल के नए ट्रैक्टर निर्माण संयंत्र की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी को लखनऊ से वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। कंपनी क्षेत्र में 1200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर 100 एकड़ में प्लांट लगाएगी। यहां ट्रैक्टर और इंजन बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के नाम में ही उत्तर है, लेकिन प्रदेश के सामने वर्ष 2017 से पहले पलायन, उपेक्षा, पिछड़ापन, पहचान और अराजकता के कई प्रश्न थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यूपी उपद्रव से उत्सव प्रदेश बन गया है। मुख्यमंत्री ने जेवर के किसानों और जनप्रतिनिधियों की सराहना करते हुए कहा कि जिस क्षेत्र में कभी गोलियां चलती थीं, जो अपराध दर में सबसे ज्यादा बदनाम था, आज वही जेवर भारत के 'गहने' के रूप में निवेश का सर्वश्रेष्ठ गंतव्य बन चुका है। उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, फियरलेस बिजनेस और ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस में अपनी पहचान बनाई है।

यूपी की अर्थव्यवस्था और निवेश की बढ़ती पहचान: मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तरप्रदेश में वर्ष 2017 के बाद से माफिया की जगह कानून का राज है। सरकार की अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति और बुलडोजर की कार्रवाई ने प्रदेश को निवेश का प्रमुख केंद्र बना दिया। नौ वर्षों में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। बुलडोजर अब यूपी का ब्रांड बन चुका है। कंपनियां यहां बुलडोजर और ट्रैक्टर बनाएंगी, तो देश-विदेश में इसकी मांग स्वतः बढ़ेगी।

निवेश प्रस्तावों और औद्योगिक विकास के आंकड़े: मुख्यमंत्री ने बताया कि डबल इंजन सरकार के प्रयासों से पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें 15 लाख करोड़ के निवेश धरातल पर उतर चुके हैं और आगामी इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 7.50 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग होने जा रही है। राज्य में फैक्टरी की संख्या 14 हजार से बढ़कर 35 हजार हो गई है। एमएसएमई इकाइयां एक करोड़ तक पहुंच चुकी हैं और स्टार्टअप की संख्या 120 से बढ़कर 25 हजार हो गई है।

डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन ने एक्वा लाइन मेट्रो विस्तार पर जताई खुशी



नोएडा। डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन ने नोएडा सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर-04 तक एक्वा लाइन मेट्रो रेल कॉरिडोर के विस्तार को कैबिनेट की मंजूरी मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए इस महत्वपूर्ण निर्णय का हार्दिक स्वागत किया है।

प्रस्तावित मेट्रो विस्तार की लंबाई 8.449 किलोमीटर होगी तथा इस मार्ग पर कुल 5 नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। यह परियोजना नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा के लाखों निवासियों के लिए सार्वजनिक परिवहन की सुविधा को और बेहतर बनाने की दिशा में एक अत्यधिक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। जिनकी डिमांड डीडी आरडब्ल्यूए फेडरेशन द्वारा लगातार करी जा रही थी।

डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन के अध्यक्ष एन.पी. सिंह ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि एक्वा लाइन मेट्रो का विस्तार लंबे समय से क्षेत्र के निवासियों की महत्वपूर्ण अपेक्षा रही है। इससे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच आवागमन अधिक सुविधाजनक होगा तथा विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और आम नागरिकों को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बेहतर मेट्रो कनेक्टिविटी से सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने और प्रदूषण नियंत्रण में भी सहायता मिलेगी।

फेडरेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा कि मेट्रो विस्तार की कैबिनेट से मंजूरी क्षेत्र के सुनियोजित शहरी विकास और जनसुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में स्वागत योग्य कदम है। इससे आवागमन के समय और खर्च में कमी आने के साथ-साथ आसपास के आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा। इसके विस्तार से सेक्टर 51 मेट्रो स्टेशन का दबाव कम हो सकेगा और यहां ट्रेफिक कंजेशन की समस्या का भी निवारण होगा साथ-साथ सेक्टर 51 मेट्रो स्टेशन पर वेंडर एंक्रोचमेंट और अनऑथराइज्ड टैक्सी स्टैंड की समस्या का भी समाधान होने की उम्मीद है।

उन्होंने सरकार एवं संबंधित प्राधिकरणों से आग्रह किया कि इस परियोजना की आगे की सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में प्रारंभ एवं पूर्ण कराया जाए, ताकि क्षेत्र के निवासियों को इसका लाभ जल्द से जल्द मिल सके। डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन आशा करती है कि नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में सार्वजनिक परिवहन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए भविष्य में भी इसी प्रकार जनहितकारी परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

चेयरमैन मोहिनी शर्मा ने किया छठ घाट का निरीक्षण, दिए जरूरी दिशा निर्देश



नोएडा। नगर पालिका परिषद खोड़ा मकनपुर की चेयरमैन श्रीमती मोहिनी शर्मा ने गुरुवार को छठ घाट का निरीक्षण किया एवं साफ सफाई और सुरक्षा संबंधित कई जरूरी दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर उनके साथ नगर पालिका के कर्मचारी एवं कई सभासद भी मौजूद रहे।

छठ पूजा को लेकर पुलिस अलर्ट, समीक्षा बैठक में सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण पर दिए गए सख्त निर्देश



नोएडा। आगामी छठ पूजा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए गौतमबुद्धनगर पुलिस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में बृहस्पतिवार को सेन्ट्रल नोएडा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक बुलाई गई। इस बैठक में पूजा स्थलों और घाटों पर सुरक्षा इंतजामों, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए गए।

सेन्ट्रल नोएडा में आयोजित इस समीक्षा बैठक की अध्यक्षता पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल नोएडा डॉ. प्रवीन रंजन सिंह और अपर पुलिस उपायुक्त स्वतंत्र कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से की। इस बैठक में सेन्ट्रल जोन के सभी सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) तथा सभी थाना प्रभारी व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे। बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आगामी छठ पूजा के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से प्रभावी बनाए रखने के लिए विभिन्न जरूरी पहलुओं पर विस्तार से मंथन किया।

बैठक में मौजूद सभी थाना प्रभारियों और संबंधित पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थित छठ पूजा स्थलों और घाटों का समय रहते पहले ही निरीक्षण कर लें। इसके साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे पूजा के आयोजकों और अन्य संबंधित विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें। आयोजकों और विभागों से तालमेल बनाकर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से पूरा कराने पर विशेष जोर दिया गया।

अधिकारियों ने निर्देश दिए कि छठ पूजा के दौरान सभी पूजा स्थलों और घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। पुलिस को क्षेत्रों में नियमित गश्त करने और प्रभावी निगरानी बनाए रखने के स्पष्ट आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही पर्व के दौरान सड़कों पर यातायात व्यवस्था को पूरी तरह सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए गए, ताकि आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने और घाटों पर जुटने वाली भीड़ को नियंत्रित करने पर भी अधिकारियों ने जोर दिया।

पुलिस अधिकारियों को किसी भी संभावित आकस्मिक परिस्थिति से निपटने के लिए पहले से ही अपनी तैयारी पूरी रखने को कहा गया है। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि क्षेत्र में असामाजिक तत्वों पर पैनी और कड़ी नजर रखी जाए। सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा गया है कि वे आपसी समन्वय और सतर्कता के साथ छठ पूजा पर्व को पूरी तरह से सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराएं।

फेलिक्स अस्पताल में पहली बार रोबोट से हुआ दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण



नोएडा। घुटनों में गंभीर दर्द और चलने-फिरने में परेशानी के कारण सात साल से परेशान 72 वर्षीय महिला को फेलिक्स अस्पताल में उपचार के बाद राहत मिली है। महिला के दोनों घुटने ऑस्टियोआर्थराइटिस से प्रभावित थे। इस कारण उन्हें रोजमर्रा के काम करने, चलने और घूमने-फिरने में काफी दिक्कत होती थी। जांच के बाद डॉ अंचित उप्पल - डायरेक्टर ऑर्थोपैडिक एंड चीफ जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन ने दोनों घुटनों के प्रत्यारोपण (बाइलेटरल नी रिप्लेसमेंट) की सलाह दी। इसके बाद फेलिक्स अस्पताल में पहली बार रोबोटिक तकनीक की मदद से उन्होंने महिला के दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण किया। सर्जरी के बाद वे अब दोबारा चलने-फिरने में सक्षम हो रही हैं।

डॉ अंचित उप्पल ने बताया कि महिला पिछले करीब सात वर्षों से दोनों घुटनों में दर्द और अकड़न की समस्या से जूझ रही थीं। समय के साथ उनकी परेशानी बढ़ती गई। उन्हें थोड़ी दूरी तक चलने, सीढ़ियां चढ़ने और सामान्य गतिविधियां करने में भी कठिनाई होने लगी थी। इससे उनकी दिनचर्या प्रभावित हो रही थी। परिजन उन्हें उपचार के लिए फेलिक्स अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉ अंचित उप्पल ने मरीज की विस्तृत जांच की। जांच में दोनों घुटनों में ऑस्टियोआर्थराइटिस की समस्या सामने आई। बीमारी की गंभीरता और मरीज की स्थिति को देखते हुए उन्होंने बाइलेटरल नी रिप्लेसमेंट का विकल्प सुझाया। इसके बाद अस्पताल में रोबोटिक तकनीक की सहायता से दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण किया गया। सर्जरी में रोबोटिक तकनीक का इस्तेमाल घुटने की बनावट और मरीज की शारीरिक संरचना के अनुरूप प्रत्यारोपण की योजना बनाने तथा सर्जरी के दौरान अधिक सटीकता हासिल करने में मदद करता है।

आधुनिक रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के दौरान मरीज को बिना बाहरी टांकों के उपचार प्रदान किया गया। इस सर्जरी में ब्लड लॉस (रक्तस्राव) बेहद कम रहा और खून रोकने वाली मशीन यानी टॉर्निकेट का भी इस्तेमाल नहीं किया गया।हालांकि हर मरीज में इसके परिणाम अलग-अलग होते हैं। सर्जरी के बाद महिला की स्थिति में सुधार होने पर उनके परिजनों ने फेलिक्स अस्पताल के चिकित्सकों और पूरी मेडिकल टीम का आभार जताया। परिजनों का कहना है कि लंबे समय से महिला को चलने-फिरने में परेशानी हो रही थी। अब उपचार के बाद उनकी स्थिति बेहतर हुई है और वह फिर से अपनी सामान्य गतिविधियों की ओर लौट रही हैं। डॉक्टरों ने फिलहाल सर्जरी के बाद मरीज को चिकित्सकीय निगरानी की सलाह दी गई है।

कारोबारियों ने जीएसटी जमा करने में अपने ही रिकार्ड को तोड़ा

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर ने अक्तूबर में रिकार्ड 1432 करोड़ रुपये से अधिक का जीएसटी राजस्व जमा करके प्रदेश में एक बार फिर पहला स्थान हासिल किया है। जिले के जीएसटी संग्रह में यह 43.15 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है जिसने इसे प्रदेश के सभी जोन में शीर्ष पर बनाए रखा है। 926.29 करोड़ रुपये राजस्व के साथ लखनऊ दूसरे नंबर पर है।

राज्य जीएसटी विभाग गौतमबुद्ध नगर से मिली जानकारी के मुताबिक जिले के कारोबारियों ने अक्तूबर महीने में 1432.47 करोड़ रुपये जीएसटी राशि जमा की है। पिछले वर्ष इसी माह में 1000.71 करोड़ रुपये जीएसटी जमा हुआ था।

उत्तर प्रदेश में अक्तूबर 2026 में 7670.34 करोड़ रुपये जीएसटी जमा हुआ है। वहीं, बीते साल इसी माह में 62.02.24 करोड़ रुपये जीएसटी कारोबारियों ने जमा किया था। ऐसे में प्रदेश में बीते साल अक्तूबर के मुकाबले इस वर्ष इस माह में 15.71 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के सभी जोन की तुलना में गौतमबुद्ध नगर जोन ने सबसे अधिक जीएसटी राजस्व जुटाकर पहला स्थान बरकरार रखा है। अक्तूबर से पहले सितंबर महीने में भी जिले का कर संग्रह प्रदर्शन काफी मजबूत रहा था।

राजस्व संग्रह में तेजी के कारण: विभाग के अनुसार गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक केंद्र है, जहां नई कंपनियों के पंजीकरण और औद्योगिक गतिविधियों में लगातार इजाफा हो रहा है। इसके अलावा ऑनलाइन कर प्रणाली और डाटा विश्लेषण की मदद से कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण लगा है, जिससे राजस्व संग्रह में तेजी आई है। अपर आयुक्त राज्यकर ग्रेड वन गौतमबुद्ध नगर जोन नोएडा परीक्षित खटाना ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर जीएसटी राजस्व में लगातार कीर्तिमान बना रहा है। कारोबारियों को विभाग की ओर से लगातार जीएसटी में पंजीकरण के फायदे और पारदर्शिता के साथ कारोबार करने के लिए जागरुक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का कोई भी जोन राजस्व के मामले में गौतमबुद्ध नगर के बराबर नहीं है।

नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक विस्तार: नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण, आईटी, सॉफ्टवेयर और लॉजिस्टिक्स सेक्टर की कंपनियों का सबसे बड़ा बूम आया है। यहां बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां काम कर रही हैं। जिला दुनिया और भारत के बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स हब के रूप में उभरा है। वर्तमान में भारत में बनने वाले मोबाइल फोन का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र में तैयार हो रहा है। सरकार द्वारा इस क्षेत्र को सेमीकंडक्टर और हाई-टेक निर्माण का केंद्र बनाने पर जोर दिया जा रहा है, जिसके चलते कई नई हाई-टेक परियोजनाएं आ रही हैं।

77.66 करोड़ का रेरा बकाया न चुकाने पर तीन बिल्डर निदेशक गिरफ्तार, 15 दिन की हिरासत में भेजा

नोएडा। रेरा का 77 करोड़ 66 लाख रुपये से अधिक का सरकारी बकाया जमा न करने के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी मेधा रूपम के सख्त आदेश पर दादरी तहसील प्रशासन और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने मिलकर बड़ी कार्रवाई की है। इस संयुक्त कार्रवाई के दौरान टीम ने तीन बिल्डर निदेशकों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए तीनों निदेशकों की पहचान राम, मोहम्मद अलीम और तस्लीम सिद्दीकी के रूप में हुई है। इन तीनों बिल्डर निदेशकों पर कुल मिलाकर 77.66 करोड़ रुपये यानी 77 करोड़ 66 लाख रुपये से ज्यादा का रेरा बकाया जमा न करने का मामला दर्ज है। बकाया न चुकाने पर दादरी तहसील प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा यह कदम उठाया गया है।

इन दो कंपनियों से जुड़ा है मामला: यह पूरा मामला अंसल हाईटेक टाउनशिप लिमिटेड और उत्तम स्टील्स एसोसिएट्स लिमिटेड नामक कंपनियों से जुड़े रेरा बकाये की वसूली का है। संबंधित निदेशकों द्वारा बार-बार बकाया धनराशि जमा नहीं कराई जा रही थी, जिसके बाद यह प्रशासनिक कार्रवाई अमल में लाई गई।

एसडीएम के समक्ष पेशी और 15 दिन की हिरासत: प्रशासनिक टीम द्वारा गिरफ्तारी की प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों आरोपियों को संबंधित एसडीएम के समक्ष पेश किया गया। एसडीएम के समक्ष हुई पेशी के दौरान भी बकाया धनराशि जमा नहीं की गई। आरोपियों द्वारा बकाया धनराशि जमा न करने और पर्याप्त प्रतिभूति उपलब्ध न कराने के चलते उन्हें अधिकतम 15 दिन तक हिरासत में रखने के आदेश जारी किए गए। एसडीएम के आदेश के बाद तीनों आरोपियों को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेज दिया गया।

बकायेदारों पर जिला प्रशासन का सख्त रुख: सरकारी बकाये की वसूली को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सख्त नजर आ रहा है। जिला प्रशासन की इस कार्रवाई को सरकारी बकाया वसूली में किसी भी तरह की ढिलाई या लापरवाही बरतने वाले बड़े बकायेदारों के खिलाफ एक कड़े रुख के तौर पर देखा जा रहा है।

दूध की बढ़ती कीमतों ने बिगड़ा लोगों का बजट



नोएडा। दूध समेत अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में उछाल से घरों का बजट बिगड़ गया है। बढ़ती महंगाई ने लोगों की परेशानी बढ़ानी शुरू कर दी है। इसके अलावा पैकिंग के सामान में कंपनियों ने कीमत पुरानी ही रखी है, लेकिन सामान की मात्रा में कटौती कर दी है। इससे लोगों को खाद्य पदार्थों की मात्रा कम मिल रही है और लोगों को कीमत पूरी चुकानी पड़ रही है।

देश की दो नामी कंपनियों ने दूध के दामों में दो रुपये से लेकर चार रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि की है। इससे अन्य कंपनियों के भी कीमतें बढ़ाने की संभावना बढ़ गई है। फुटकर में दूध बेचने वाले विक्रेताओं द्वारा कीमतों का बढ़ने का डर लोगों को सता रहा है। उपभोक्ता राहुल बाजपेयी ने बताया कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल आने से रसोई का बजट बढ़ गया है। पहले ही खाद्य पदार्थों में इतना उछाल आ चुका है, अब दूध की कीमतों ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। भंगेल-सलारपुर बाजार के थोक में राशन विक्रेता अरुण गोयल ने बताया कि ब्रांडेड और नॉन ब्रांडेड आटे के दामों में उछाल आया है। पिछले दो से तीन हफ्तों में ही आटे और तेल के दामों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। अभी आटे के दामों में एक रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हो गई है। यानि पांच किलोग्राम का 180 रुपये में मिलने वाले आटा अब 185 रुपये में मिल रहा है।

राशन विक्रेता डीडी वर्मा ने बताया कि रिफाइंड में दस रुपये प्रति लीटर कीमत बढ़ी है। एक लीटर रिफाइंड 165 रुपये में मिलता था। पिछले दो सप्ताह से 175 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

त्योहारों के दौरान रिफाइंड की मांग बढ़ने और मांग के अनुसार आपूर्ति नहीं होने की वजह से एकाएक प्रति लीटर दस रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सेक्टर-82 में दूध की डेयरी के संचालक आरके सिंह ने बताया कि दूध के दामों भी पूर्व में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। लगातार दूध की कीमतें बढ़ने का असर लोगों की जेब पर पड़ रहा है। सेक्टर-105 निवासी सिद्धार्थ ने बताया कि लगातार बढ़ रही महंगाई की वजह से पर्वों का स्वाद भी फीका हो जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

नहाय-खाय के साथ आज शुरू होगा छठ महापर्व



नोएडा। लोक आस्था और सूर्योपासना का चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। शहर के अलग-अलग सेक्टरों में बने छठ घाटों पर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई है। कहीं घाट सजाए जा रहे हैं तो कहीं महिला श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए प्रमुख घाटों पर चेंजिंग रूम बनाए जा रहे हैं। महिला और पुरुष सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। सेक्टर-62 रामलीला मैदान, सेक्टर-21 स्टेडियम, सेक्टर-75 सेंट्रल पार्क और सेक्टर-91 के पार्क समेत कई स्थानों पर श्रद्धालु छठ पूजा करेंगे। वहीं गुरुवार को बाजारों में भी पूजा सामग्री और फलों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ रही।

सेक्टर-21 स्थित नोएडा स्टेडियम के मैदान में प्रवासी महासंघ द्वारा छठ पर्व के लिए करीब 120 फीट लंबा और 60 फीट चौड़ा घाट बनाया जा रहा है। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिथिलेश रॉय ने बताया कि महिला श्रद्धालुओं के लिए 10 से 12 चेंजिंग रूम बनाए जा रहे है। इसके अलावा सुरक्षा के लिए महिला सुरक्षाकर्मी और पुरुष सुरक्षाकर्मी भी मौजूद रहेंगे। घाट के आसपास लगभग 20 कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों के लिए अलग से कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा है, जिससे पूरे आयोजन स्थल पर निगरानी रखी जा सकेगी।

सेक्टर-62 रामलीला मैदान में आदर्श छठ पूजा समिति द्वारा करीब 200 फीट लंबा और 30 फीट चौड़ा घाट बनाया जा रहा है। महिलाओं के लिए चार चेंजिंग रूम तैयार किए जा रहे है। घाट पर महिला और पुरुष सुरक्षाकर्मी की तैनाती रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए समिति द्वारा अन्य जरूरी व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। सेक्टर-91 स्थित मेडिसिनल पार्क में भी छठ पूजा की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। छठ पूजा कल्चरल एक्सप्रेसवे समिति की सदस्य नम्रता नारायण ने बताया कि मैदान में करीब घाट पर आसपास के करीब 12 से 15 सोसाइटियों के लोग यहां पूजा करने आते हैं। जिनके लिए कई तरह की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। वहीं, सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क में श्री सूर्यदेव पूजा समिति द्वारा करीब 60 फीट लंबा और 30 फीट चौड़ा घाट तैयार किया जा रहा है। यहां भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं हो रही हैं। इसके अलावा सेक्टर-71, सेक्टर-66 और अन्य स्थानों पर भी छठ पूजा के लिए घाट बनाए जा रहे हैं।

पूजा सामग्री और बाजार की रौनक: छठ महापर्व को लेकर शहर के बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। गुरुवार को लोगों ने सूप, दउरा, बांस की टोकरी, नारियल, फल-फूल, मिठाई और पूजा से जुड़ी अन्य सामग्री की खरीदारी की। बाजारों में गन्ने की मांग भी बढ़ गई है। सामान्य दिनों में 30 से 50 रुपये तक मिलने वाला गन्ना अब करीब 80 रुपये प्रति पीस बिक रहा है। दुकानदारों के अनुसार पूजा की एक टोकरी तैयार करने में गन्ने समेत औसतन 400 से 500 रुपये तक खर्च हो रहे हैं। इसमें अगरबत्ती, केला, सेब, संतरा, नारियल अन्य मौसमी फल, फूल और मिठाई शामिल हैं। पर्व नजदीक आने के साथ बाजारों में खरीदारी की भीड़ बढ़ रही है।

चार दिवसीय पर्व का कार्यक्रम: छठ महापर्व की शुरुआत शुक्रवार को नहाय-खाय से होगी। इन दिन व्रती स्नान के बाद घरों की साफ-सफाई कर शुद्ध सात्विक भोजन ग्रहण करेंगे। शनिवार को खरना होगा, जिसमें व्रती दिनभर उपवास रखकर शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद करीब 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होगा। रविवार शाम को व्रती घाटों पर पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसके बाद सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय पर्व का समापन होगा। इसके साथ व्रती पारण करेंगे और प्रसाद वितरित किया जाएगा।

नहाय-खाय के साथ शुरू होगा चार दिवसीय छठ महापर्व, छठव्रतियों के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग

नोएडा। अखिल भारत हिन्दू महासभा एवं अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि सूर्योपासना एवं लोक आस्था का महान छठ महापर्व आज नहाय-खाय के साथ प्रारंभ होगा।चार दिवसीय यह पवित्र महापर्व 16 नवंबर,सोमवार को प्रातःकालीन अर्घ्य एवं व्रत के पारण के साथ संपन्न होगा।

डॉ मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि छठ महापर्व भारत की प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का महत्वपूर्ण पर्व है।यह पर्व भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया की आराधना के लिए समर्पित है।इसमें छठव्रती अपने परिवार की सुख-समृद्धि,संतान की दीर्घायु,उत्तम स्वास्थ्य,आरोग्य एवं लोककल्याण की कामना करते हुए अत्यंत श्रद्धा,निष्ठा,पवित्रता एवं अनुशासन के साथ कठिन व्रत रखते हैं।उन्होंने बताया कि छठ पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं,बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का भी अनुपम पर्व है।इसमें भगवान सूर्यदेव,जल,पृथ्वी,वायु तथा प्रकृति द्वारा प्रदान किए गए फल,फूल एवं कृषि उत्पादों की पूजा की जाती है।यह पर्व हमें स्वच्छता,पर्यावरण संरक्षण,जल संरक्षण,सामाजिक सद्भाव,पारिवारिक एकता एवं सामूहिक सहयोग का संदेश देता है।

उन्होंने बताया कि छठ महापर्व के प्रथम दिन नहाय-खाय के साथ व्रत का शुभारंभ होगा।इस दिन छठव्रती प्रातःकाल स्नान करके घर एवं पूजा स्थल की साफ-सफाई करेंगे।इसके बाद शुद्ध एवं सात्विक भोजन ग्रहण कर छठी मैया एवं भगवान सूर्यदेव की आराधना का संकल्प लेंगे।इस दिन विशेष रूप से कद्दू-भात,चने की दाल आदि का प्रसाद तैयार किया जाता है।भोजन बनाने में शुद्धता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है।14 नवंबर,शनिवार को दूसरे दिन छठव्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखेंगे।शाम को स्नान एवं पूजा-अर्चना के उपरांत गुड़ एवं चावल से बनी खीर,रोटी आदि का प्रसाद ग्रहण करेंगे।इस धार्मिक अनुष्ठान को खरना अथवा लोहंडा कहा जाता है।खरना के प्रसाद को परिवार के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाता है। इसके उपरांत छठव्रतियों का लगभग 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत प्रारंभ हो जाएगा,जो अगले दिन उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य देने के बाद पूर्ण होगा।

15 नवंबर,रविवार को तीसरे दिन छठव्रती एवं उनके परिजन पूजा के लिए विशेष प्रसाद तैयार करेंगे।इसमें गेहूं के आटे से बने ठेकुआ,चावल के लड्डू,फल,नारियल,गन्ना,केला,नींबू,अदरक,डाभ,सूथनी,संतरा,सेब,केला,अमरूद,सिंघाड़ा,मूली एवं अन्य मौसमी फल-सब्जियां शामिल होंगी। इन सभी पूजन सामग्रियों को बांस की टोकरी एवं सूप में सजाया जाएगा।शाम को छठव्रती अपने परिजनों एवं श्रद्धालुओं के साथ छठ घाटों पर पहुंचेंगे।वहां जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को जल एवं दूध से अर्घ्य अर्पित करेंगे तथा छठी मैया की आराधना करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि,संतान की दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की कामना करेंगे।

16 नवंबर,सोमवार को चौथे एवं अंतिम दिन प्रातःकाल सभी छठव्रती पुनः छठ घाटों पर पहुंचकर उदीयमान भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करेंगे।पूजा-अर्चना एवं छठी मैया की वंदना के उपरांत लगभग 36 घंटे के निर्जला व्रत का समापन होगा।इसके बाद छठव्रती पारण करेंगे तथा परिवारजनों,पड़ोसियों एवं श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।

ग्रैप-3 के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, डीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की बढ़ती स्थिति को देखते हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप-3) लागू होने के बाद गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन ने इसके अनुपालन को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर की अध्यक्षता में ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ), गौतमबुद्ध नगर के साथ ही उप जिलाधिकारी सदर, दादरी और जेवर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि ग्रैप-3 के तहत निर्धारित प्रतिबंधों और दिशा-निर्देशों का प्रभावी तरीके से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। विशेष रूप से निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद कहीं भी नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।डीएम ने अधिकारियों को नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण और निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें और अपने-अपने क्षेत्रों में ग्रैप-3 के प्रावधानों का सख्ती से पालन कराएं।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रदूषण नियंत्रण के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करते हुए वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाएं।

सेक्टर-34 में छठ पूजा के भव्य और स्वच्छ आयोजन को लेकर पूजा समिति ने की बैठक

नोएडा। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों के मद्देनज़र गुरुवार को सेक्टर-34 स्थित श्री सनातन शिव मंदिर परिसर में निवासियों और छठ पूजा समिति के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से छठ घाट की साफ़-सफाई, स्वच्छ जल की व्यवस्था, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि सेक्टर-34 के सभी श्रद्धालुओं को एक स्वच्छ, सुरक्षित और भक्तिमय वातावरण मिले। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण और पुलिस प्रशासन के साथ भी निरंतर समन्वय किया जा रहा है।

बैठक में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा राजेश पांडेय विजय



गिरी अजय रस्तोगी संतराज सिंह सुभाष झा सत्येंद्र प्रसाद राहुल कुमार सिंह उज्वल कुमार अजय श्रीवास्तव कृपाशंकर मनोज कुमार राजेश वर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 5757 वाहनों के ई-चालान

नोएडा। यातायात पुलिस ने गुरुवार को नियमों का उल्लंघन कर वाहन दौड़ाने वाले वाहनों के खिलाफ जांच अभियान चलाया। इस दौरान 5757 वाहनों के ई-चालान किए गए और 11 गाड़ियां जब्त की गईं। हेलमेट न लगाने पर 2318 चालान किए गए। नो पार्किंग के कारण 402, विपरीत दिशा में गाड़ी चलाने के कारण 488, बिना बीमा 311, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने के कारण 21, एनजीटी के नियमों के उल्लंघन की वजह से 229 और तेज गति में गाड़ी दौड़ाने की वजह से 328 वाहनों के चालान किए गए।

नमो भारत ट्रेन को शीघ्र मंजूरी देने की मांग

नोएडा। दादरी आर्य प्रतिनिधि सभा ने दिल्ली और खुर्जा के बीच प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन को शीघ्र मंजूरी देने की मांग की है। आर्य प्रतिनिधि सभा के जिला उपाध्यक्ष डॉ आनंद आर्य ने बताया कि केंद्र सरकार ने मेट्रो का विस्तार ग्रेनो वेस्ट तक करने को मंजूरी दी है, जिससे यहां की जनता को आवागमन में भरपूर लाभ मिलेगा। ठीक इसी की तर्ज पर दिल्ली और खुर्जा के बीच प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन को भी जनहित में शीघ्र मंजूरी प्रदान की जाएं। गौरतलब है कि दिल्ली और मेरठ के बीच चलने वाली नमो भारत ट्रेन संचालन के समय कुछ अन्य रूटों पर भी नमो भारत ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने की घोषणा की गई थी, जिसमें दिल्ली व खुर्जा रूट भी प्रस्तावित है। नमो भारत ट्रेन के संचालन से दैनिक यात्रियों के अलावा यहां की लाखों की आबादी को आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

परियोजना विभाग के अधिकारियों ने सर्विस मार्ग का किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के परियोजना विभाग वर्क सर्किल-5 के अधिकारियों ने गुरुवार को आवासीय सेक्टर बीटा- 1 का निरीक्षण किया। सर्विस मार्ग, आंतरिक सड़कों सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेकर व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान लोगों ने सेक्टर की समस्याओं से अवगत कराया। वर्क सर्किल- 5 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि सेक्टर बीटा 1 और 2 सहित अन्य सेक्टरों में टूटे पड़े सर्विस मार्ग की मरम्मत का काम जल्द शुरू कराया जाएगा।

मुख्य सड़क को चौड़ी करने के काम में शामिल है। ग्रैप की पाबंदियां खत्म होने के बाद निर्माण कार्य तेज किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान सेक्टर के बाहर की कुछ समस्याओं को लेकर लोगों द्वारा शिकायत की गई। इस पर तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सेक्टर में परियोजना विभाग से जुड़ी सभी समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा।

10 फीसदी भूखंड के मुद्दे पर आज लखनऊ में होगी वार्ता

नोएडा। जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को 10 फीसदी भूखंड दिए जाने के मुद्दे पर आज यानी शुक्रवार को किसान संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल लखनऊ में औद्योगिक विकास के अपर मुख्य सचिव और औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक कुमार सिंह से वार्ता करेगा। किसान नेता डॉ. रूपेश वर्मा ने बताया कि वार्ता शाम 5:30 बजे होगी। इसमें 10 फीसदी विकसित भूखंड का मुद्दा सबसे प्रमुख रहेगा। यह वार्ता बीते 28 अक्तूबर को प्राधिकरण अधिकारियों के साथ हुई बातचीत में तय हुई थी। किसान नेता इस दौरान 10 फीसदी भूखंड के साथ-साथ एसआईटी , नए भूमि अधिग्रहण कानून का लाभ, आबादी के लंबित प्रकरण जैसे मुद्दे उठाएंगे। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण प्रधान ने बताया कि किसानों ने जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्तूबर में लगातार आंदोलन किया। कई बार गिरफ्तारी और जेल भी जाना पड़ा, तब जाकर लखनऊ स्तर पर वार्ता का रास्ता खुला। भारतीय किसान परिषद के सुखबीर खलीफा ने कहा कि 10 फीसदी भूखंड मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। वहीं, किसान सभा के जिलाध्यक्ष डॉ. रूपेश वर्मा ने जनप्रतिनिधियों पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने किसानों का मुद्दा मजबूती से नहीं उठाया, इसलिए किसानों को बार-बार आंदोलन करना पड़ रहा है। मोर्चा ने कहा कि केवल आश्वासन नहीं, ठोस समाधान चाहिए, नहीं तो आंदोलन जारी रहेगा।

विदेशी मूल की पुत्रवधू पर छवि धूमिल करने का आरोप, मुकदमा

नोएडा। सेक्टर-78 निवासी बुजुर्ग महिला ने स्वर्गीय बेटे की उज्बेकिस्तान मूल की बहू पर छवि धूमिल करने, घर में जबरन घुसने का प्रयास और परेशान करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने उसके खिलाफ कोर्ट के आदेश पर सेक्टर-113 थाने में केस दर्ज कराया है। अंतरिक्ष गोल्फ व्यू सोसाइटी निवासी अर्चना टंडन न्यायालय में प्रार्थनापत्र दिया कि उनके पुत्र रिषभ टंडन ने एक जून 2023 को उज्बेकिस्तान मूल की रहने वाली उलेसिया नीडोबेगोवा से विवाह किया था। रिषभ पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट था। वह मुंबई के अंधेरी वेस्ट में रहता था। उनकी बहू खुद को उज्बेकिस्तान में राजनेता के रूप में प्रस्तुत करती है।

रिषभ की 22 अक्तूबर 2025 को कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई थी। आरोप है कि पुत्र की मौत के बाद उनकी पुत्रवधू उलेसिया अब उन्हें परेशान कर रही है। उनकी फिशिंग मेल आईडी बनाकर झूठे ई-मेल कर रही है। सोशल मीडिया पर एआई से फोटो बनाकर बदनाम करने का प्रयास कर रही है। इसका विरोध करने पर धमकी दे रही है, जबकि उलेसिया का वीजा 10 दिसंबर 2025 तक समाप्त हो चुका है।

गणेश जाटव को मिली बुलंदशहर सदर विधानसभा प्रभारी की जिम्मेदारी, समर्थकों में खुशी की लहर

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के संगठन में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभा रहे नोएडा महानगर भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ के निदेशक श्री गणेश जाटव को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा बुलंदशहर सदर विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति की खबर मिलते ही समर्थकों, शुभचिंतकों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। जगह-जगह से उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देने का सिलसिला शुरू हो गया है।गणेश जाटव लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में सक्रिय हैं। संगठन के विभिन्न दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए उन्होंने पार्टी संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नोएडा महानगर भाजपा में जिला महामंत्री के पद पर रहते हुए उन्होंने संगठनात्मक



गतिविधियों, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय, बूथ प्रबंधन एवं पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

गणेश जाटव को संगठनात्मक कार्यों का लंबा अनुभव है। कार्यकर्ताओं के बीच उनकी सक्रियता, सहज उपलब्धता, संवाद स्थापित करने की क्षमता तथा संगठन के प्रति समर्पण उनकी प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं। यही वजह है कि पार्टी नेतृत्व ने उनके अनुभव, कार्यक्षमता एवं संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए उन्हें बुलंदशहर सदर जैसी महत्वपूर्ण विधानसभा की जिम्मेदारी सौंपी है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी समय में बुलंदशहर विधानसभा क्षेत्र में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा पार्टी की योजनाओं एवं उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने में गणेश जाटव की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

इस नियुक्ति को उनके लंबे संगठनात्मक अनुभव और पार्टी के प्रति समर्पण का सम्मान माना जा रहा है। समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं का विश्वास है कि गणेश जाटव अपने अनुभव, कार्यशैली और कुशल संगठनात्मक नेतृत्व के बल पर पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे और बुलंदशहर विधानसभा में संगठन को नई मजबूती प्रदान करेंगे।

गणेश जाटव से बातचीत करने पर उन्होंने कहा कि, 'मैं इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता हूं। पार्टी नेतृत्व ने मुझ पर जो विश्वास जताते हुए बुलंदशहर सदर विधानसभा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने के लिए मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से कार्य करूंगा। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बूथ स्तर तक पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास करूंगा। मेरा संकल्प है कि पार्टी की नीतियों, विचारधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हुए आगामी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक विजय दिलाने में अपना पूर्ण योगदान दूंगा।

जेवर में 100 एकड़ में बनेगी ट्रैक्टर फैक्ट्री

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से यमुना सिटी के सेक्टर-8 में बनने वाली सीएनएच कंपनी की आधारशिला रखी। इस दौरान यूपी के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी मौके पर मौजूद रहे। जिला प्रशासन प्राधिकरण से जुड़े अधिकारी और जनप्रतिनिधि और भाजपा के संगठन से जुड़े हुए लोग इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जेवर के दयोरार गांव में सेक्टर 8 डी विकसित किया जा रहा है,वही इस कम्पनी के द्वारा निवेश किया जा रहा है।यमुना प्राधिकरण ने सीएनएच कंपनी को सेक्टर-8 में 100 एकड़ जमीन आवंटित की है। यहां कंपनी ट्रैक्टर और अन्य कृषि मशीनरी का निर्माण करेगी।यह कंपनी यहां 1220 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके निवेश से यहां पर हजारों लोगों को रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल रूप से ष्टह्व॥ इंडस्ट्री की आधारशिला रखी, इस दौरान उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन चुका है, यहां विदेश से लगातार निवेश हो रहा है, उन्होंने कन प्रबंधन से कहा कि आप लोग बुलडोजर भी बनाएंगे जिसकी देश विदेश में बहुत डिमांड रहेगी क्योंकि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक ब्रांड बन चुका है।उन्होंने कहा कि बेहतर लाइन ऑर्डर के चलते उत्तर प्रदेश में लगातार निवेश बढ़ रहा है और आज देश-विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियां लाइन लगाकर उत्तर प्रदेश में निवेश कर रही हैं।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लायन आर्डर स्थापित होने के पीछे केवल पुलिस भर्ती नहीं उनके मॉडर्नाइजेशन के साथ साथ अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का एक प्रमुख योगदान रहा है और उसमें भी अपने यूपी के बुलडोजर की चर्चा जरूर सुनी होगी, आप लोग जहां पर ट्रैक्टर और बुलडोजर बनाएंगे और बुलडोजर की डिमांड खुद पर खुद देश-विदेश में बहुत ज्यादा होगी क्योंकि बुलडोजर उत्तर प्रदेश में ब्रांड बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जेवर के विधायक सांसद और जनप्रतिनिधियों और साथ ही किसानों का सबसे ज्यादा आभार व्यक्त किया और कहा कि इन्हीं लोगों की वजह से जेवर एक ऐसा डेस्टिनेशन बना है जहां पूरी दुनिया निवेश करना चाहती है।

मुकेश शर्मा ने की पहल नोएडा में पहली बार होगा श्रीराम कथा 'अपने-अपने राम' का भव्य आयोजन

नोएडा। समाजसेवी, शिक्षाविद् एवं उद्यमी मुकेश शर्मा के सौजन्य से नोएडा में पहली बार विश्वविख्यात कवि एवं प्रख्यात रामकथा मर्मज्ञ डॉ. कुमार विश्वास द्वारा तीन दिवसीय 'अपने-अपने राम' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 13 से 15 नवंबर तक वर्ल्ड्स ऑफ वंडर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रतिदिन शाम 4 से 7:30 बजे तक डॉ. कुमार विश्वास अपनी विशिष्ट काव्यात्मक शैली में भगवान श्रीराम के जीवन दर्शन, आदर्शों और प्रसंगों की प्रस्तुति देंगे।

कार्यक्रम के पहले दिन श्रीराम जन्मोत्सव, दूसरे दिन सीताराम विवाह तथा तीसरे दिन श्रीराम राजतिलक के प्रसंग प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, मर्यादा, संस्कार और भगवान श्रीराम के आदर्शों से जोड़ना है। कार्यक्रम में



प्रवेश निःशुल्क रहेगा, हालांकि इसके लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है।

शिक्षा, रोजगार और समाजसेवा के क्षेत्र में मुकेश शर्मा की विशेष पहचान उल्लेखनीय है कि मुकेश शर्मा ने नोएडा को अपनी कर्मभूमि बनाकर उद्यमिता, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। एक उद्यमी के रूप में उन्होंने हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में ब्लेंडेड लर्निंग के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, खेल, नेतृत्व क्षमता, उद्यमशीलता और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। उनका प्रयास शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम बनाना है।

इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से भी वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनका मानना है कि समाज से प्राप्त सहयोग और अवसरों का उपयोग समाज के उत्थान के लिए किया जाना चाहिए।

मुकेश शर्मा ने कहा कि नोएडा ने उन्हें आगे बढ़ने और समाज के लिए कार्य करने के अनेक अवसर दिए हैं। 'अपने-अपने राम' का आयोजन इसी शहर के प्रति उनके आभार और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन परिवारों और युवाओं को भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में जुटे स्वयंसेवकों और हनुमंत परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी साथियों के सेवाभाव, समर्पण और सामूहिक प्रयासों से ही इतने बड़े आयोजन को साकार किया जा रहा है।

घर से लाखों की नगदी-जेवरात ले गया चोर

नोएडा। सेक्टर-123 स्थित एक कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति के घर से उसके और उसके साथी के गुल्लक, जेवरात व नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने घरेलू सहायक पर चोरी करने का संदेह जताया है। उसके खिलाफ सेक्टर-113 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। पीड़ित वीरेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-123 स्थित राधा कुंज कॉलोनी में अपने साथी विवेक संग रहते हैं। वीरेंद्र डिजिटल मार्केटिंग का काम करते हैं। उनके घर पर राम गौर और अजय नाम के दो घरेलू सहायक काम करते हैं। आरोप है कि 18 अक्तूबर को मौका पाकर राम गौर ने कमरे में रखी अलमारी खोली।

उसमें रखे सोने की चेन, 88 हजार रुपये, 35 हजार रुपये और 22 हजार रुपये से भरी दो गुल्लक चोरी कर ली। चोरी कर जाते समय अजय ने राम गौर को देखा था। वह 21 नवंबर को वापस लौटे तो चोरी का पता चला।

संक्षिप्त समाचार

नमो भारत ने रचा इतिहास

5 करोड़ के पार पहुंची यात्रियों की संख्या; 93 दिन में जुड़ा एक करोड़



नई दिल्ली, एजेंसी। नमो ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या पांच करोड़ पहुंच गई है। 21 अक्टूबर, 2023 को साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर लंबे प्राथमिक खंड के उद्घाटन के साथ इस कारिडोर पर परिचालन की शुरुआत हुई थी। इसके बाद 16 मई 2025 को, यानी परिचालन आरंभ होने के 574 दिनों में एक करोड़ लोगों ने यात्रा की। उसके 211 दिनों बाद यात्रियों की संख्या दो करोड़, 143 दिनों में तीन करोड़ और 101 दिनों में चार करोड़ हो गई। उसके बाद 10 नवंबर को यात्रियों की संख्या बढ़कर हो गई पांच करोड़ हो गई। यानी मात्र 93 दिनों में एक करोड़ लोगों ने यात्रा की। अधिकारियों का कहना है कि संपूर्ण कारिडोर के परिचालित होने के कुछ ही महीनों में हासिल हुई यह उपलब्धि देश के प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) पर यात्रियों के लगातार बढ़ते विश्वास और इसकी तेज, आरामदायक एवं विश्वसनीय क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। नमो भारत ने दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के बीच आवागमन को काफी सुगम बना दिया है। तेज कनेक्टिविटी, वातानुकूलित कोच, विश्वसनीय सेवा और मेट्रो, रेल व बस के साथ सुविधाजनक इंटरचेंज की वजह से नौकरी, शिक्षा, कारोबार और अन्य काम के लिए लोग इससे यात्रा को प्राथमिकता दे रहे हैं।

वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में मिले शव के टुकड़े...



क्षत-विक्षत मिला बच्चे का शव

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बापरोला इलाके में चार साल का मासूम बच्चा सीवर में गिर गया था, जिसे बचाने के लिए 24 घंटे तक राहत एवं बचाव कार्य जारी रहा। लेकिन, अंत में उस सीवर से बच्चे का शव बरामद हुआ, जिसे देखकर राहत एवं बचाव कार्य में जुटे सभी लोग मायूस हो गए। जल उपचार सयंत्र में बच्चे का शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अब बच्चे की पहचान करने के लिए डीएनए प्रोफाइलिंग कराई जाएगी। वहीं, पुलिस ने आशंका जताई है कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में गंदे पानी को छानने और साफ करने वाली बड़ी घूमने वाली मशीनों की वजह से शव के टुकड़े हो गए। बता दें कि मंगलवार दोपहर को बच्चा नांगली विहार एक्सटेंशन में खेरी बाबा पुल के पास एक मैनहोल में गिर गया था। इस घटना के बाद मंगलवार को परिवार के लोग चिंतित थे और अन्य लोग मासूम बच्चे के माता पिता को दिलासा दे रहे थे कि घबराओ मत, सब ठीक हो जाएगा। लेकिन, अफसोस की बात है कि चौबीस घंटे चले राहत एवं बचाव कार्य अभियान के बाद मासूम बच्चे के मिले शव ने सभी को दुखी कर दिया। सभी को पूरी उम्मीद थी कि राहत एवं बचाव अभियान के बाद सभी को उम्मीद थी कि बच्चा जिंदा मिलेगा।

इसके बाद दिल्ली पुलिस, फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों, स्थानीय गोताखोरों और नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की मदद से बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस के मुताबिक, बचाव दल ने सीवर और नाले के रास्ते का पीछा किया और आखिरकार निहाल विहार के निलोथी स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंच गए, जहां बच्चे का शव कई टुकड़ों में मिला। शव को पोस्टमार्मट के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं, पुलिस ने बताया कि इस पूरे मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच जारी है। इसके अलावा, अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 106(1) (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत शिकायत दर्ज की गई है।

सोनिया की पसंदीदा भारतीय डिश का हुआ खुलासा

बंगाली और गुजराती खाने की हैं दीवानी



नई दिल्ली, एजेंसी। इन दिनों सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' की चर्चा काफी हो रही है। इस बीच सोनिया गांधी ने एक्स पर अपने निजी जीवन की कुछ बातें शेयर कीं।

उन्होंने अपनी किताब के रिलीज के एक दिन बाद भोजन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इटली से भारत आने के बाद खाने की आदत बदलना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, लेकिन समय के साथ वे भारतीय व्यंजनों की दीवानी हो गईं और खुद भी पकाना सीख गईं। सोनिया गांधी ने कहा कि उन्हें बंगाली और गुजराती (खासकर सूरत की) भोजन बहुत पसंद है। उनके घर की किचन का मुख्य हिस्सा अरहर की दाल है। बेटी प्रियंका गांधी के साथ एक वीडियो में उन्होंने बताया कि मुझे भारतीय खाना पसंद करने में समय लगा। अपने पसंदीदा व्यंजनों की बात करते हुए उन्होंने कबाब, चिकन टिक्का, तंदूरी चिकन, दाल मखनी, कश्मीरी कोफ्ता और हाख का जिक्र किया। प्रियंका ने याद दिलाया कि मां दाल-चावल की बात भूल गईं। इस पर सोनिया ने कहा कि जिस दिन मैं इस घर में आई थी उस दिन से लेकर आज तक हमारे घर में सिर्फ अरहर की दाल ही बनती है। कोई दूसरी दाल नहीं।

अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि खाना हमेशा मेरी कहानी का खास हिस्सा रहा है। अच्छी भोजन की तलाश में ही मेरी मुलाकात राजीव से हुई और प्यार हो गया। सालों बाद भारत भी मेरे पास उसी तरह आया, एक-एक भोजन के साथ। पहले विविधता ने मुझे हैरान किया और मसालों ने डराया। अब दाल-चावल घर का स्वाद है और मैं एक दिन भी इसके बिना नहीं रह सकती। प्रियंका ने याद दिलाया कि मां बचपन में उनके लिए खांडवी बनाती थीं, जिसे सोनिया ने आसान बताया। बात इंदिरा गांधी तक पहुंची। प्रियंका ने कहा कि दादी खाना नहीं बना सकती थीं, लेकिन सोनिया ने बताया कि वे स्वाद बढ़ाने के लिए सही चीजें चुनने में माहिर थीं।

संस्मरण में सोनिया ने लिखा है कि 1969 में इंदिरा गांधी के साथ गुजरात यात्रा पर उन्होंने कुछ भी नहीं चखा और सिर्फ तरबूज व फलों पर चार दिन गुजारे। बाद में गुजराती खाने का स्वाद जानकर उन्हें अपनी उस गलती पर पछतावा हुआ। दिल्ली आने पर हरिवंश राय बच्चन के घर में मसालों की गंध उनके बाल और कपड़ों में समा जाती थी। शुरू में इतालवी खाने की याद सताती थी, लेकिन धीरे-धीरे वे पंजाबी सरसों का साग-मक्की की रोटी, इडली-डोसा, ककोरी कबाब, बंगाली और गोवा के व्यंजनों तक पहुंच गईं।

दिल्ली के सोनिया विहार में डंपर और ऑटो की टक्कर

- नवजात बच्ची समेत तीन की मौत और पांच घायल



नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार पुश्ता पर बुधवार रात डंपर और सवारियों से भरे ऑटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। मृतकों में एक नवजात बच्ची भी शामिल है। वहीं, तीन साल की बच्ची हादसे में सुरक्षित बच गई। घायलों को उपचार के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही पुलिस और स्थानीय लोग घायलों को अस्पताल ले जा चुके थे। हादसे में राजा (32) और राखी (30) समेत पांच लोग घायल हुए हैं।

पांच लोग गंभीर रूप से घायल

पुलिस ने बताया कि बुधवार देर रात हादसे की सूचना मिली। ऑटो मानेसर की तरफ से आ रहा था और सभापुर गांव की तरफ से। डंपर (डीएल-1एलवाई-5990) और ऑटो (डीएल-1आरएबी-5531) की आपने सामने से टक्कर हुई थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

दिल्ली में गंदे पानी की सप्लाई से गहराया संकट

अशोक नगर समेत कई इलाकों में नलों से निकल रहा काला पानी



नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना पार के कई इलाकों में गुरुवार सुबह नलों से काला और बदबूदार पानी आने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शास्त्री पार्क, ज्योति नगर, अशोक नगर, सुंदर नगरी और दिलशाद गार्डन समेत कई कॉलोनियों में गंदे पानी की आपूर्ति होने की शिकायतें सामने आईं। सुबह से ही लोग जल बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों को फोन कर शिकायत करते रहे, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। लोगों को पीने और खाना बनाने के लिए पानी की व्यवस्था करने में भी परेशानी हुई। कई परिवारों को बोतलबंद पानी खरीदना पड़ा तो कुछ लोग आसपास के घरों से पानी लेने को मजबूर हुए। स्थानीय लोगों का कहना है कि नलों से आ रहे पानी का रंग इतना काला है कि उसे देखकर ही इस्तेमाल करने की हिम्मत नहीं हो रही। पानी से नाली जैसी दुर्गंध भी आ रही है। लोगों को आशंका है कि सीवर का पानी पेयजल की पाइपलाइन में मिल रहा है। ऐसे में दूषित पानी के इस्तेमाल से पेट संबंधी बीमारियां फैलने का खतरा भी बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि जल बोर्ड के जेई और एई को कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

काला और बदबूदार पानी आया

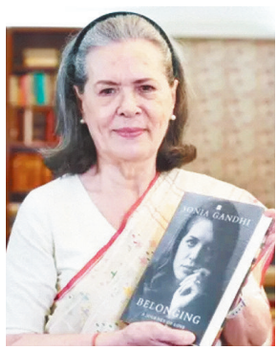
वहीं, अशोक नगर निवासी अनिल कुमार ने बताया कि सुबह नल खोलने पर काला और बदबूदार पानी आया। पानी को देखकर साफ लग रहा था कि इसे पीने या खाना बनाने में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। लोगों ने जल बोर्ड से तत्काल पाइपलाइनों की जांच कराने और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि जब तक पानी की गुणवत्ता की जांच नहीं हो जाती, तब तक उसे पीने के लिए इस्तेमाल करना खतरे से खाली नहीं है।

गुणवत्ता पर पड़ रहा असर

वेस्ट ज्योति नगर आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष मनमोहन सारस्वत ने बताया कि उनकी कॉलोनी की सभी सीवर लाइनें जाम हैं। कई जगह सीवर ओवरफ्लो हो रहा है। लोनी रोड पर बड़े नाले के निर्माण के दौरान उसका पानी कॉलोनी की सीवर लाइन में डाल दिया गया है। इससे सीवर व्यवस्था प्रभावित हुई है और अब पेयजल की गुणवत्ता पर भी असर पड़ रहा है।

झूठ का पुलिंदा है सोनिया गांधी की किताब

1984 सिख दंगों पर डीएसजीएमसी ने उठाए सवाल; कांग्रेस से माफी मांगने को कहा



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी अपनी पुस्तक में सच्चाई को तोड़-मरोड़कर पेश करने और अपने परिवार को क्लीन चिट देने का प्रयास किया है। यह पुस्तक सच्चाई सामने लाने के बजाय झूठ का पुलिंदा है। जगदीप ने कहा कि पुस्तक के माध्यम से एक बार फिर गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत पर लगे दाग को धोने का प्रयास किया है। चाहे आपातकाल के मामले में इंदिरा गांधी का बचाव हो या 1984 के सिख कत्लेआम में राजीव गांधी को निर्दोष साबित करने की कोशिश, हर मामले में तथ्यों को अपनी सुविधा के अनुसार पेश किया गया है।

सिख परिवारों को दशकों तक न्याय के लिए संघर्ष क्यों करना पड़ा

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी का यह दावा कि राजीव गांधी सिखों के कत्लेआम से दुखी थे, इतिहास में दर्ज उनके विवादित बयान से मेल नहीं खाता। राजीव गांधी ने सिखों की हत्या पर बयान दिया था कि 'जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है' आज भी सिखों के घाव को हरा कर देता है।

सोनिया गांधी व कांग्रेस को देश व सिखों से माफी मांगनी चाहिए

उन्होंने कहा कि अब सोनिया गांधी द्वारा भी यह स्वीकार किया जाना कि 1984 के सिख कत्लेआम में कांग्रेस के लोग शामिल थे, अपने आप में गंभीर सवाल खड़े करता है। ऐसे में ऐतिहासिक सच्चाई से मुंह मोड़ने के बजाय कांग्रेस पार्टी को अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

पुलिस ने मांगे दस्तावेज तो गुस्से में जला दिया अपना ही टेंपो

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चेकिंग के लिए रोके जाने पर ड्राइवर कथित तौर पर इस हद तक भड़क उठा कि अपने ही टेंपो में आग लगा दी। तलवार और काला झंडा लहराकर जमकर हंगामा किया। दिल्ली में गुरुवार सुबह एक शख्स ने कथित तौर पर अपने ही टेंपो को आग के हवाले कर दिया। वजह सिर्फ इतनी थी कि ट्रैफिक पुलिस की चेकिंग के दौरान उससे कथित तौर पर वाहन के दस्तावेज दिखाने के लिए कहा गया था। मामला ईस्ट दिल्ली स्थित गाजीपुर बॉर्डर के पास का है।टेंपो को आग लगाने के बाद शख्स ने हंगामे के बीच तलवार हाथ में ली और काला झंडा लहराया। टेंपो में आग और शख्स के तलवार लहराने के वजह से जाम की स्थिति के साथ ही दहशत का माहौल बन गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घटना सुबह साढ़े आठ बजे के आस-पास की है। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने टेंपो को रोका और ड्राइवर से दस्तावेज दिखाने को कहा। शख्स रोके जाने से नाराज हो गया और कथित तौर पर गाड़ी से बाहर निकलना और ज्वलनशील पदार्थ निकालकर टेंपो में आग लगा दी।

घटना का वीडियो भी सामने आया- घटना का एक कथित वीडियो भी सामने आया है जिसमें टेंपो आग की लपटों से घिरा नजर आ रहा है जबकि एक शख्स अपने हाथ में तलवार और काला झंडा लिए हुए है।

पुलिस के बयान में क्या-क्या बताया गया? पुलिस के बयान के मुताबिक, गाजीपुर मुर्गा मंडी टोल टैक्स के पास पीसीआर कॉल के जरिए गाजीपुर पुलिस स्टेशन को सूचना मिली थी। पुलिसकर्मी वेस्ट विनोद नगर डिपो के पास तुरंत मौके पर पहुंचे, जहां टेंपो को आग की लपटों में घिरा पाया गया हालांकि वह खाली था। इस दौरान घनेंद्र (28) नाम के एक व्यक्ति कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम की स्थिति बनाई। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसे तुरंत पकड़ लिया और ट्रैफिक सामान्य कर दिया। पुलिस ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले में आगे की जांच जारी है। इधर बुधवार शाम को दिल्ली के शकरपुर थाना क्षेत्र में यमुना बैंक डिपो के ठीक सामने सड़क पर चलती कार में अचानक आग लग गई थी।

बनारस-कोलकाता जैसा अनुभव नहीं! यमुना क्रूज में भारी-भरकम किराया, फिर भी सफर का अधूरा मजा



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में यमुना पर क्रूज सेवा शुरू होने के बाद पर्यटकों को नदी की सैर का नया विकल्प तो मिल गया है, लेकिन इस सफर को यादगार बनाने के लिए जिन आकर्षक नजारों और पर्यटन स्थलों की जरूरत है, उनका फिलहाल अभाव है। वहीं, जिस क्षेत्र में क्रूज चलाया जा रहा है, वहां यमुना किनारे ऐसा कोई प्रमुख दर्शनीय स्थल विकसित नहीं है, जिसे देखकर पर्यटक रोमांचित हो सकें। ऐसे में रिवरफ्रंट का विकास किए बिना क्रूज का पूरा आनंद मिलना मुश्किल है। क्रूज की सवारी के लिए व्यवस्थाओं के मामले में एक अव्यवस्था यह सामने आई है कि पर्यटकों को 500 रुपये का टिकट लेना पड़ रहा है। पर्यटक इसे 30 मिनट की सवारी के लिए महंगा बता रहे हैं। वहीं परिसर में प्रवेश के लिए 50 रुपये का अलग शुल्क भी देना पड़ रहा है। पर्यटकों का सवाल है कि जब उन्होंने क्रूज की सवारी के लिए 500 रुपये का टिकट खरीद लिया है तो उनसे परिसर में प्रवेश का अतिरिक्त शुल्क क्यों लिया जा रहा है। कई पर्यटकों ने इसका विरोध भी जताया है। उनकी मांग है कि क्रूज का टिकट कम किया जाए और क्रूज का टिकट लेने वालों को 50 रुपये के प्रवेश शुल्क से छूट मिलनी चाहिए। क्रूज की सवारी के रोमांच की बात करें तो यमुना बैराज के पास बने स्टेशन से क्रूज चलने के बाद जब सोनिया विहार की ओर आगे बढ़ता है तो यमुना के दोनों किनारों पर पर्यटकों को देखने के लिए कुछ नहीं मिलता। सोनिया विहार की तरफ जगह जगह लोग खड़े होकर क्रूज को निहारते देखते हैं और उसमें सवार लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते हैं। यह दृश्य कुछ देर के लिए मनोरंजक जरूर होता है, लेकिन पूरे सफर का आकर्षण नहीं बन पाता। क्रूज के बाईं ओर दूसरे किनारे पर कुछ स्थानों पर विभिन्न प्रजातियों के पक्षी जरूर दिखाई देते हैं जो पर्यटकों का कुछ रोमांच बढ़ा पाते हैं। दिल्ली में भी यमुना रिवरफ्रंट विकसित करने की बात हो रही है, यमुना को स्वच्छ और अविरल बनाने के साथ ही दिल्ली क्षेत्र में इसके किनारों को साबरमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर विकसित किया जाना है। इस परियोजना पर काम शुरू होने में ही अभी समय लगने की संभावना है।

बनारस में 84 घाटों का दर्शन

बनारस में गंगा क्रूज की सबसे बड़ी खासियत वहां के ऐतिहासिक और धार्मिक घाट हैं। पर्यटकों को लगभग 90 मिनट की यात्रा में गंगा के 84 घाटों का नजारा दिखाया जाता है। शाम के विशेष पैकेज में दशाश्वमेध घाट पर होने वाली प्रसिद्ध गंगा आरती और घाटों पर जगमगाते दीप पर्यटकों के लिए विशेष अनुभव होते हैं।

हुगली में ऐतिहासिक पुलों और विरासत का दीदार

कोलकाता में हुगली नदी पर क्रूज की यात्रा के दौरान प्रसिद्ध हावड़ा ब्रिज (रवींद्र सेतु), विद्यासागर सेतु, प्रिंसेप घाट, मिलेनियम पार्क और नदी किनारे बने पुराने घाट शामिल हैं। कुछ लंबे क्रूज मार्गों पर बेलूर मठ और दक्षिणेश्वर काली मंदिर के नजारे भी देखने को मिलते हैं।

दिल्ली की हवा पर चौंकाने वाली रिपोर्ट, जहां घुटता था दम

वहां अब राहत; नए इलाकों में बढ़ा प्रदूषण



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पारंपरिक प्रदूषण हॉट स्पॉट में वायु गुणवत्ता में सुधार के संकेत मिले हैं, लेकिन नए इलाकों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का कारण बन रहा है। विवेक विहार, सोनिया विहार और आइटीओ जैसे क्षेत्र अब कई पुराने हॉट स्पॉट से अधिक प्रदूषित हो चुके हैं। वहीं, जहांगीरपुरी 163 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर पीएम2.5 के साथ अब भी दिल्ली का सबसे प्रदूषित हॉट स्पॉट बना हुआ है। सीएसई द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, 1 अक्टूबर से 8 नवंबर के दौरान पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले दिल्ली के 13 आधिकारिक प्रदूषण हॉट स्पॉट में से 11 में पीएम2.5 का स्तर कम हुआ है। आनंद विहार में सर्वाधिक 49 प्रतिशत, वजीरपुर में 41 प्रतिशत, अशोक विहार में 40 प्रतिशत और बवाना में 22 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, जहांगीरपुरी में दो प्रतिशत और पंजाबी बाग में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई। चिंता की बात यह है कि विवेक विहार में पीएम2.5 का स्तर 144, सोनिया विहार में 139, आईटीओ में 137 और दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) क्षेत्र में 135 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर दर्ज किया गया। एनआईएच नरेला में यह स्तर 122 और एनएसयूटी जाफरपुर में 111 माइक्रोग्राम रहा।

विवेक विहार में वाहनों का दबाव, यातायात जाम, सड़क की धूल और आसपास की निर्माण गतिविधियां प्रदूषण के संभावित स्रोत हैं। वहीं, आईटीओ में भारी यातायात और सोनिया विहार में स्थानीय उत्सर्जन के साथ क्षेत्रीय प्रदूषण का असर पड़ सकता है। इन कारणों की पुष्टि के लिए स्रोतवार अध्ययन जरूरी है। दिल्ली के साथ गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में भी प्रदूषण तेजी से बढ़ा है।

दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में इलेक्ट्रिक बस में लगी आग, दमकलकर्मियों ने संभाला मोर्चा

नईदिल्ली, एजेंसी। शास्त्री पार्क इलाके में डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस बुधवार रात निर्माणाधीन छोटी पुलिया पर फंस गई। बस चालक ने जब बस को निकालने की कोशिश की तो अचानक उसमें आग लग गई। पल भर में बस आग का गोला बन गई। गनीमत रही कि हादसे के वक्त बस में कोई यात्री नहीं था। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। शास्त्री पार्क थाना पुलिस बस को पुलिया से निकालने के लिए क्रेन की व्यवस्था कर रही है।



लोगों ने बताया पूरा सूरतेहाल - स्थानीय निवासियों ने बताया कि शास्त्री पार्क में डीडीए तीन फुट चौड़े नाले पर ऊंची पुलिया बनाने का काम कर रहा है। पुलिया बन चुकी है, लेकिन अभी ढलान नहीं बनाया गया है। बुधवार रात करीब सात बजे डीटीसी बस चालक ने बस पुलिया पर चढ़ा दी, जिससे बस फंस गई। काफी मशक्कत के बाद भी बस नहीं निकल सकी।

कैसे लगी बस में आग? - आरोप है कि रात करीब 10:45 बजे चालक बस को निकालने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान पुलिया के पत्थरों और बस के पिछले पहियों के बीच लगातार रगड़ होती रही। इससे बस में आग लग गई।

आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप शुरु

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में पहली बार बड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्नूकर प्रतियोगिता का रोमांच देखने को मिलेगा। आज 12 से 21 नवंबर तक यशवंत क्लब में आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप 2026 का आयोजन किया जाएगा।इसमें दुनिया के 30 से अधिक देशों के खिलाड़ी खिताब के लिए मुकाबला करेंगे।



चैंपियनशिप में भारत की 22 सदस्यीय टीम भी हिस्सा लेगी। इसमें देश के दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी पंकज आडवाणी और महिला चैंपियन अनुपमा रामचंद्रन शामिल हैं। प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के बीच कड़े मुकाबले देखने को मिलेंगे।

13 नवंबर से शुरू होंगे मुकाबले

12 नवंबर को शाम 7 बजे खिलाड़ियों और रेफरियों की बैठक होगी। इसके बाद 13 नवंबर से क्वालिफाइंग मुकाबलों की शुरुआत होगी। प्रतियोगिता 21 नवंबर तक चलेगी। इस दौरान विभिन्न देशों के खिलाड़ी विश्व चैंपियन बनने के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे।

इंदौर को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय पहचान- इस चैंपियनशिप के आयोजन से इंदौर को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है। देश-विदेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों और खेल प्रेमियों की मौजूदगी से शहर में खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

न्यूजीलैंड ने फुटबॉल मैच में भारत को 5-0 से हराया

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय फुटबॉल टीम को पहले इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में 0-5 से हार मिली।ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान टीम ने पहले हाफ में ही 3 गोल की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में दो और गोल कर न्यूजीलैंड ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वर्गीस से गेंद अपने ही गोलपोस्ट में गई

न्यूजीलैंड को पांचवें मिनट में बढ़त मिली, जब भारत के डिफेंडर बिजॉय वर्गीस से गेंद अपने ही गोलपोस्ट में चली गई।इसके बाद जेसी रैंडल ने 34वें और 43वें मिनट में



गोल कर न्यूजीलैंड की बढ़त 3-0 कर दी।

दूसरे हाफ में वुड और बेलिस ने किए गोल- दूसरे हाफ में भी न्यूजीलैंड का दबदबा जारी रहा। क्रिस वुड ने 57वें मिनट में गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया। इसके बाद 74वें मिनट में लाचलन बेलिस ने पांचवां गोल दागकर भारत की वापसी की उम्मीदें खत्म कर दीं। भारतीय गोलकीपर विशाल कैथ ने कई मौकों पर गोल बचाए, लेकिन न्यूजीलैंड के हमलों को रोक नहीं सके।दूसरे हाफ में क्रिस वुड ने गोल कर न्यूजीलैंड की बढ़त 4-0 कर दी।

रविवार को क्राइस्टचर्च में दूसरा मैच

भारतीय टीम अब न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच रविवार को क्राइस्टचर्च में खेलेगी। पहले मुकाबले में मिली हार के बाद भारतीय टीम की कोशिश दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की होगी।

10 साल की ईरा ने बनाए 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड

दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वलिफाइड स्कूबा डाइवर बनीं, माता-पिता नेवी में कमांडर



मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बुलढाणा की 10 साल की ईरा आदित्य राउत ने स्कूबा डाइविंग में एक दिन में 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने 10 साल, 17 घंटे और 35 मिनट की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने का रिकॉर्ड बनाया। ईरा ने यह उपलब्धि अंडमान-निकोबार के शहीद द्वीप स्थित डाइव ट्राइब सेंटर में हासिल की। उनके माता-पिता दोनों भारतीय नौसेना में कमांडर हैं।

- **एसएसआई ने डाइविंग योग्यता प्रमाणित की, 6 रिकॉर्ड की पुष्टि हुई-** ईरा की स्कूबा डाइविंग योग्यता को अंतरराष्ट्रीय संस्था स्कूबा स्कूल्स इंटरनेशनल (एसएसआई) ने प्रमाणित किया है। वहीं, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक अरविंदर सिंह भाटी ने मौके पर उनके सभी 6 रिकॉर्ड की जांच कर पुष्टि की।
- **पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा हैंड सिग्नल दिखाए-** ईरा ने सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने के अलावा पानी के अंदर कई रिकॉर्ड बनाए। इनमें तीन रिकॉर्ड टीनएज से कम उम्र के प्रतिभागियों की कैटेगरी में दर्ज हुए।

हैंड सिग्नल- पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा स्कूबा डाइविंग हैंड सिग्नल दिखाने का रिकॉर्ड।

डाइविंग उपकरणों की पहचान- पानी के नीचे सबसे ज्यादा डाइविंग उपकरणों की पहचान करने का रिकॉर्ड।

सबसे ज्यादा दूरी- पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा दूरी तय करने का रिकॉर्ड।

समुद्री जीवों की पहचान- स्कूबा डाइविंग के दौरान सबसे ज्यादा समुद्री जीवों की प्रजातियों की पहचान करने का रिकॉर्ड।

एक दिन में 6 रिकॉर्ड:

एक ही दिन में 6 अलग-अलग वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का कीर्तिमान।ईरा ने एक ही दिन में तीन रिकॉर्ड अपने नाम किया।

पिता-मां नेवी में कमांडर, दादा भी रह चुके नौसेना अधिकारी



ईरा के पिता कमांडर आदित्य राउत और मां कमांडर स्नेह बुडाकोटी भारतीय नौसेना में सेवाएं दे रहे हैं। उनके दादा अशोक राजाराम राउत भी नौसेना में कमांडर रह चुके हैं। ईरा का परिवार मूल रूप से महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले का रहने वाला है।ईरा फिलहाल कर्नाटक के कारवार स्थित नेवल चिल्ड्रन स्कूल में कक्षा 5वीं की छात्रा हैं। नौसेना से जुड़े परिवार में पली-बढ़ीं ईरा ने कम उम्र में ही स्कूबा डाइविंग जैसे एडवेंचर स्पोर्ट्स में रुचि दिखाई।

सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

आज पहली बार कप्तानी करेंगे श्रेयस अय्यर



माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा। टीम इंडिया फिलहाल सीरीज में 2-0 से आगे है और उसकी नजर इस मुकाबले को जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होगी। वहीं, न्यूजीलैंड के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा है। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करते नजर आएंगे, क्योंकि शुभमन गिल टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए टीम से बाहर हो गए हैं।

पहली बार वनडे कप्तानी श्रेयस के लिए सबसे बड़ी चुनौती - चौथे वनडे में श्रेयस अय्यर के लिए सबसे बड़ी चुनौती कप्तानी के साथ बल्लेबाजी में भी खुद को साबित करने की होगी। वह पहली बार भारतीय वनडे टीम की कप्तानी संभालेंगे। हालांकि, इस सीरीज में उनकी बल्लेबाजी चर्चा का विषय रही है और शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी परेशानी एक बार फिर सामने आई है।

शुभमन गिल समेत ये खिलाड़ी टीम से हुए बाहर- न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी दो वनडे मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में कई बदलाव किए गए हैं। शुभमन गिल टेस्ट सीरीज की तैयारियों पर ध्यान देने के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। उनके अलावा केएल राहुल और अंशुल कंबोज भी रेड बॉल क्रिकेट की तैयारी के लिए टीम छोड़ चुके हैं। इन खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है।

रोहित शर्मा के साथ कौन करेगा ओपनिंग- शुभमन गिल के टीम से बाहर होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि चौथे वनडे में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। इसके लिए ईशान किशन और रुतुराज गायकवाड़ दो प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। रोहित शर्मा भी इस दौरे पर अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने सीरीज में अब तक 0 और 23 रन बनाए हैं।

17 दिसंबर से शुरू होगा विश्व टेनिस लीग का पांचवां सीजन

बेंगलुरु में सजेगा टेनिस का महाकुंभ

बेंगलुरु- (एजेंसी)। भारतीय टेनिस प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के पांचवें सीजन का आयोजन इस साल दिसंबर में बेंगलुरु में किया जाएगा। चार दिवसीय इस टूर्नामेंट में भारत और विदेश के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोर्ट पर अपना दमखम दिखाएंगे। भारतीय खिलाड़ियों में सुमित नागल, माया राजेश्वरन रेवती और दक्षिणेश्वर सुरेश जैसे नाम शामिल हैं। टूर्नामेंट का आयोजन 17 से 20 दिसंबर तक किया जाएगा।

- **बेंगलुरु में शुरू होगा विश्व टेनिस लीग का पांचवां सीजन-** विश्व टेनिस लीग का पांचवां संस्करण 17 दिसंबर से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में आयोजित होगा। इस चार दिवसीय प्रतियोगिता के सभी मुकाबले एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ भारतीय टेनिस सितारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। आयोजकों को उम्मीद है कि इस बार भी दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।
- **सुमित नागल और माया राजेश्वरन समेत भारतीय खिलाड़ी दिखाएंगे दम-** विश्व टेनिस लीग के पांचवें सीजन में भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी खास रहने वाली है।



सुमित नागल, माया राजेश्वरन रेवती और दक्षिणेश्वर सुरेश जैसे खिलाड़ी एक बार फिर कोर्ट पर नजर आएंगे। इन खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करना अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर होगा। इसके अलावा भारतीय टेनिस फैंस को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को घरेलू मैदान पर खेलते देखने का मौका मिलेगा।

- **भारतीय टेनिस को मिलेगा बड़ा मंच-** विश्व टेनिस लीग का पांचवां सीजन भारतीय खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ खेलने का अहम मंच साबित हो सकता है। घरेलू दर्शकों के सामने खेलने से खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने और अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा। 17 से 20 दिसंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट पर टेनिस प्रेमियों की नजरें रहेंगी। खासतौर पर सुमित नागल और युवा भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखने के लिए फैंस उत्साहित होंगे।

पाउला बडोसा समेत कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी होंगे शामिल

इस टूर्नामेंट में स्पेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी पाउला बडोसा भी हिस्सा लेंगी। उनके अलावा युकी भांबरी और श्रीवल्ली भामिदिपति जैसे खिलाड़ी भी पिछले सीजन की तरह इस बार अपनी चुनौती पेश करेंगे। पिछले सीजन में हिस्सा लेने वाले कई खिलाड़ियों की वापसी से टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी से दर्शकों को कई शानदार मुकाबले देखने को मिल सकते हैं।

ब्रेट रैंडेल को पहली बार न्यूजीलैंड टीम में मौका

भारत के खिलाफ आखिरी 2 वनडे में शामिल; 5वें मैच में क्लार्कसन भी खेलेंगे



आकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए 31 साल के तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को टीम में शामिल किया है। रैंडेल को पहली बार सीनियर इंटरनेशनल टीम में जगह मिली है। वहीं, ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन पांचवें और आखिरी वनडे के लिए टीम से जुड़ेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।जोश क्लार्कसन पांचवें और आखिरी वनडे के लिए टीम से जुड़ेंगे।

चौथा वनडे शुक्रवार को, भारत सीरीज में 2-0 से आगे- सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा, जबकि पांचवां और आखिरी मैच रविवार को होगा।5 मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 2-0 से आगे है। तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द हो गया था।

145 प्रोफेशनल मैच खेल चुके, डर्बीशायर से भी खेले

ब्रेट रैंडेल न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तेज गेंदबाज हैं। वह अब तक 145 प्रोफेशनल मैच खेल चुके हैं। इनमें न्यूजीलैंड-ए के लिए खेले गए 5 मुकाबले भी शामिल हैं।रैंडेल हाल ही में इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में डर्बीशायर की ओर से खेलकर लौटे हैं।

श्रीलंका ने पहली पारी में 446 रन बनाए

डी सिल्वा ने 167 और मेंडिस ने 119 रन बनाए; साकिब खान ने 7 विकेट लिए

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में खेले जा रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका पहली पारी में 446 रन पर ऑलआउट हो गया। इस तरह टीम ने पाकिस्तान के 434 रन के जवाब में 12 रन की बढ़त हासिल की। श्रीलंका की ओर से धनंजय डी सिल्वा ने 167 और कप्तान कुसल मेंडिस ने 119 रन बनाए। पाकिस्तान के साकिब खान ने 7 विकेट लिए।



धनंजय डी सिल्वा और कुसल मेंडिस ने संभाली श्रीलंका की पारी- श्रीलंका ने चौथे दिन अपनी पहली पारी 404/4 के स्कोर से आगे बढ़ाई। धनंजय डी सिल्वा 167 और कुसल मेंडिस 117 रन बनाकर नाबाद थे। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 249 रन की साझेदारी की। धनंजय डी सिल्वा 246 गेंदों पर 167 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 20 चौके शामिल रहे। वहीं, कप्तान कुसल मेंडिस ने 202 गेंदों पर 119 रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। इन दोनों के अलावा कामिंदु मेंडिस ने 58 और लाहिरू उदारा ने 42 रन बनाए। श्रीलंका की पूरी टीम 117.2 ओवर में 446 रन बनाकर आउट हुई।

साकिब खान ने 7 विकेट लिए- पाकिस्तान की ओर से साकिब खान सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 34 ओवर में 130 रन देकर 7 विकेट लिए।

लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत ने प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

जापान (एजेंसी)। कुमामोटो मास्टर्स जापान 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत ने पुरुष सिंगल्स में अपने-अपने मुकाबले जीतकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लक्ष्य ने चीनी ताइपे के खिलाड़ी को सीधे गेम में हराया, जबकि पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 श्रीकांत ने डेनमार्क के खिलाड़ी के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।



लक्ष्य सेन ने सीधे गेम में दर्ज की शानदार जीत- भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने कुमामोटो प्रीफेक्चरल जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराया। यह मुकाबला 49 मिनट तक चला, जिसमें लक्ष्य ने दोनों गेम में शानदार खेल दिखाया। लक्ष्य ने दबाव के बावजूद अपना संयम बनाए रखा और लगातार दो गेम जीतकर अगले दौर में जगह पक्की की। उनकी इस जीत से टूर्नामेंट में भारतीय उम्मीदों को मजबूती मिली है।

किदांबी श्रीकांत ने वापसी कर जीता मुकाबला- पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। हालांकि, उनका मुकाबला आसान नहीं रहा। डेनमार्क के रासमस गेमके ने पहला गेम 21-18 से जीतकर श्रीकांत पर दबाव बना दिया था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की और दूसरा गेम 21-16 से अपने नाम किया। निर्णायक तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन श्रीकांत ने 24-22 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह मैच कुल 1 घंटे 8 मिनट तक चला।